FOCUS NEWS
फोकस न्यूज़

facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in
www.focusnews.co.in
+focusnewsin

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। शुक्रवार 12 दिसंबर 2025। अष्टमी, मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 13। अंक : 148

व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेतों के बीच मोदी और ट्रंप ने फोन पर की बातचीत

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत की और द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी में गति बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की, जिससे दोनों पक्षों के बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंचने के संकेत मिले। दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत उस दिन हुई जब भारतीय और अमेरिकी वार्ताकारों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दो दिवसीय वार्ता समाप्त की, उम्मीद है कि इससे भारत को ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क से राहत मिलेगी। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बातचीत को ''सौहार्दपूर्ण और सार्थक'' बताया। मोदी ने व्यापारिक संबंधों का कोई जिक्र किए बिना अपनी पोस्ट में कहा, '' हमने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत और अमेरिका वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने मंगलवार को विवरण दिए बिना कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भारत से अमेरिका को अब तक का 'सबसे अच्छा' प्रस्ताव मिला है। मोदी और ट्रंप ने इससे पहले अक्टूबर में बात की थी। अगस्त में ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक बढ़ाए जाने जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है, के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों (शेष पेज दो पर)

दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाना गौरव की बात : राधाकृष्णन

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने पर खुशी जताते हुए इसे भारत के लिए गौरव की बात बताया। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति ने भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार, 10 दिसम्बर 2025 को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किए जाने का जिक्र किया।

सभापति ने कहा ''दीपावली केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि यह एक सभ्यतागत संदेश है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। इसका सार्वभौमिक दर्शन सभी धर्मों, क्षेत्रों और पीढ़ियों से परे भारत की समावेशी, प्रकाशमान और लचीली आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है।'' उन्होंने बताया कि यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है और इससे वैश्विक स्तर पर भारत की सभ्यतागत विरासत की चमक और बढ़ गई है। भारत की 15 सांस्कृतिक परंपराएं वर्तमान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हैं, जिनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला – महाकाव्य 'रामायण' का पारंपरिक प्रदर्शन शामिल हैं। सभापति ने अपनी और सदन की ओर से सभी भारतीयों, सांस्कृतिक दूतों और उन सभी व्यक्तियों एवं संस्थानों को हार्दिक बधाई दी, जिन्होंने इस वैश्विक मान्यता को हासिल करने में योगदान दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि ''यह उपलब्धि हमें हमारी समृद्ध विरासत और परंपराओं को संरक्षित, संवर्धित कर गर्व के साथ मनाने के लिए नयी प्रतिबद्धता और श्रद्धा के साथ प्रेरित करेगी।''

प्रधानमंत्री मोदी ने राजग सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी की, मिलकर काम करने का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी की और भारत की विकास यात्रा को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प जताया।

ओडिशा मास्टर्स: शीर्ष वरीय उन्नति, थारुन क्वार्टर फाइनल में

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ओडिशा मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और थारुन मन्नेपल्ली के साथ ही तन्वी शर्मा, किरण जॉर्ज और अनुपमा उपाध्याय भी बृहस्पतिवार को एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं : कंगना रनौत

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं।

सकारात्मक सोच

श्रद्धा, विश्वास का प्रतीक है। आदमी के अंदर विश्वास की भावना यदि मजबूत है तो वह अपने भीतर श्रद्धा को अटूट बंधन में बांध सकता है। अविश्वास की धार इस बंधन को बिना कुछ सोचे काटने में देर नहीं लगाती।

आईएमडीबी 2025 की सूची में शीर्ष पर रही 'सैय्यारा'

बॉलीवुड के नए कलाकार अहान पांडे और अनीता पड्डा अभिनीत फिल्म "सैयारा" सबसे लोकप्रिय फिल्मों की आईएमडीबी की वर्ष 2025 की सूची में शीर्ष पर रही।

टीटीडी के 'एसवी प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपये और दो वाहन दान में मिले

तमिलनाडु की एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के 'श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपये का दान दिया है।

नेस्ले इंडिया का ग्राहक–केंद्रित रणनीति, प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यान: चेयरमैन

रोजमर्रा के सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण एवं प्रौद्योगिकी पर जोर दे रही है।

आज का सुविचार

अँधेरे से मत ड़रो,
सितारे अँधेरे में ही
चमकते हैं

दोस्त : कैसे हो यार...
पप्पू: बस ठीक हूँ..,
दोस्त : भाई कुछ पैसों की ज़रूरत हैं
पप्पू : मुझे भी यार, कोई दे रहा हैं तो बता देना

मोहन भागवत चार दिवसीय यात्रा पर अंडमान पहुंचे

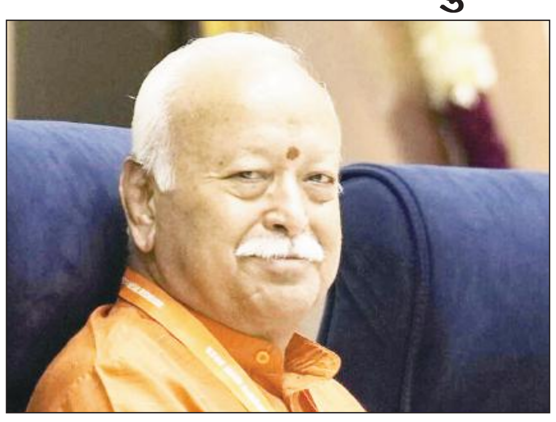

श्री विजयपुरम, फोकस न्यूज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बृहस्पतिवार को चार दिवसीय दौरे पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पहुंचे। भागवत यहां वीडी सावरकर के सम्मान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। भागवत की 'सरसंघचालक' के रूप में द्वीपसमूह की यह पहली यात्रा है। लगभग दो दशक पहले, उन्होंने संगठन के 'सरकार्यवाह' या महासचिव के रूप में द्वीपों का दौरा किया था। भागवत ने यहां पहुंचने के बाद श्री विजयपुरम के डॉलीगंज स्थित (शेष पेज दो पर)

कृषि विद्यार्थी तकनीक एवं नवाचारों के जरिए राष्ट्र निर्माण के ध्वजवाहक बनें: सिंधिया

ग्वालियर, फोकस न्यूज, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कृषि क्षेत्र के विद्यार्थियों से डिग्री लेने के बाद तकनीक और नवाचारों के जरिए राष्ट्र निर्माण में सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत की सपना तभी पूरा हो पाएगा, जब कृषि को डिजिटल, तकनीक और कृत्रिम मेधा (एआई) की शक्ति मिलेगी। यहां राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह बात कही। इस दीक्षांत समारोह में स्नातक के 257, स्नातकोत्तर के 256 एवं पीएचडी के 30 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इसके साथ ही (शेष पेज दो पर)

आदित्यनाथ 12 दिसंबर को बाराबंकी में करेंगे किसान पाठशाला की शुरुआत

लखनऊ, फोकस न्यूज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बाराबंकी जिले के दौलतपुर गांव में पद्मश्री से सम्मानित किसान राम सरन वर्मा के खेत में रबी मौसम के लिए किसान पाठशाला का उद्घाटन करेंगे। सरकार ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को होने वाले इस उद्घाटन का उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों, आधुनिक कृषि मशीनों और रबी फसल की उन्नत किस्मों से परिचित कराना है। इस कदम के माध्यम से सरकार 'किसान की बात, किसान के द्वार' (किसानों की चिंताओं को उनके घर तक पहुंचाना) पर जोर देना चाहती है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में किसान पाठशालाओं के माध्यम से लगभग 190 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया गया (शेष पेज दो पर)

राजस्थान के विकास में बड़े साझेदार हैं प्रवासी राजस्थानी: भजनलाल शर्मा

जयपुर, फोकस न्यूज, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, चिकित्सा समेत अनेक क्षेत्रों में राजस्थान के तेजी से आगे बढ़ने का दावा करते हुए कहा कि राज्य की भौगोलिक विविधता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इस विकास यात्रा को और मजबूती देती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की इस प्रगति में बड़े साझेदार बने हैं। शर्मा प्रवासी राजस्थानियों के सूरत, लंदन, दुबई, सिंगापुर, कंपाला, टोक्यो, दोहा, म्यूनिख, न्यूयॉर्क, भुवनेश्वर, नैरोबी, कोलकाता एवं दिल्ली 'चैप्टर' के सदस्यों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से राजस्थान को देशभर में अग्रणी राज्य बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनके द्वारा राज्य में किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों की राज्य में निवेश के लिए हर संभव मदद की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा,'' हमारी प्राथमिकता है कि प्रवासी राजस्थानियों का अपनी मिट्टी से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस पर ऐतिहासिक आयोजन किया। प्रवासियों के कल्याण तथा उनके हितों के लिए 'राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग' का गठन किया गया है। साथ ही, प्रवासी राजस्थानी नीति भी लॉन्च की गई है।'' राज्य सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए 'चैप्टर' की घोषणा की गई है। जिससे इन 'चैप्टर' की कुल संख्या अब बढ़कर 40 हो गई है। इसके अनुसार देश–विदेश से आए प्रवासी राजस्थानियों ने कहा कि वे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों मे निवेश कर रहे हैं

इलाज दिल का, लाभ दिमाग को

ऐसे वृद्ध लोग जो ब्लड प्रैशर को ठीक रखने के लिए दवाएं ले रहे हैं, वे अनायास ही अपनी मानसिक क्षमता को कम होने से बचा रहे हैं। यह बात एक नए शोध में सामने आई है। गौरतलब है कि जिस दवा के बारे में शोधकर्ता ऐसा दावा कर रहे हैं, वह विश्वविख्यात एसई नामक दवा है। यह दवा व्यक्ति के मस्तिष्क में प्रवेश करके वहां हो रही सूजन या जलन पर रोक लगाती है। इसके अलावा इस दवा को पागलपन के इलाज में भी काफी कारगर माना जाता है। इस शोध में विज्ञानियों ने एसई अवरोधक और कम स्तर के पागलपन के बीच रिश्ता ढूंढ़ निकाला। इसके लिए शोधकर्ताओं ने मिनीमेंटल स्टेट एक्जाम की सहायता ली। इसके तहत याददाश्त, भाषा और दिमाग के दूसरे कार्यकर्ताओं का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि एसई अवरोधक जब दिमाग में प्रवेश करता है तो पागलपन या याददाश्त कमजोर होने के चांस कम होते हैं। वेख फॉरैस्ट यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. केयस सिंक के मुताबिक एसई और दूसरी दवाओं के असर में काफी कम अंतर है।

रामचरित मानस

रामचरित मानस मधुर अनुपम ग्रन्थ महान
जिसके अध्ययन मनन से निर्मल होते प्राण!
कथा सुहावन राम की कविवर तुलसीदास
भर दी एक एक छन्द में जिनने अमर मिठास !
'राम्च रूप भगवान का, पावन उनका नाम
जिनके गुण गायन, भजन सफल करें हर काम !
राम नाम हर दुखी के लिये बड़ा आधार
जिसकी सुखप्रद शरण से कटते दुःख हजार !
राम नाम का स्मरण देता मन को शांति
भक्तों को देता है बल, मिटा सकल भव–भ्रांति !
सबका है श्री राम पर मन चाहा अधिकार
मन में गहरी भक्ति रख करें उन्हें जो प्यार !
रामकथा मन को सदा देती विमल प्रकाश
राम को मन में बसा के कोई न कभी उदास !
रामायण के पाठ में है आध्यात्मिक ज्ञान
सबके रक्षक और सखा सदा राम भगवान !
रामकृपा सुखदायिनी तरू की छाँव समान
मनोवांछादायी है राम का शुभ गुणगान !
कृपा भाव पर राम के, जिनका है विश्वास
सतत सफलता सिद्धि सब आतीं उनके पास !!

बासी चावल प्रोबायोटिक्स से होते हैं भरपूर, गट हेल्थ को करते हैं बेहतर, बस जान लें सेवन का सही तरीका

यह कहा जाता है कि बासी खाना सेहत के लिए हानिकारक होता है। बसी खाना बचने के बाद उनका इस्तेमाल करने के बजाए लोग उन्हें या तो फेंक देते हैं या जानवरों को खिला देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं बासी चावल सेहत के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी पाचन शक्ति को बेहतर करता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है। चलिए जानते हैं क्यों है बासी चावल सेहत के लिए फायदेमंद और क्या है सेवन का सही तरीका?

क्यों है बासी चावल फायदेमंद? : बासी चावल फायदेमंद होते हैं क्योंकि उनमें रेजिस्टेंट स्टार्च बढ़ जाता है, जो एक फाइबर जैसा कंपाउंड है जो पेट की हेल्थ को बेहतर बनाता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करता है, आंतों के स्वास्थ्य को सुधारता है और प्रोबायोटिक्स देता है, जिससे कब्ज, एसिडिटी में राहत मिलती है और शरीर को ठंडक व ऊर्जा मिलती है।

बासी चावल के फायदे: पचने में है आसानः बासी चावल गैस, कब्ज, एसिडिटी से राहत देते हैं। आजकल के लाइफस्टाइल में लोगों के खान–पान का ठिकाना नहीं है, इसलिए उन्हें कब्ज जैसी बीमारी की शिकायत रहती है। लेकिन, चावल में बहुत ज्यादा फाइबर भी होता है, इससे कब्ज को दूर करने में मदद मिलती है।

ब्लड शुगर कंट्रोलः इससे ब्लड शुगर धीरे–धीरे बढ़ता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना बेहतर होता है और टाइप 2 (शेष पेज दो पर)

विटामिन–ई बचाता है कैंसर से

वाशिंगटन से जो नए शोध की रिपोर्ट प्रकाशित हुई, उसने कैंसर जैसे जानलेवा रोग से निपटने की संभावनाएं बढ़ा दी हैं। अध्ययनकर्ता ओ. जेम्स का कथन है– हमारे अध्ययन से साबित हो गया है कि विटामिन 'ईय के यौगिक से तैयार रसायन से कैंसर कोशिकाओं को नष्टङ्ग किया जा सकता है। इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी प्रकार की हानि नहीं होती। अब वैज्ञानिकों का मानना है कि विटामिन–ई के यौगिक बीसीएल एक्सएल नामक प्रोटीन के निर्माण को रोक देते हैं। इसका निर्माण स्वस्थ कोशिकाओं द्वारा किया जाता है। साथ ही कहा है कि कैंसर से पीड़ित कोशिकाओं में यह प्रोटीन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। दि ओहियो स्टेट यूनिविर्सिटी केप्रिहेंसिव कैंसर सेंटर के विज्ञानी कहते हैं कि हमारे इस शोध से कैंसर की प्रभावी दवाइयां बनाना अब सरल तथा संभव हो जाएगा। शोध से आए निष्कर्ष के अनुसार विटामिन–ई कैंसर से पीड़ित कोशिकाओं को नष्टङ्ग करने में सक्षम हैं। विटामिन–ई के यौगिक अल्फा न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट से तैयार रसायन से कैंसर कोशिकाओं को नष्टङ्ग किया जा सकता है।

व्यापार वार्ता... (पेज एक का शेष) की ओर से नयी दिल्ली की लगातार आलोचना किए जाने के कारण भी संबंधों में तनाव आया। दोनों पक्षों ने पिछले कुछ हफ्तों में संबंधों को सुधारने के प्रयास किए हैं। भारत की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार मोदी और ट्रंप ने भारत–अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की और प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार विमर्श किया। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने इस बात को दोहराया कि भारत और अमेरिका वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। फोन पर हुई बातचीत से परिचित अधिकारियों ने बताया कि मोदी और ट्रंप ने भारत–अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान–प्रदान किया। अधिकारियो ने बताया कि दोनों नेताओं ने साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की और सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में निरंतर मजबूती पर संतोष जताया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के साझा प्रयासों में गति बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने बताया कि नेताओं ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी बातचीत की, जो 21वीं सदी के लिए भारत–अमेरिका 'कॉम्पैक्ट' (सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना) के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण हैं। अधिकारियों ने बताया कि नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और साझा चुनौतियों का समाधान करने और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की।

मोहन भागवत... (पेज एक का शेष) आरएसएस कार्यालय में संगठन के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान, भागवत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सावरकर की कविता 'सागर प्राण तलमालाला' की 116वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस समारोह में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में आशीष शेलार, संगीतकार हृदयनाथ मंगेशकर, अभिनेता रणदीप हुड्डा और इतिहासकार विक्रम संपत शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि भागवत शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे चिन्मय मिशन पहुंचेगे और संतों से बातचीत करेंगे। वह शाह के साथ दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बेओदनाबाद में सावरकर की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। उन्होंने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे, डॉ. बी.आर. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (डीबीआरएआईटी) में आयोजित एक कार्यक्रम में वह सावरकर पर लिखे एक गीत का विमोचन करेंगे। शनिवार को भागवत श्री विजयपुरम के नेताजी स्टेडियम में आयोजित 'विराट हिंदू सम्मेलन' को संबोधित करेंगे।अधिकारियों ने बताया कि रविवार को वह सुबह करीब 10 बजे डीबीआरएटी में एक और सभा में शामिल होंगे और दोपहर करीब दो बजे द्वीपसमूह से रवाना होंगे। सावरकर को अंग्रेजों ने पोर्ट ब्लेयर की सेल्युलर जेल में रखा था।

कृषि विद्यार्थी... (पेज एक का शेष) विश्वविद्यालय की चार छात्राओं को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में मध्यप्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला एवं विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह शामिल हुए। सिंधिया ने विद्यार्थियों से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा, जब कृषि को डिजिटल, तकनीक और एआई की शक्ति मिलेगी। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र इस दिशा में आगे आएं।'' उन्होंने कहा कि नौजवानों के लिये वर्तमान समय सबसे अनुकूल है क्योंकि भारत अंतरिक्ष से लेकर तकनीक के क्षेत्र में इतिहास रच रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को इसका फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को सफलता के लिए दृष्टि, सहयोग और संवेदनशीलता के तीन सूत्र बताए तथा कहा कि वे एक अच्छी टीम गठित कर किसी भी कार्य को बेहतर ढंग से पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन सबके लिये करुणा एवं संवेदनशीलता भी जरूरी है। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में सिंधिया ने कहा कि आज भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले नंबर पर है जबकि फल और सब्जी उत्पादन में दूसरे तथा अनाज उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा, "हमारे अन्नदाता सिर्फ 140 करोड़ भारतीयों का ही नहीं बल्कि दुनिया का पेट भर रहे हैं।" इस अवसर पर सिंधिया ने अपनी दादी राजमाता स्वर्गीय विजयाराजे सिंधिया को याद करते हुए कहा कि राजमाता ने राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ अपना संपूर्ण जीवन समाज के कमजोर वर्गों और ग्रामीण उत्थान के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री कंसाना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में दोनों सरकारें किसानों के कल्याण के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, "कृषि के क्षेत्र में नई–नई तकनीक लाई जा रही हैं। साथ ही किसान हितैषी योजनाओं के जरिए किसानों को आगे बढ़ाया जा रहा है।"

आदित्यनाथ 12... (पेज एक का शेष) है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बृहस्पतिवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। शाही और कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख भी समारोह में उपस्थित रहेंगे। सरकार ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से उसने किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम किया है, जिसमें कृषि ऋृण माफी के रूप में 25,423 करोड़ रुपये और पीएम–किसान योजना के तहत 90,669 करोड़ रुपये वितरित किया जाना शामिल हैं। असरकार ने

राज्यपाल ने खुद को 'बंगाल का दत्तक पुत्र' बताया

कोलकाता, (भाषा) पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह बंगाल के साथ एक "भावनात्मक जुड़ाव" साझा करते हैं और चाहते हैं कि उन्हें राज्य का "दत्तक पुत्र" माना जाए क्योंकि उन्होंने अपने मतदाता पंजीकरण को राज्य में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की है। बोस ने लोक भवन में बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) को मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए गणना प्रपत्र सौंपा। बोस ने कहा, "मैं लंबे समय से बंगाल में हूं। एक भावनात्मक जुड़ाव है जो मुझे बंगाल की धरती से बांधे रखता है। यहां की भूमि, लोग, संस्कृति, परंपरा, हर चीज मुझे जोड़ती है।" राज्यपाल ने कहा, "मैं बंगाल का दत्तक पुत्र बनना चाहूंगा, इसीलिए मैंने सोचा कि मैं अपना मतदाता पंजीकरण बंगाल में स्थानांतरित करवा लूं।" 1977 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी (आईएएस) बोस 23 नवंबर 2022 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बने थे।

किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं, और इस बात पर जोर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए अधिकारों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां देश की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, वह जमानत देने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में 2010 में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के मामले में कुछ आरोपियों को मिली जमानत के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई करते हुए कीं। मुंबई जा रही ट्रेन झारग्राम के पास पटरी से उतर गई थी और फिर सामने से आ रही एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे 148 यात्रियों की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया था कि 28 मई, 2010 को हुई यह दुर्घटना माओवादियों की साजिश का परिणाम थी। यह घटना भाकपा (माओवादी) द्वारा बुलाए गए चार दिवसीय बंद के दौरान हुई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस स्तर पर आरोपियों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करना, विशेषकर तब जब उनके खिलाफ कोई अन्य सबूत न हो, उचित नहीं होगा।

अदालत ने कहा कि सीबीआई उसके संज्ञान में ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं ला सकी जिससे यह हस्तक्षेप किसी सार्थक उद्देश्य की पूर्ति साबित कर सके। पीठ ने कहा, ''इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अनुच्छेद 21 के अधिकार सर्वोच्च महत्व रखते हैं, और यह उचित भी है। हालांकि, साथ ही, व्यक्ति हमेशा ध्यान का केंद्र नहीं हो सकता।'' उसने कहा, ''कुछ मामले, जैसे कि यह मामला, अपनी प्रकृति और प्रभाव के कारण यह मांग करते हैं कि प्रस्तुत मुद्दे को व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए, यानी राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में। इसलिए हम यह पाते हैं कि अनुच्छेद 21 के अधिकारों की रक्षा तो सर्वथा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां राष्ट्र की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, उसे एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता।''

जयपुर में 'टाइगर फेस्टिवल' शुरू

जयपुर, (भाषा) बाघों से जुड़ी प्रदर्शनी 'जयपुर टाइगर फेस्टिवल' बृहस्पतिवार को शुरू हुई जिसका उद्घाटन राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया। इस अवसर पर बागडे ने राजस्थान को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यहां सर्वाधिक बाघ अभयारण्य ही नहीं है, बल्कि प्रकृति संरक्षण परंपराएं भी जीवंत हैं। उन्होंने बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

जवाहर कला केंद्र में इस आयोजन में राज्यपाल ने फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया तथा वन, वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले विशिष्ट जनों को सम्मानित किया। बयान के अनुसार बागडे ने कहा कि बाघों के होने से ही पारिस्थितिकी संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मनुष्य आबादी के साथ ही बाघों के प्राकृतिक आवास तेजी से संकुचित हो रहे हैं। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया। इस आयोजन में बाघों से जुड़ी फोटो प्रदर्शनियों के साथ साथ उनसे जुड़ी किताबों एवं जंगल सफारी के काम आने वाले साजोसामान के स्टॉल भी लगे हैं।

बासी चावल... (पेज एक का शेष) डायबिटीज का खतरा भी कम हो सकता है।

ऊर्जावानः यदि आप बासी चावल को खाने में शामिल करें तो यह पूरे दिन आपको ऊर्जावान महसूस कराएगा। कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होने के कारण लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं।

क्या है सेवन का सही तरीका? : बचे हुए चावल को मिट्टी के किसी बर्तन में पानी के अंदर भिगोकर एक रात छोड़ देना है। अगली सुबह तक इस चावल में खमीर उठ जाएगा। आप इस चावल को सुबह के नाश्ते में प्याज के साथ खा सकते हैं। यह ना केवल खाना बर्बाद होने से बचाएगा, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी और शीर्ष नेताओं ने महाकवि भारती की 143वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

चेन्नई, (भाषा) क्रांतिकारी तमिल कवि 'महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 143वीं जयंती पर बृहस्पतिवार को विभिन्न नेताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पीढ़ियों पर उनके अमिट प्रभाव को याद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित कवि और स्वतंत्रता सेनानी भारती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारती की कविताओं ने साहस जगाया और उनके विचारों में अनगिनत लोगों के मन पर अमिट छाप छोड़ने की शक्ति थी। उन्होंने लिखा, ''भारती ने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को प्रज्वलित किया। उन्होंने एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रयास किया। तमिल साहित्य को समृद्ध बनाने में उनका योगदान भी अतुलनीय है।'' केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारती को आधुनिक तमिल साहित्य का जनक बताया। शाह ने लिखा, "औपनिवेशिक सरकार द्वारा किए गए अत्याचारों का सामना करते हुए महाकवि ने क्रांति की लौ जलाये रखा और अपनी जोशीली देशभक्तिपूर्ण कविताओं से स्वतंत्रता आंदोलन को बल दिया।" उन्होंने यह भी कहा कि भारती ने सामाजिक सुधारों के माध्यम से एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज के निर्माण के भारत के सभ्यतागत लक्ष्य को आगे बढ़ाया।भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तूतीकोरिन के एट्टायापुरम में हुआ था। यह देखते हुए कि महाकवि महिला अधिकारों के प्रबल समर्थक थे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उनकी द्रविड़ मॉडल सरकार ने न केवल महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि इस योजना का नाम भरथियार की कविता से प्रेरित होकर रखा गया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, "हमने भारती की स्मृति दिवस को 'महाकवि दिवस' के रूप में मनाने की भी घोषणा की है।" अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि भारती ने दुनिया को तमिल की महानता से अवगत कराया। पलानीस्वामी ने लिखा, ''एक मुक्तिवादी विचारक जिन्होंने अपने लेखन के माध्यम से लोगों के दिलों में नारी मुक्ति, समानता, राष्ट्रीय चेतना और भाषाई निष्ठा जैसे महान आदर्शों के बीज बोए और नए विचारों को प्रकाशित किया।" द्रमुक सांसद कनिमोझी ने प्रिय तमिल कवि को उनकी 143वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

असम की सुरक्षा के लिए सामुदायिक रक्षा तंत्र तैयार करें : हिमंत

डिब्रूगढ़, (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को लोगों से अपील की कि वे राज्य की सुरक्षा के लिए सामुदायिक स्तर पर मिलकर रक्षा तंत्र तैयार करें। शर्मा ने लोगों से आग्रह किया कि वे उन लोगों का सामाजिक और आर्थिक रूप से बहिष्कार करें जो कथित तौर पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करते हैं। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें उन्हें (जो लोग अतिक्रमण करते हैं) आने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। लेकिन अगर वे ऊपरी असम के कुछ स्थानों पर पहले से ही मौजूद हैं, तो हम उन्हें वहां से हटा देंगे, जैसा हमने उरीयमघाट में किया था।'' राज्य सरकार ने नगालैंड के साथ राज्य की सीमा पर उरीयमघाट में रेंगमा संरक्षित वन में बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान चलाया, जिसमें लगभग 11,000 बीघे (लगभग 1,500 हेक्टेयर) भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।इस अभियान में लगभग 1,800 परिवार प्रभावित हुए, जिनमें अधिकतर मुस्लिम समुदाय के थे। उन्होंने कहा कि सरकार अकेले असम को "सुरक्षित" नहीं बना सकती है। सभी को उस प्रक्रिया में योगदान देना होगा। उन्होंने किसी भी समुदाय का नाम लिये बिना कहा, ''मकान मालिकों को उन्हें किराए पर जगह नहीं देनी चाहिए, उद्योगपतियों और ठेकेदारों को नौकरी नहीं देनी चाहिए, लोगों को अपनी जमीन पर खेती करने के लिए अनजान लोगों को नहीं बुलाना चाहिए।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

नोएडा हवाई अड्डा यात्रियों को उत्तर प्रदेश की विरासत और भारतीय संस्कृति की झलक देगा

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, (भाषा) उद्घाटन के लिए तैयार नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) को भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह यात्रियों को आगमन के क्षण भर में ही राज्य की पहचान का अहसास कराएगा। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य सत्कार के संयोजन से एनआईए अत्याधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ एक सहज, आरामदायक और विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव का वादा करता है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त सीईओ शैलेंद्र कुमार भाटिया ने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश और भारत की वैश्विक छवि को निखारेगा। उन्होंने कहा, "एनआईए यात्रियों को हर चरण में तेज, सुगम और यादगार यात्रा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री स्वयं प्रगति की निगरानी कर रहे हैं और हाल ही में कार्य की समीक्षा करने और निर्देश देने के लिए साइट का दौरा किया।"

दिल्ली सरकार ने 11 जिलों को 13 जिलों में पुनर्गठित करने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी में शासन को सरल और नागरिक–केंद्रित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के तहत दिल्ली सरकार ने मौजूदा 11 राजस्व जिलों को 13 नए जिलों में पुनर्गठित करने की मंजूरी दे दी है। यह निर्णय बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कई वर्षों तक, राजस्व जिलों की सीमाएं दिल्ली नगर निगम, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड के साथ संरेखित नहीं थीं, जिससे बार–बार सेवा वितरण में देरी, भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन में कठिनाइयां और विभागीय अधिकार क्षेत्र में विसंगतियां पैदा हुईं। इसमें कहा गया है कि पुनर्गठन के बाद, सभी 13 जिलों की सीमाएं पूरी तरह से एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली छावनी बोर्ड के साथ संरेखित हो जाएंगी, जिससे शासन में स्पष्टता आएगी और अंतर–विभागीय समन्वय में सुधार होगा। गजट अधिसूचना 15 दिनों के भीतर जारी की जाएगी और सरकार इस महीने के अंत तक नए जिलों को कार्यान्वित करने पर विचार कर रही है। नयी संरचना के तहत, जिलों की संख्या 11 से बढ़कर 13 और उप–मंडलों की संख्या 33 से बढ़कर 39 हो जाएगी, जिससे अधिकारियों के कार्यभार को संतुलित करने और नागरिकों को अधिक तेजी से सेवाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी।

नई निवेश नीतियां बनाएंगे, जरूरत पड़ने पर मौजूदा नीतियों में बदलाव करेंगे: बिहार मुख्य सचिव

पटना, (भाषा) बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बृहस्पतिवार को को निवेशकों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार जरूरत पड़ने पर नई निवेश नीतियां बनाएगी और मौजूदा नीतियों में संशोधन करेगी। वे साप्ताहिक 'उद्योग वार्ता' में बोल रहे थे, जिसे राज्य में उद्योग स्थापित करने में बाधाओं का सामना कर रहे निवेशकों के लिए 'एक ही जगह पर सभी समाधान' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "बिहार सरकार की राज्य के समग्र विकास के लिए कई योजनाएं हैं। यदि किसी नई निवेश नीति की या मौजूदा नीतियों में संशोधन की आवश्यकता होती है, तो सरकार बिना किसी देरी के इसे सुनिश्चित करेगी।" अमृत ने भूमि संबंधी और प्रक्रियागत विलंबों से जुड़े कुछ मामलों की समीक्षा की और संबंधित विभागों को उनके समाधान के लिए निर्देश जारी किए। उन्होंने पिछले सप्ताह शुरू हुए उद्योग वार्ता के दूसरे सत्र में 32 कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इनमें सवेरा कैंसर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के बिपिन कुमार झा, कोका–कोला एसएलएमजी के निदेशक सिद्धार्थ लधानी और अशोक लेलैंड के उपाध्यक्ष यश पाल सचर शामिल थे।

भारत वैवाहिक बलात्कार की अनदेखी करने वाले कुछ लोकतंत्रों में से एक : शशि थरूर

कोलकाता, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस बात से हैरान हैं कि कड़े बलात्कार विरोधी कानून होने के बावजूद भारत उन कुछ लोकतंत्रों में से एक है, जहां वैवाहिक बलात्कार को उतनी गंभीरता से नहीं देखा जाता, जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। प्रभा खेतान फाउंडेशन और फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से आयोजित एक कार्यक्रम में थरूर ने कहा, "मैं यह देखकर हैरान हूं कि भारत उन कुछ लोकतंत्रों में से एक है जहां पति द्वारा पत्नी की सहमति के बिना शारीरिक संबंध बनाने के मामले को उसकी आवश्यक गंभीरता के साथ नहीं देखा जाता।" उन्होंने बताया कि हालांकि भारत में मजबूत बलात्कार विरोधी कानून है, लेकिन पतियों के लिए अपवाद भी हैं, जो किसी महिला की सहमति के बिना वैवाहिक बलात्कार के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, "उन्हें (पतियों को) छूट क्यों दी जानी चाहिए?" उन्होंने कहा कि अगर कोई अपने जीवन साथी का सम्मान नहीं करता है और वैवाहिक संबंधों का हवाला देकर उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ बलात्कार करता है तो यह कानून का उल्लंघन है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रावधान "एक पुरानी धारणा पर आधारित है कि विवाह एक पवित्र संस्कार है और इसके भीतर जो कुछ भी होता है उसे अन्यथा वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने राजग सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी की, मिलकर काम करने का संकल्प

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी की और भारत की विकास यात्रा को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प जताया। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' राजग परिवार सुशासन, राष्ट्रीय विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।'' उन्होंने कहा, ''हम आने वाले वर्षों में अपने राष्ट्र के विकास पथ को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।'' सांसद अलग–अलग समूहों में बसों में सवार होकर प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पहुंचे। यह रात्रिभोज हाल ही में बिहार चुनावों में राजग की शानदार जीत के बाद दिया गया है, जिसमें गठबंधन ने 243 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 202 सीटें हासिल कीं। गठबंधन के साझेदारों में, भाजपा ने 89 सीट, जद (यू) ने 85, लोजपा (रामविलास) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीतीं। सोमवार को, बिहार के राजग नेताओं ने राज्य में गठबंधन की इस बड़ी जीत के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी। मोदी ने उनसे जनता के कल्याण के लिए और अधिक जोश के साथ काम करने को कहा। मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब पूरी तरह से "सुधार एक्सप्रेस" चरण में है, जहां सुधार तेजी से और स्पष्ट इरादे के साथ हो रहे हैं। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक–केंद्रित हैं, न कि केवल आर्थिक या राजस्व–केंद्रित और इसका लक्ष्य लोगों के दैनिक जीवन की बाधाओं को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का विकास कर सकें।

कांग्रेस की दिल्ली महारैली की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

जयपुर, (भाषा) कांग्रेस की दिल्ली में 14 दिसंबर को प्रस्तावित "वोट चोर–गद्दी छोड़ महारैली" की तैयारियों को लेकर पार्टी के प्रमुख नेताओं की बृहस्पतिवार को यहां बैठक हुई। इसमें इस महारैली में राजस्थान से कार्यकर्ताओं की हिस्सेदारी की तैयारियों की समीक्षा की गई। कांग्रेस की राजस्थान इकाई का दावा है कि इस रैली में सबसे अधिक संख्या में राजस्थान से कार्यकर्ता भाग लेंगे। यहां पार्टी के 'वॉर रूम' में समीक्षा बैठक में कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल एवं कोषाध्यक्ष अजय माकन के साथ–साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तथा प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मौजूद थे। पार्टी के प्रवक्ता के अनुसार बैठक में डोटासरा ने राजस्थान इकाई की तैयारियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों से दिल्ली जाने वाले कार्यकर्ताओं और गाड़ियों की सूची भी दी। उन्होंने कहा, " महारैली में अकेले राजस्थान से 50,000 से ज़्यादा लोग हिस्सा लेंगे। सभी जिला अध्यक्षों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि किसी भी कार्यकर्ता को कोई दिक्कत न हो।" उन्होंने बताया कि इसकी तैयारियों को लेकर पार्टी ने जिला और विधानसभा स्तर पर समन्वयक नियुक्त किए हैं तथा ब्लॉक और मंडल स्तर पर बैठक कर यात्रा की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया है। वेणुगोपाल ने महारैली की तैयारियों को लेकर राजस्थान कांग्रेस की सराहना की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समय से पहले रामलीला मैदान पहुंचने को कहा। उन्होंने कहा, "भाजपा सरकारें रुकावटें खड़ी करने की कोशिश कर सकती हैं। वोट चोरी का मुद्दा सिर्फ़ कांग्रेस का मुद्दा नहीं है – यह पूरे देश का मुद्दा है क्योंकि यह स्वतंत्रता से वोट देने के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और निर्वाचन आयोग लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगाए गए सबूतों वाले आरोपों पर "चुप" हैं। उन्होंने कहा, "सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त का चयन करने वाली कमेटी से भारत के प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया। राजनीतिक दलों को 'मशीन–रीडेबल' मतदाता सूची नहीं दी जा रही।" माकन ने कहा कि पार्टी की महारैली को लेकर राजस्थान में की गई तैयारियां इस बात का संकेत है कि इसमें राज्य के कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी रहेगी।

बिहार के मंत्री का केंद्र से पीएमएवाई–जी, मनरेगा के लंबित 7,748.49 करोड़ रुपए जारी करने का आग्रह

पटना, (भाषा) बिहार सरकार ने बृहस्पतिवार को केंद्र से प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत लंबित 7,748.49 करोड़ रुपए शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने नयी दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और ग्रामीण गरीबों के लिए पक्के घरों के निर्माण को पूरा करने हेतु पीएमएवाई–जी की पहली किस्त के दूसरे भाग और दूसरी किस्त की संपूर्ण राशि––कुल 4,491 करोड़ रुपए जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने मनरेगा के तहत मजदूरों के भुगतान के लिए 3,257.49 करोड़ रुपए तुरंत जारी करने की भी मांग की। राज्य ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुलाकात में बिहार में लागू कई केंद्रीय योजनाओं–पीएमएवाई–जी, मनरेगा और दीनदयाल अंत्योदय योजनादृराष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति पर चर्चा हुई। बयान में कहा गया है कि मंत्रालय की प्रक्रियाओं के अनुसार धनराशि जारी न होने से इन योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा आ रही है। मुलाकात के दौरान प्रत्येक योजना की प्रगति और लंबित बकाया की स्थिति की समीक्षा की गई। पीएमएवाई–जी को लेकर बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2025–26 में अभी तक पहली किस्त के पहले भाग की 1,497 करोड़ रुपए की राशि ही जारी हुई है। पहली किस्त के दूसरे भाग और पूरी दूसरी किस्तकृकुल अनुमानित 4,491 करोड़ रुपए– अब भी लंबित हैं। बयान में कहा गया, "अब तक 11,35,799 परिवारों को पहली किस्त, 7,46,992 परिवारों को दूसरी किस्त और 3,26,770 परिवारों को तीसरी किस्त मिल चुकी है। वर्तमान में 3,88,807 लाभार्थियों को दूसरी किस्त और 4,20,222 लाभार्थियों को तीसरी किस्त का भुगतान लंबित है।'' मनरेगा के 'मटेरियल हेड' के तहत 3,257.49 करोड़ रुपए (जिसमें 2025–26 के बकाये भी शामिल हैं) की देनदारी लंबित है। इसमें 2023–24 और उससे पहले के 623.57 करोड़ रुपए, 2024–25 के 2,119.86 करोड़ रुपए और 2025–26 के 514.05 करोड़ रुपए शामिल हैं। इन देनदारियों को चुकाने के लिए अतिरिक्त 1,577.99 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी की आवश्यकता है। एनआरएलएम के लिए मंत्रालय ने 2025–26 के लिए 4,221 करोड़ रुपए की वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी दी है। मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया,"लेकिन स्वीकृत राशि के मुकाबले अभी तक केवल 1,407 करोड़ रुपए ही जारी हुए हैं, बाकी राशि लंबित है।''

पटना में बनेगा देश का पहला ऊर्जा संग्रहालय, परियोजना की प्रगति की समीक्षा

पटना, 11 दिसंबर (भाषा) बिहार की राजधानी पटना में देश का पहला ऊर्जा संग्रहालय (पावर म्यूजियम) स्थापित करने की दिशा में काम तेज हो गया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार और बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस परियोजना की समयसीमा, विस्तृत योजना और एजेंसी चयन प्रक्रिया की समीक्षा की गई। बयान के अनुसार ऊर्जा विभाग के सचिव एवं अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) मनोज कुमार सिंह तथा नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार की उपस्थिति में अधिकारियों ने प्रस्तावित ऊर्जा संग्रहालय पर विस्तृत प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) दी। बिहार म्यूजियम परिसर में हुई बैठक के दौरान महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने ऊर्जा संग्रहालय की परियोजना अवधि, विकास योजना और चयनित एजेंसी की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बयान के अनुसार पटना के करबिगहिया स्थित थर्मल पावर प्लांट की करीब तीन एकड़ भूमि को बीएसपीएचसीएल आधुनिक ऊर्जा संग्रहालय के रूप में विकसित करेगा, यह संग्रहालय ऊर्जा क्षेत्र के विकास, तकनीकी नवाचार और ऊर्जा विरासत के संरक्षण को प्रदर्शित करेगा। बयान के अनुसार प्रस्तावित ऊर्जा संग्रहालय देश में अपनी तरह का पहला और दुनिया का चौथा समर्पित ऊर्जा संग्रहालय होगा। इसका उद्देश्य शैक्षणिक शोध, पर्यटन को बढ़ावा देना और ऊर्जा क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करना है।

निर्वाचन आयोग ने राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के साथ चुनाव पूर्व समन्वय बैठक की

कोलकाता, निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की ताकि चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन किया जा सके और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जमीनी स्थिति की समीक्षा की जा सके। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आरपीएफ के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता जोन के विशेष निदेशक भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा, "बैठक मुख्य रूप से चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी।" बैठक के दौरान सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने विभिन्न विभागों से आवश्यक जानकारी और स्थिति रिपोर्ट एकत्रित की। अधिकारी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, "आज की बैठक चुनाव से पहले की एक नियमित समन्वय प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) के लागू होने से पहले विभिन्न क्षेत्रों में जमीनी स्थितियों की समीक्षा करना है।" उन्होंने कहा, "बैठक का उद्देश्य उन क्षेत्रों की पहचान करना था जहां चुनाव की घोषणा के बाद अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता हो सकती है और यह आकलन करना था कि क्या पहले से कोई विशिष्ट चेतावनी या निवारक उपाय जारी करने की आवश्यकता है।"

असम के मुख्यमंत्री ने नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए साइकिल योजना शुरू की

डिब्रूगढ़ (असम), (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को छात्रों (विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले) के दैनिक आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने के तहत नौवीं कक्षा के तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों के लिए साइकिल वितरण योजना की शुरुआत की। यहां एक आधिकारिक समारोह में शर्मा ने सरकारी और प्रांतीय स्कूलों के 3,10,031 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित करने की विशेष योजना की शुरुआत करते हुए प्रतीकात्मक रूप से कुछ को साइकिलें सौंपीं। कुल विद्यार्थियों में से 1,34,432 बालक और 1,75,608 बालिकाएं हैं। इस योजना में चाय बागान मॉडल स्कूल और आदर्श विद्यालय भी शामिल हैं। इस योजना का मुख्य लक्ष्य स्कूलों में नामांकन बढ़ाना, नियमित उपस्थिति बढ़ाना और छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर को कम करना है। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि असम में नामांकित छात्रों में से छह प्रतिशत प्रवेश के चार से पांच साल बाद स्कूल छोड़ देते हैं।" उन्होंने कहा कि बाद में आठवीं कक्षा में आठ प्रतिशत छात्र स्कूल छोड़ देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उच्च माध्यमिक स्तर पर निजुत मोइना योजना के माध्यम से अब प्रत्येक लड़की को प्रति माह 1,000 रुपये प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने कहा, "स्नातक स्तर पर 1,250 रुपये और स्नातकोत्तर स्तर पर 2,500 रुपये दिए जाते हैं। सरकार जल्द ही लड़कों के लिए भी इसी तरह की योजना शुरू करेगी।"

पुणे महानगर क्षेत्र के लिए 32,523 करोड़ रुपये की 220 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई : फडणवीस

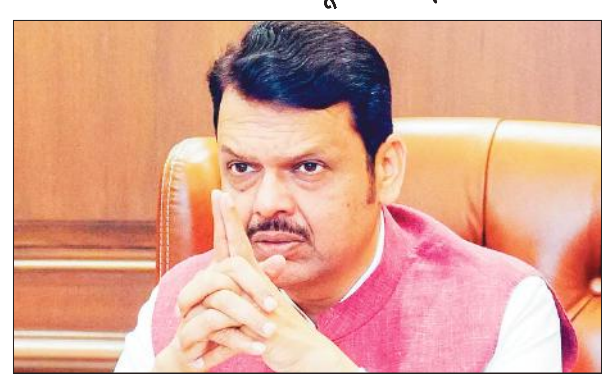

नागपुर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर राज्य के दृष्टिकोण के तहत पुणे महानगर क्षेत्र के लिए 32,523 करोड़ रुपये की 220 विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। फडणवीस यहां विधान भवन परिसर में आयोजित पुणे महानगर नियोजन समिति की पांचवीं बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल और कई विधायक मौजूद रहे। जिन परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी उनमें पवना, इंद्रायणी, मूला और मुथा नदियों का पुनर्जीवन, प्रमुख चौराहों पर यातायात बाधित जैसी समस्या कम करने की 17 परियोजनाएं, 10 पर्यटन केंद्र, एक स्काईवॉक और पांच मल्टी–मोडल हब परियोजनाएं शामिल हैं। यरवदा और कात्रज के बीच 20 किलोमीटर लंबी सुरंग का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसकी व्यवहार्यता का आकलन किया जा रहा है और अनुमानित लागत 7,500 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुणे के तेजी से हो रहे शहरीकरण के लिए योजनाबद्ध और समन्वित विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''सड़क विकास योजना को पहले अंतिम रूप दिया जाना चाहिए और उसके बाद ही शहर विकास योजनाएं तैयार की जानी चाहिए।'' उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे भविष्य में जनसंख्या वृद्धि और विस्तार को ध्यान में रखते हुए महानगर क्षेत्र के लिए संरचना योजना को निर्धारित समय के भीतर पूरा करें। फडणवीस ने कहा कि जून 2021 में पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) की सीमा में शामिल किए गए 23 गांवों की योजना नगर निकाय द्वारा बनाई जानी चाहिए। बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि पुणे महानगर क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों में 589 किलोमीटर की 127 सड़क परियोजनाएं, 83 किलोमीटर का रिंग रोड, विकास केंद्रों, औद्योगिक क्षेत्रों और हवाई अड्डे को जोड़ने वाली सड़क परियोजनाएं, तीन पुल/फ्लाईओवर परियोजनाएं, तीन आवास परियोजनाएं और चार जल आपूर्ति योजनाएं (वाघोली योजना पूरी हो चुकी है) शामिल हैं।

बिहार: मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा में स्वीकृत 430 योजनाओं की समीक्षा की

पटना, (भाषा) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' (मुख्यमंत्री का सरकारी आवास सह कार्यालय) में प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विकास योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि प्रगति यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों में कुल 430 विकास योजनाओं को स्वीकृति दी गई थी, जिनकी अनुमानित लागत 50 हजार करोड़ रुपये है। इनमें से 428 योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है, जो 22 विभागों से संबंधित हैं, जबकि दो योजनाएं तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग की अधिकतर योजनाओं के कार्य पूरे हो चुके हैं और शेष योजनाओं पर तेजी से काम जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के दिसंबर और 2025 के जनवरी एवं फरवरी में प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया था और जहां भी कमी पाई गई, वहां तत्काल नयी योजनाएं स्वीकृत की गईं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है, उन्हें तय समय पर पूरा किया जाए और जिन योजनाओं की स्वीकृति लंबित है, उनकी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित विभाग नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें और किसी भी स्तर पर शिथिलता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के संतुलित विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है और प्रगति यात्रा उसी कड़ी का महत्वपूर्ण चरण है। कुमार ने जोर देकर कहा कि सड़कों, पुलों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, उद्योग एवं खेल परिसर जैसी परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए, ताकि लोगों को समय पर सुविधा मिल सके और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

चोटें आपकी मानसिक मजबूती की परीक्षा लेते हैं, दमदार वापसी चाहता था: हार्दिक

कटक, भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 28 गेंद पर नाबाद 59 रन की तूफानी पारी खेली और फिर 16 रन देकर एक विकेट लिया। भारत ने इस मैच में 101 रन से बड़ी जीत हासिल की। हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी पर जारी किए गए एक वीडियो में कहा, ''मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं। चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे।'' टी20 विश्व कप में भारतीय अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी हार्दिक ने कहा कि वह ऐसे इंसान हैं जो आत्मविश्वास अपने भीतर से प्राप्त करता है और लोग क्या सोच रहे हैं इसकी ज्यादा परवाह नहीं करता है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं जीवन में बेहद ईमानदार और यथार्थवादी इंसान रहा हूं जिससे मुझे बहुत मदद मिली है। मुझे घुमा फिरा कर बात करना पसंद नहीं है। मैं इसकी परवाह नहीं करता कि अन्य लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे हैं। मैं हमेशा इस पर ध्यान देता हूं कि मैं खुद के बारे में क्या सोच रहा हूं।'' हार्दिक ने कहा, ''अब वो समय आ गया है जब हार्दिक पंड्या सिर्फ खेल खेलना चाहता है, मैदान पर हर पल का आनंद लेना चाहता है। अब बड़ा और बेहतर बनना ही मेरे जीवन का ध्येय है।'' पंड्या का कहना है कि दर्शकों के समर्थन से उन्हें नई ऊर्जा मिलती है, जो उन्हें उम्मीदों पर खरा उतरने में मदद करती है। उन्होंने कहा, ''आपको एक रॉकस्टार होना चाहिए। आप आते हैं, 10 मिनट तक परफॉर्म करते हैं और भीड़ पागल हो जाती है, मुझे लगता है कि यही मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रही है। मैंने जिंदगी में कई मुश्किलों का सामना किया और उनसे सबक लिया। इसलिए जब भी मैं मैदान पर उतरता हूं तो मुझे लगता है कि दर्शक बस मेरा ही इंतजार कर रहे हैं। वे मुझे बल्लेबाजी करते हुए देखने के लिए ही इंतजार कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भारत की चुनौती का जवाब देने में नाकाम रहे : प्रिंस

कटक, (भाषा) दक्षिण अफ्रीका के भारत के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपने न्यूनतम स्कोर 74 रन पर आउट होने के बाद उसके बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने कहा कि उनके बल्लेबाज भारत के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण की चुनौती का जवाब देने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका की टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.3 ओवर में आउट हो गई और इस तरह से भारत ने 101 रन से बड़ी जीत हासिल की। भारत और श्रीलंका में अगले साल सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए यह चिंता का विषय है। प्रिंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''इस तरह के बल्लेबाजी प्रदर्शन के बाद जाहिर है कि यह एक ऐसा विभाग है जिसमें हमें जल्द से जल्द सुधार करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बहुत मजबूत है और उन्होंने हमारे बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश की। हमारे बल्लेबाज इस चुनौती का जवाब देने में नाकाम रहे।'' प्रिंस ने इस मैच में करारी हार के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराते हुए कहा कि पिच मिल रही उछाल को बहाना नहीं बनाना चाहिए क्योंकि वे अपने घरेलू मैदानों पर उछाल भरी विकेटों पर खेलने के आदी हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट में 180 से कम का कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विकेट से थोड़ी उछाल मिल रही थी लेकिन दक्षिण अफ्रीका में हम इस तरह के विकेट पर खेलने के आदी हैं। भारतीय गेंदबाजों ने हमारे सामने चुनौती पेश की और हम उसका जवाब नहीं दे पाए।'' इस मैच में अर्धशतक जड़ने वाले हार्दिक पंड्या की जमकर तारीफ करते हुए प्रिंस ने कहा कि यह ऑलराउंडर शांत स्वभाव का है और छक्के लगाने में माहिर है। उन्होंने कहा, ''हार्दिक ने शानदार पारी खेली। मुझे लगता है कि हमें उन्हें बहुत श्रेय देना चाहिए। वह चोट से उबरकर वापस आए हैं और उन्होंने अच्छी वापसी की। उन्होंने हमारे गेंदबाजों को दबाव में रखा।''

सूर्यकुमार का कप्तानी में सहज रवैया खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है: स्टेन

कटक, (भाषा) दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका सहज रवैया खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। स्टेन ने जियोस्टार पर कहा, ''जब आपको अपनी टीम का समर्थन मिल रहा होता है और आप अपने माहौल में सहज महसूस करते हैं, तो आप अपने खिलाड़ियों के साथ खुलकर बातचीत कर सकते हैं। आपको अपनी जगह या कप्तानी को लेकर कोई खतरा महसूस नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''जब आप टीम को सर्वोपरि रखते हैं। जब आप यह कहते हैं किसी खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से सर्वश्रेष्ठ क्या है। टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ क्या है। हर कोई इसी तरह का कप्तान चाहता है, जो आत्मविश्वास से भरा हो, मिलनसार हो और व्यापक हित के लिए समायोजन करने को तैयार हो। चाहे यह सिर्फ एक मैच या श्रृंखला के लिए ही क्यों न हो, यह लचीलापन आपके खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाता है।'' स्टेन ने कहा, '''इसलिए जब वह किसी से कहते हैं, आज तुम तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी नहीं कर सकते, मुझे तुम्हारी जरूरत छठे नंबर पर है तो बल्लेबाज समझ जाता है क्योंकि कप्तान ने पहले भी उसका साथ दिया है। यह कप्तानी का बहुत अच्छा गुण है।''

ओडिशा मास्टर्सः शीर्ष वरीय उन्नति, थारुन क्वार्टर फाइनल में

कटक, (भाषा) भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ओडिशा मास्टर्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और थारुन मन्नेपल्ली के साथ ही तन्वी शर्मा, किरण जॉर्ज और अनुपमा उपाध्याय भी बृहस्पतिवार को एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। महिला एकल में उन्नति ने सिर्फ 25 मिनट में थाईलैंड की टिडैप्रोन क्लीबीसुन को 21–7, 21–14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तन्वी ने 33 मिनट में हमवतन भारतीय अदिति भट्ट को 21–18, 22–20 से हराया। अनमोल खरब ने जापान की शिओरी एबिहारा के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए पहला गेम 6–21 से गंवाने के बाद अगले दो गेम 21–8, 21–13 से जीतकर मुकाबला 46 मिनट में अपने नाम किया। अनुपमा भी आगे बढ़ीं क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी तीसरे गेम में रिटायर हो गईं। तस्नीम मीर ने जापान की क्वालिफायर ननामी सोमेया के खिलाफ जीत दर्ज की। अब वह चीनी ताइपे की सातवीं वरीय तुंग सिउ–टोंग से भिड़ेंगी जिन्होंने 66 मिनट चले मुकाबले में भारत की आकर्षी कश्यप को 11–21, 21–8, 21–18 से हराया। पुरुष एकल शीर्ष वरयी थारुन ने 48 मिनट में गोविंद कृष्णा को 21–16, 12–21, 21–11 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला इंडोनेशिया के मुहम्मद यूसुफ से होगा। इंडोनेशिया के रिची ड्यूटा रिकार्डो ने चौथे वरीय प्रियांशु राजावत को 21–12, 21–10 से हराकर उलटफेर किया। जॉर्ज ने डेंडी ट्रायंस्याह को 21–12, 21–18 से हराया। वह आठवें वरीय ऋत्विक संजीव से भिड़ेंगे। रौनक चौहान और एस शंकर मुथुसामी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। युगल में विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप के पदक विजेता भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बरू ने नितिन एचवी और वेंकट हर्षा वीरमरेड्डी को 18–21, 24–22, 21–17 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति और साई प्रतीक के साथ महिला युगल में कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी तथा अश्विनी भट्ट और शिखा गौतम भी आगे बढ़ीं। मिश्रित युगल में असित सूर्या और अमृता प्रमुथेश की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने नितिन कुमार और रितिका ठाकर को 17–21, 21–13, 21–19 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सात्विक रेड्डी और रेशिका उथयासोर्यण ने भी 28 मिनट में पार टिएन एन और जुलियाना जेफान्या गैब्रिएला पर 21–19, 21–12 की शानदार जीत दर्ज की।

भारत ने स्क्वाश विश्व कप के अपने अंतिम पूल मैच में ब्राजील को 4–0 से हराया

चेन्नई, (भाषा) पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके मेजबान भारत ने बृहस्पतिवार को यहां स्क्वाश विश्व कप के अपने आखिरी पूल बी मैच में पदार्पण कर रहे ब्राजील को 4–0 से हरा दिया। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने दुनिया के 183वें नंबर के खिलाड़ी पेड्रो मोमेटो को 3–0 (7–5, 7–2, 7–2) से हराया। इसके बाद भारत की 17 साल की उभरती हुई स्टार अनाहत सिंह ने बढ़त को दोगुना कर दिया। उन्होंने 14 मिनट में लॉरा सिल्वा को 3–0 (7–4, 7–0, 7–2) से हरा दिया। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी अभय सिंह ने डिएगो गोबी के खिलाफ 3–0 (7–3, 7–1, 7–1) की शानदार जीत के साथ मैच टीम के नाम कर दिया। अनुभवी जोशना चिनप्पा को आखिरी मैच में वाकओवर मिला। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में स्विट्जरलैंड को हराने वाला भारत अपने पूल में शीर्ष पर रहा। भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

आईओसी लॉस एंजिलिस ओलंपिक हॉकी टूर्नामेंट की क्वालीफिकेशन प्रणाली को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, (भाषा) अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 लॉस एंजिलिस खेलों के लिए पुरुषों और महिलाओं की हॉकी प्रतियोगिताओं की क्वालीफिकेशन प्रणाली को स्वीकृति दे दी। खेल की वैश्विक संचालन संस्था एफआईएच ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। जैसा कि बीजिंग 2008 ओलंपिक के बाद से होता आया है। दोनों वर्ग में 12 टीम हिस्सा लेंगी। इसमे मेजबान देश अमेरिका भी शामिल है। प्रत्येक वर्ग में बाकी 11 टीम एफआईएच प्रो लीग, पांच महाद्वीपीय चैंपियनशिप और ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए क्वालीफाई करेंगी। एफआईएच ने कहा, ''एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र 2025–26 और 2026–27 में शीर्ष पर रहने वाली टीम क्वालीफाई करेगी। अगर वही टीम जो 2025–26 सत्र जीतती है, वह 2026–27 सत्र भी जीतती है तो 2026–27 सत्र की उप विजेता टीम क्वालीफाई करेगी।'' इसके अलावा पांच महाद्वीपीय चैंपियनशिप में से प्रत्येक में शीर्ष पर रहने वाली जिसने पहले से ही मेजबान के तौर पर या एफआईएच प्रो लीग के जरिए क्वालीफाई नहीं किया है, उसे जगह मिलेगी।

कप्तान कमिंस की तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में वापसी

एडिलेड, कप्तान पैट कमिंस को इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है जो टीम में एकमात्र महत्वपूर्ण बदलाव है। एडिलेड ओवल में 17 दिसंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने बुधवार को टीम की घोषणा की। इस मैच में कमिंस और नाथन लियोन के अंतिम एकादश में लौटने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2–0 से आगे है और एशेज को अपने पास बरकरार रखने के लिए उसे एडिलेड ओवल में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है। कमिंस ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 3–0 से जीत के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। पीठ में दर्द के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा और वह इंग्लैंड के खिलाफ एशेज के शुरुआती मैचों में भी नहीं खेल पाए। गाबा में ऑस्ट्रेलिया की आठ विकेट से जीत में लियोन को टीम से बाहर रखा जाना एक चौंकाने वाला फैसला था। टीम प्रबंधन ने हालांकि पुष्टि की है कि वह एडिलेड में टीम में वापसी करेंगे। दूसरा सवाल उस्मान ख्वाजा को लेकर है। इस 38 वर्षीय सलामी बल्लेबाज को भरोसा है कि वह मैच से पहले पीठ की चोट से उबर जाएंगे, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर अपनी जगह वापस हासिल कर पाएंगे या नहीं। ख्वाजा के चोटिल हो जाने के बाद ट्रैविस हेड ने पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में शानदार शतक जमाया था। उन्होंने इसके बाद ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जेक वेदरल्ड के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 33 और 22 रन बनाए। तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

प्रधानमंत्री मोदी ने जूनियर हॉकी टीम को विश्व कप में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 में कांस्य पदक जीतने पर बृहस्पतिवार को भारत की पुरुष जूनियर हॉकी टीम को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का पहला कांस्य पदक जीतने के लिए युवा और जोशीली टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत के युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ता और संकल्प को दर्शाती है। मोदी ने कहा, ''एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में इतिहास रचने पर हमारी पुरुष जूनियर हॉकी टीम को बधाई। हमारी युवा और ऊर्जावान टीम ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का पहला कांस्य पदक जीता है। यह अद्भुत उपलब्धि देशभर के अनगिनत युवाओं को प्रेरित करती है। '' भारत ने बुधवार को चेन्नई में हुए एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप में अर्जेंटीना को 4–2 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

डिकॉक का अर्धशतक, भारत को 51 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 1–1 से बराबर की

मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़), (भाषा) दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1–1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। डिकॉक ने कप्तान एडन मारक्रम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई। डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अंतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरूआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले। भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरूआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समां गई। चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मारक्रम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। तिलक और पंड्या ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 51 रन जोड़े लेकिन तब तक जरूरी रन रेट काफी बढ़ चुका था। तिलक ने एनगिडी पर छक्का लगाकर 14वें ओवर में 27 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पहले मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत को 101 रन से जीत दिलाने वाले पंड्या अगली गेंद पर डीप मिडविकेट पर आसान कैच थमाकर सिपमाला का पहला शिकार बने। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और तिलक के आउट होने से भारतीय पारी खत्म हुई। उम्मीद के मुताबिक भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। डिकॉक पहले ओवर में तीसरी गेंद पर रन आउट होने से बचे। उन्होंने अगली गेंद पर दो रन बनाकर खाता खोलने के बाद अर्शदीप (चार ओवर में 54 रन) की पांचवीं गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर पर छक्के के लिए भेज दिया। फिर तीसरे ओवर में इसी गेंदबाज पर एक छक्का और एक चौका लगाया। रीजा हेंड्रिक्स (08) और डिकॉक ने अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 45 रन) पर एक एक छक्का लगाया। सूर्यकुमार ने पांचवें ओवर में स्पिनरों को लगाया और उन्हें पहली सफलता हेंड्रिक्स के रूप में मिली। वरुण चक्रवर्ती ने आते ही पहली ही गेंद पर हेंड्रिक्स को बोल्ड कर दिया। पर डिकॉक ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाना जारी रखा। उन्होंने अक्षर पटेल पर छक्का और चौका जड़कर दक्षिण अफ्रीका को पावरप्ले में एक विकेट पर 53 रन तक पहुंचाया। इस तरह डिकॉक ने नौंवे ओवर में 26 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया। अर्शदीप पर दबाव साफ दिख रहा था जिसका नतीजा यह रहा है कि उन्होंने टीम के 11वें ओवर में सात वाइड से 13 गेंद डाली जिसमें 18 रन बने। मारक्रम 12वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती पर लगातार दो छक्के लगाने के बाद डीप मिडविकेट पर अक्षर पटेल के हाथों लपके गए। डिकॉक अपने अर्धशतक को शतक में बदलने की ओर बढ़ रहे थे लेकिन विकेटकीपर जितेश शर्मा ने उन्हें रन आउट कर दिया। अंत में फरेरा और मिलर ने स्कोर 200 रन के पार कराया। दक्षिण अफ्रीका की पारी में 15 छक्के और 10 चौके शामिल रहे।

संजू से प्रतिस्पर्धा करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा: जितेश

कटक, (भाषा) टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा। उन्होंने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करके भारत की 101 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। जितेश ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''वह (संजू) बेहतरीन खिलाड़ी है। अगर आपको उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर चलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुझे लगता है कि हम किसी अन्य टीम के लिए नहीं बल्कि भारत की तरफ से खेलने के लिए प्रयास कर रहे हैं।'' संजू ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतकों की मदद से 436 रन बनाए थे। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाई थी लेकिन शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद संजू की टीम में जगह पक्की नहीं रही और अंतिम एकादश उनकी भूमिका अनिश्चित हो गई। जितेश ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा को कम महत्व दिया और कहा कि वह संजू के मार्गदर्शन में काफी कुछ सीख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि वह टीम में है और मैं उनके मार्गदर्शन में सीख रहा हूं। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। मुझे लगता है कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ही प्रतिभा निखरती है। यह टीम के लिए भी अच्छा है। इस भारतीय टीम में बहुत अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि संजू बाहर हैं और मैं खेल रहा हूं।'' जितेश ने कहा, '' हम भाइयों की तरह हैं। हम एक–दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं। जब भी मैं विकेटकीपिंग या बल्लेबाजी करता हूं तो वह मेरी बहुत मदद करते हैं।'' जितेश ने 2023 में एशियाई खेलों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाई है और इसलिए उन्हें संजू पर प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे ज्यादा आराम नहीं मिला। मैं एशिया कप में खेला था। पिछले दो–तीन वर्ष से मैं आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभा रहा हूं। यही मेरी रोजी–रोटी है। अभ्यास के दौरान मैं मैच की स्थिति को ध्यान में रखकर खेलता हूं तथा अपने कौशल का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहता हूं।'' जितेश ने कहा, ''निश्चित रूप से मेरी भूमिका स्पष्ट है कि मैं मध्यक्रम में या निचले क्रम में बल्लेबाजी करूंगा। टीम प्रबंधन ने मेरी भूमिका और मुझसे की जाने वाली अपेक्षा के बारे में मुझे स्पष्ट रूप से बता दिया है जिससे मुझे फायदा मिल रहा है।''

सालाह के बिना लिवरपूल ने इंटर मिलान को हराया, बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख भी जीते

लंदन, (एपी) स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में इंटर मिलान को 1–0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा। लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नहीं किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई। लिवरपूल के लिए यह जीत महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल एक मैच में ही जीत हासिल कर पाया था। इस जीत से टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है और राउंड ऑफ 16 में सीधे प्रवेश करने की दौड़ में शामिल हो गई है। इंटर मिलान पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3–1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। कार्ल ने चैंपियंस लीग के चार मैचों में तीसरा गोल किया। स्पोर्टिंग को जोशुआ किमिच के आत्मघाती गोल से बढ़त मिलने के बाद बायर्न ने 12 मिनट में तीन गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। सर्ज ग्नाब्री ने 65वें मिनट में बायर्न के लिए बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 69वें मिनट में कार्ल ने और 77वें मिनट में डिफेंडर जोनाथन टाह ने गोल किए। चेल्सी को लगभग तीन महीने में पहली बार चैंपियंस लीग में हार का सामना करना पड़ा। उसे अटलांटा ने 2–1 से हराया। एक अन्य मैच में बार्सिलोना ने जूल्स कौंडे के तीन मिनट के अंदर के गए दो गोल की मदद से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आइंट्राक्ट फ्रैंकफर्ट पर 2–1 से जीत हासिल की।

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी: निधि के शानदार प्रदर्शन से भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो। गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3–1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1–1 से बराबरी पर थी। भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या लाइलाज नहीं, समय रहते इलाज जरूरी : भाजपा सांसद रेखा शर्मा

नयी दिल्ली, (भाषा) मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या को अब भी न समझ पाने और इसे सामाजिक धब्बा मानने की प्रवृत्ति के चलते इस समस्या को जाहिर करने में हिचकिचाहट होने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी की रेखा शर्मा ने कहा कि अगर समय रहते इलाज हो जाए तो मानसिक समस्या से निदान संभव है। राज्यसभा में बुधवार को शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए रेखा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या नयी नहीं है, यह पुरानी समस्या है लेकिन जागरुकता के चलते लोग अब इस बारे में बोलने लगे हैं। रेखा ने कहा '' मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर हिचकिचाहट दूर होना जरूरी है क्योंकि इस विषय के गंभीर होने के बावजूद, इस पर खुल कर बात नहीं की जाती। लोगों में इस संबंध में जागरुकता तो आई है लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भाजपा सदस्य ने वह कारण गिनाए जिनकी वजह से मानसिक स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा ''महिलाएं और काफी हद तक पुरुष भी इस समस्या के बारे में मुखर हो कर बोलने से बचते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि देश में मानसिक स्वास्थ्य की समस्या बढ़ रही है लेकिन इसके विशेषज्ञों की कमी है। उन्होंने कहा कि यह कोई लाइलाज बीमारी नहीं है बल्कि समय रहते इलाज कराने से इससे मुक्ति संभव है। भाजपा के अमरपाल मौर्य ने उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि जले में 70 फीसदी लोग खेती करते हैं और यहां सनई पर शोध का एकमात्र केंद्र है। ''इस केंद्र से सनई की छह उन्नत प्रजातियां विकसित की गई हैं।'' उन्होंने कहा ''प्रतापगढ़ में आंवला का उत्पादन बहुतायत में होता है।'' मौर्य ने प्रतापगढ़ में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग करते हुए कहा कि जिले को ऐसे विश्वविद्यालय की बहुत जरूरत है क्योंकि इससे किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना होने के बाद आंवले के उत्पादन, प्रसंस्करण, संसाधन से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। राजद के मनोज कुमार झा ने कौशल युक्त मजदूरों के लिए समान मजदूरी तय की मांग करते हुए कहा कि असमान मजदूरी की वजह से पलायन होता है और बिहार जैसे राज्यों से पलायन की दर अधिक है। उन्होंने कहा ''इसका बड़ा कारण यह है कि राज्य में मजदूरी दर अन्य राज्यों की तुलना में कम है। आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल ने दावा किया कि आज पंजाब पर चार लाख करोड़ रुपये का कर्ज है, वहां की व्यवस्था बदहाल है और नदियों से खुलेआम अवैध रेत खनन जारी है। उन्होंने कहा कि रेत निकाले जाने के कारण खेतों की जमीन कमजोर हो रही है। भारतीय जनता पार्टी के डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की पीठ की मांग उठाते हुए कहा ''यह राज्य के लोगों की बरसों पुरानी मांग है। अगर आबादी के लिहाज से देखें तो राज्य में उच्च न्यायालय की चार पीठ स्थापित की जानी चाहिए। भाजपा के ही धनंजय भीमराव महादिक और एमएनएफ सदस्य के वेंलेल्वना ने भी शून्यकाल में अपने अपने मुद्दे उठाए।

यूनेस्को का दर्जा मिलने से दीपावली की वैश्विक लोकप्रियता में वृद्धि होगीः प्रधानमंत्री मोदी

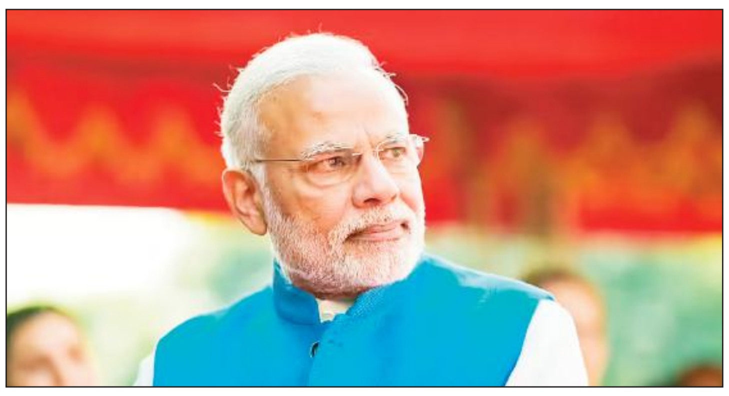

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने यूनेस्को द्वारा दीपावली को अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किये जाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं।'' उन्होंने कहा, ''दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता का सार है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने से त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और अधिक वृद्धि होगी।'' मोदी ने कहा, ''प्रभु श्री राम के आदर्श हमारा शाश्वत रूप से मार्गदर्शन करते रहें।'' प्रकाश के त्योहार दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया। दिल्ली के लाल किले में हुई यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया।

तेजी से हो रहे शहरी विकास और बुनियादी परियोजनाओं के कारण मुंबई की पानी की जरूरत बढ़ीः शिंदे

नागपुर, (भाषा) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को राज्य विधानसभा को बताया कि मुंबई को होने वाली जल आपूर्ति आंशिक रूप से अपर्याप्त है और शहर की दैनिक आवश्यकता उपलब्ध जलाशय भंडारण क्षमता से अक्सर अधिक हो रही है। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान एक लिखित उत्तर में बताया कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या, बड़े पैमाने पर आवासीय परियोजनाओं और जारी बुनियादी विकास कार्यों के कारण मुंबई में पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। शिंदे, शिवसेना–उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के विधायक सुनील प्रभु द्वारा विधानसभा में मुंबई में अपर्याप्त जल आपूर्ति के बारे में उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 15 नवंबर तक मुंबई को पेयजल आपूर्ति करने वाले सात जलाशयों में उपलब्ध जल भंडार लगभग 92 प्रतिशत था। प्रभु ने प्रश्न पूछा कि मुंबई की पानी की मांग 4,500 से 4,600 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) के बीच बनी हुई है, जिसके जवाब में शिंदे ने सदन को बताया कि महानगर की जनसंख्या को देखते हुए, इसकी आवश्यकता 4,665 एमएलडी है। उन्होंने बताया कि महानगर पालिका प्रशासन हर साल मानसून के बाद बांधों में उपलब्धता और अनुमानित मांग का आकलन करने के बाद पानी की आपूर्ति की मात्रा तय करता है। शिंदे ने कहा कि कुछ मामलों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति कम हो जाती है और वितरण प्रणाली प्रभावित होती है। शिंदे ने दीर्घकालिक समाधानों के बारे में बताते हुए कहा कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा प्रस्तावित गरगाई जल आपूर्ति परियोजना पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक इंजीनियरिंग कार्य अंतिम चरण में हैं और परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया वर्तमान में जारी है।

केंद्र सरकार ने ओडिशा के लिए 44,771 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी

भुवनेश्वर, (भाषा) केंद्र सरकार ने ओडिशा में 44,771 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं और भुवनेश्वर व पारादीप के बीच एक नयी मार्ग परियोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक मंत्री ने यह जानकारी दी। ओडिशा के मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि मौजूदा राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के उन्नयन एवं नए प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए मंजूरी दी गई है। उन्होंने मंगलवार को नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। लोक निर्माण मंत्री हरिचंदन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, पांच राज्य

राजमार्गों और केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि परियोजनाओं के लिए कुल 44,771 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि मंजूर की गई परियोजनाओं में भुवनेश्वर और पुरी के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण, 140 किलोमीटर लंबी टांगी–पुईंतोला–इच्छापुरम सड़क, 400 किलोमीटर लंबी राउरकेला–बारबिल–पारादीप मार्ग (डुबुरी मार्ग के माध्यम से) और एनएच–149 के तहत 68 किलोमीटर लंबा पल्लाहाड़ा–पितिरी मार्ग शामिल है।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं : कंगना रनौत

नयी दिल्ली, (भाषा) भाजपा सांसद कंगना रनौत ने 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं। उन्होंने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर पिछले एक साल से सदन में हंगामा किया। भाजपा सांसद ने चर्चा में एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिए वक्तव्य का हवाला दिया और उन पर तंज कसा। रनौत ने यह भी कहा राहुल के भाषण के दौरान विपक्ष ने सदन में एक विदेशी महिला की तस्वीर प्रदर्शित कर यहां उसका मुद्दा बनाया, जबकि उन्होंने (महिला) सोशल मीडिया पर कई बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं गई हैं और उनका हरियाणा से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन फिर भी इन लोगों ने बिना किसी सबूत के और बिना अनुमति के उनकी यहां तस्वीर उछाली...।'' उनका इशारा एक ब्राजीलियाई महिला की ओर था, जिनका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में होने का नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया था। भाजपा सांसद ने कहा, ''सबसे पहले इस सदन की तरफ से उन महिला से मैं माफी मांगती हूं। आजकल व्यक्तित्व अधिकार (के हनन) का भी बहुत बड़ा अपराध होता है। उसके बावजूद उनका यहां फोटो इस्तेमाल किया गया।'' उन्होंने 'वोट चोरी' के आरोपों पर कहा, ''कांग्रेस के लोग शायद यह समझ नहीं पा रहे हैं कि प्रधानमंत्री ईवीएम हैक नहीं करते, बल्कि लोगों के दिलों को हैक करते हैं।''

भाजपा सांसद ने ईवीएम की जगह मतपत्रों के जरिये चुनाव कराये जाने की विपक्ष की मांग पर कहा, ''ये लोग दुहाई देते हैं कि पुराने जमाने के दकियानूसी... वो चिट, कागज पर लिख कर जो मतदान होता था, वह सबसे अच्छा था।'' उन्होंने कहा, ''आप लोग भूल गए इंदिरा गांधी बनाम राजनारायण का केस। उस पर मैंने एक फिल्म भी बनाई है।'' रनौत ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था वे मतपेटी उठाकर ले जाते थे और आज ये लोग कह रहे हैं कि ईवीएम हैक हो जाते हैं। भाजपा सांसद ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह कहती हैं कि ''छोड़ो पुरानी बातें, हम पुरानी बातें नहीं करेंगे, हम पुराने लोगों के बारे में नहीं बोलेंगे, तो मैं यह जानना चाहती हूं कि आपकी जो माताजी हैं...उन्हें 1983 में नागरिकता मिली, उससे कितने साल पहले से वह वोट देती आ रही हैं?'' उन्होंने गांधी परिवार पर प्रहार करते हुए कहा, ''इनका परिवार इनटाइटलमेंट (विशेषाधिकार) से ग्रस्त है। आप लोगों ने कभी भी इस देश का, यहां की कानून व्यवस्था, संविधान का सम्मान नहीं किया है। उन्होंने बार–बार चुनाव होने से लोगों को होने वाली असुविधा का हवाला देते हुए 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को लागू करने की भी मांग की।

रास में उठी नाथूला सीमा व्यापार पुनः शुरू करने की मांग, ताकि प्रभावित समुदायों को राहत मिले

नयी दिल्ली, (भाषा) राज्यसभा में सिक्किम से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य दोरजी त्शेरिंग लेप्चा ने बुधवार को कहा कि नाथूला दर्रे से सीमा व्यापार 2020 से निलंबित है जिसे तत्काल बहाल किया जाना चाहिए ताकि इससे प्रभावित सीमा क्षेत्रों के लोगों को राहत मिल सके। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए लेप्चा ने कहा कि सीमा व्यापार के लंबे समय से बंद रहने से परंपरागत व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं, कुलियों तथा स्थानीय निवासियों की आर्थिक स्थिति और आजीविका पर गंभीर प्रभाव पड़ा है, जो ऐतिहासिक रूप से चीन के साथ सीमा–पार व्यापार पर निर्भर रहे हैं। उच्च सदन में उन्होंने कहा, ''नाथूला दर्रे के माध्यम से होने वाला सीमा व्यापार सिक्किम के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक जीवनरेखा है और दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने का एक अहम माध्यम भी है।''

लेप्चा ने दावा किया ''खबरों में बताया गया है कि भारत और चीन के बीच हाल में चर्चा हुई है और नाथूला दर्रे समेत व्यापार मार्गों को फिर से खोलने पर सैद्धांतिक तौर पर सहमति बनी है, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा या समय–सीमा स्पष्ट नहीं की गई है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार ने नाथूला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर शुरू करने पर अंतिम निर्णय लिया है और इसके पुनः उद्घाटन की प्रस्तावित समय–सीमा क्या है ? सिक्किम के इस नेता ने यह भी जानना चाहा कि व्यापार बहाली के बाद क्या सरकार परंपरागत सीमावर्ती व्यापारियों, स्थानीय निवासियों तथा सिक्किम के पंजीकृत व्यापारियों को किसी तरह की विशेष प्राथमिकता, कोटा अथवा सुविधा देने का प्रस्ताव रखती है। उन्होंने यह भी पूछा कि केंद्र सरकार प्रभावित स्थानीय आबादी के आर्थिक कल्याण की रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए क्या वित्तीय सहायता, आधारभूत ढांचा सहयोग, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं में सरलता या परिवहन सहायता जैसे कदम उठा रही है ? लेप्चा ने कहा, ''नाथूला के आसपास रहने वाले लोग सरकार के स्पष्ट दिशानिर्देश का इंतजार कर रहे हैं। यह मामला सीमावर्ती समुदायों के आर्थिक अस्तित्व, राष्ट्रीय सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़ा है।'' उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि व्यापार मार्ग को फिर से खोलने की स्थिति को स्पष्ट किया जाए और इसका ठोस नीतिगत ढांचा जल्द घोषित किया जाए।

अन्नाद्रमुक नीत गठबंधन 2026 के चुनाव में 200 से अधिक सीट पर जीत दर्ज करेगाः पलानीस्वामी

चेन्नई, (भाषा) ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की लोकप्रियता कम हुई है और उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में 210 सीट पर जीत हासिल करेगा। पलानीस्वामी यहां कार्यकारी समिति और आम परिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि द्रमुक, भाजपा के साथ अन्नाद्रमुक के गठबंधन की आलोचना करती रही है, लेकिन 'उनके पास अन्नाद्रमुक के शासन के स्वर्णिम काल के बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है'। पलानीस्वामी ने कहा, ''अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन 210 सीट पर जीत हासिल करेगा। अगले साल होने वाले चुनाव में हमारी जीत के लिए आप सभी को अपना सहयोग देना होगा।'' तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रही है। राज्य की 234 विधानसभा सीट के लिए चुनाव अप्रैल–मई 2026 में होना है। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थापना दिवंगत मुख्यमंत्रियों एम.जी. रामचंद्रन (संस्थापक) और जे. जयललिता ने की थी। पलानीस्वामी ने कहा, ''शांति, समृद्धि व विकास उनका (रामचंद्रन और जे. जयललिता का) आदर्श वाक्य था और तमिलनाडु की जनता के लिए किए गए उनके कल्याणकारी कार्यों के कारण आज कोई भी पार्टी को छू नहीं सकता।'' उन्होंने द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार जनता के बीच अपनी लोकप्रियता खो चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सत्तारूढ़ दल ने 10 लाख विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटॉप देने की घोषणा की है। अन्नाद्रमुक महासचिव ने आरोप लगाया, ''अब मुफ्त लैपटॉप क्यों दिए जा रहे हैं? कॉलेज पांच महीने पहले ही खुल चुके थे। जनता के बीच आपकी लोकप्रियता कम होने और अगले साल चुनाव हारने के डर से आपने (द्रमुक) 10 लाख विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटॉप देने की घोषणा की।''

ओडिशा ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए सर्वदलीय उच्चस्तरीय समिति बनाई

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा सरकार ने पड़ोसी छत्तीसगढ़ के साथ महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए बुधवार को एक सर्वदलीय उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। आठ सदस्यीय समिति की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री के वी सिंह देव करेंगे और इसमें विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस से एक–एक सदस्य शामिल होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, ''महानदी जल मुद्दे की जटिलता और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव की अध्यक्षता में उच्च–स्तरीय समिति गठित की है। यह समिति मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी के निर्देश पर बनाई गई है।'' समिति के अन्य सदस्यों में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी, कानून एवं लोक निर्माण मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन, उद्योग मंत्री संपदा चंद्र स्वैन, सरकार के मुख्य सचेतक सरोज कुमार प्रधान, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के वरिष्ठ विधायक जय नारायण मिश्रा, बीजद के विधायक निरंजन पुजारी और कांग्रेस की वरिष्ठ विधायक सोफिया फिरदौस शामिल हैं। मामला फिलहाल महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण के विचाराधीन है। यह विवाद 2018 में खड़ा हुआ था जब ओडिशा सरकार ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ द्वारा महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में कई बैराजों के निर्माण से नदी के निचले हिस्से में प्राकृतिक जल प्रवाह अवरुद्ध हो गया है।

नगालैंड को नवंबर में विकास परियोजनाओं के लिए 4.78 करोड़ रुपये मिले

कोहिमा, (भाषा) नगालैंड को नवंबर में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) से युवा और खेल अवसंरचना, पर्यटन प्रोत्साहन और स्वदेशी सांस्कृतिक पहलों के समर्थन जैसे विभिन्न विकास कार्यक्रमों के लिए 4.78 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक यह धनराशि पूर्वोत्तर राज्यों में विकास परियोजनाओं की मंजूरी और कार्यान्वयन पर एनईसी के मासिक अपडेट का हिस्सा थी। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और शिलांग स्थित एनईसी सचिवालय के अनुसार परिषद ने नवंबर में सभी आठ राज्यों में अवसंरचना विकास, आजीविका संवर्धन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, अनुसंधान और नवाचार आधारित पहलों के समर्थन के लिए कुल 56.22 करोड़ रुपये जारी किए। सूचना एवं जनसंपर्क (डीआईपीआर) विभाग द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार एनईसी ने कहा कि नगालैंड के लिए उसका समर्थन बुनियादी ढांचे, कृषि और संबद्ध गतिविधियों, पर्यटन, संस्कृति और विरासत, शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका संवर्धन और नवाचार सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करता है। परिषद ने समय पर निधि प्रवाह और राज्य अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अवैध प्रवासियों के बायोमेट्रिक डेटाबेस, 'हाई–टेक प्रोफाइलिंग' पर विचार कर रही है उप्र सरकार

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों सहित घुसपैठिये की पहचान करने, उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर उनकी प्रोफाइल (हाईटेक प्रोफाइल) बनाने और बाद में उन्हें उनके देश वापस भेजने के लिए एक व्यापक कार्य योजना पर काम कर रही है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि घुसपैठियों के दोबारा प्रवेश को रोकने के लिए एक विस्तृत 'बायोमेट्रिक डेटाबेस' और देश भर में एक नकारात्मक सूची (घुसपैठ के मामलों से जुड़े, उसमें शामिल रहे लोगों की सूची) बनाने का प्रस्ताव है। अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि प्रस्तावित कार्य योजना पर अभी काम किया जा रहा है। उसके तहत पहचान के दावों को सत्यापित करने और यह पता लगाने के लिए कि संदिग्ध घुसपैठिये राज्य में कितने समय से रह रहे हैं, उनके चेहरे की पहचान, 'फिंगरप्रिंट मैपिंग' और 'एडवांस्ड डॉक्यूमेंट–स्कैनिंग सिस्टम' जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा, ''व्यापक सत्यापन अभियान के तहत देश में गैरकानूनी तरीके से रह रहे लोगों की एक पूरी प्रोफाइल तैयार करने का विचार है। इसमें बायोमेट्रिक तथा सभी दस्तावेजों का सत्यापन शामिल होगा।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों समेत गैर–कानूनी तरीके से भारत में रह रहे लोगों की पहचान करने तथा उन्हें वापस भेजने के लिए सघन सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारी ने बताया कि सरकार गैर कानूनी तरीके से भारत में रह रहे लोगों की एक नकारात्मक सूची बनाने का विचार कर रही है जिसे दूसरे राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसे लोग जाली पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल करके उत्तर प्रदेश या देश के किसी भी अन्य हिस्से में दोबारा दाखिल ना हो सकें। अधिकारी ने कहा कि सभी संदिग्ध नकली पहचान कार्ड, जिसमें आधार से जुड़े दस्तावेज भी शामिल हैं, को 'हाई–टेक स्कैनिंग' और मौजूदा डेटाबेस के साथ सत्यापित करने का भी प्रस्ताव है ताकि जाली दस्तावेजों की पहचान की जा सके और ऐसे दस्तावेज तैयार करने में शामिल नेटवर्क को खत्म किया जा सके। अधिकारी ने कहा, ''जरूरत सिर्फ अवैध घुसपैठियों की पहचान करने पर ही नहीं है, बल्कि उनकी जवाबदेही तय करने और उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर भी है जो उन्हें जाली दस्तावेज दिलाने में मदद करते हैं।''

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू

रायपुर, (भाषा) छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। बाल अधिकार और संरक्षण पर आधारित यह पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राज्य के छह विश्वविद्यालयों के मध्य 'रक्षक पाठ्यक्रम' के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा, ''रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा।'' उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 'पीजी डिप्लोमा इन चाइल्ड राइट्स एंड प्रोटेक्शन' पाठ्यक्रम पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई–दुर्ग में शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा 'रक्षक द् बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम' को विकसित किया गया है। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के संबंध में जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि संवेदनशीलता, जागरूकता और बाल–अधिकारों की आत्मिक समझ विकसित करने वाला यह पाठ्यक्रम युवाओं को इस क्षेत्र में कुशल, समर्पित और प्रभावी मानव संसाधन के रूप में तैयार करेगा। आयोग द्वारा पाठ्यक्रम के संचालन, प्रशिक्षण, परामर्श और मार्गदर्शन की संपूर्ण सुविधा विश्वविद्यालयों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर वर्णिका शर्मा, विश्वविद्यालयों के कुलपति और कुलसचिव तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

नए भारत को सुरक्षा और संवेदना से युक्त नई पुलिस की आवश्यकता

भारतीय लोकतंत्र में पुलिस व्यवस्था कानून–व्यवस्था की केंद्रीय धुरी है, लेकिन आम नागरिक के मन में उसकी छवि आज भी कठोरता, भय और दमन से जुड़ी हुई है। पुलिस को अधिकार जताने वाली शक्ति के रूप में देखा जाता रहा है, न कि एक संवेदनशील, जवाबदेह और सहयोगी संस्था के रूप में। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 60वें सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसी चुनौती को रेखांकित करते हुए कहा कि पुलिस की छवि तभी बदलेगी जब वह अधिक प्रोफेशनल, उत्तरदायी और मानवीय बनेगी। विकसित भारत के विज़न में पुलिस सुधार केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि समाज और पुलिस के बीच विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान है। पुलिस देश में अपराध नियंत्रण, आतंकवाद–निरोध, भीड़ प्रबंधन, आपदा राहत, चुनाव ड्यूटी, नशीले पदार्थ विरोधी अभियान और वीआईपी सुरक्षा जैसी बड़ी जिम्मेदारियाँ उठाती है। संसाधन सीमित होने, कार्यभार अधिक होने और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी चुनौतियाँ अक्सर इसके कामकाज को प्रभावित करती हैं। कुछ अधिकारियों के अनुचित आचरण ने पूरी संस्था की छवि को नुकसान पहुँचाया है, जिसके कारण आम नागरिक पुलिस के निकट आने से भी घबराता है। प्रधानमंत्री ने इस प्रवृत्ति को बदलने की आवश्यकता जताते हुए युवाओं में पुलिस की सकारात्मक छवि विकसित करने पर विशेष बल दिया, ताकि भविष्य की पीढ़ी पुलिस को मित्र और संरक्षक के रूप में देख सके। भारतीय लोकतंत्र के संरचनात्मक स्तंभों में पुलिस की भूमिका मूलभूत है।

वह केवल अपराधियों से मुकाबला करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि कानून–व्यवस्था और जनविश्वास की प्रहरी है। लेकिन विडंबना यह है कि जनता आज भी पुलिस को 'डंडे' और 'खाकी' की कठोर छवि से जोड़ती है। यही कारण है कि पुलिस सुधार लंबे समय से चर्चा में रहने के बावजूद कभी राजनीतिक प्राथमिकता नहीं बन सके। प्रधानमंत्री ने शहरी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, पर्यटक पुलिस को पुनर्जीवित करने, फोरेंसिक अध्ययन को बढ़ावा देने और भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और नागरिक सुरक्षा संहिता पर जन–जागरूकता चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दृष्टि पुलिस को प्रतिक्रियाशील से आगे बढ़ाकर बुद्धिमान, वैज्ञानिक, पूर्वानुमान आधारित और विश्वसनीय संस्था बनाने की दिशा है। प्रधानमंत्री का मुख्य संदेश स्पष्ट है कि पुलिस कानून लागू करने वाली मशीन नहीं, बल्कि समाज का सहभागी तंत्र है। यदि पुलिस अपने व्यवहार में संवाद, विनम्रता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता लाएगी, तो उसका जनविश्वास स्वतः बढ़ेगा। नए कानूनों पर जन–जागरूकता अभियान इसी दिशा का हिस्सा है, क्योंकि कानून तभी प्रभावी होते हैं जब जनता उन्हें समझे और स्वीकार करे। बदलते अपराध स्वरूप को देखते हुए पुलिस प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, इंटेलिजेंस नेटवर्क और फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत बनाना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री द्वारा नेटग्रिड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एकीकृत डेटाबेस के उपयोग पर दिया गया जोर पुलिस को डेटा–आधारित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने ड्रग्स नेटवर्क, कट्टरपंथ, तटीय सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं में पुलिस की भूमिका को भी नए दृष्टिकोण से परिभाषित किया। लेकिन पुलिस सुधार केवल निर्देशों से संभव नहीं होते; इसके लिए संतुलित, आधुनिक और मानव–केंद्रित ढांचे की आवश्यकता है। प्रशिक्षण, संसाधन, मनोबल, आचार–संहिता, राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त वातावरण और सामाजिक सम्मानकृये वे आधार हैं जो पुलिस को वास्तव में समाज का मित्र बना सकते हैं। अपेक्षा यह है कि पुलिस नेतृत्व नई पीढ़ी की आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को बदले और ऐसी व्यवस्था विकसित करे जिसमें नागरिक पुलिस के प्रति भय नहीं, बल्कि विश्वास महसूस करें। उपनिवेशकालीन सोच पर आधारित पुलिस की संरचना भी बड़े परिवर्तन की मांग करती है। 1860 के कानूनों पर आधारित यह तंत्र शासन को जनता पर थोपने और भय पैदा करने के उद्देश्य से बनाया गया था। स्वतंत्रता के बाद भी इस ढांचे में मूल रूप से कोई बदलाव न होना एक विडंबना है। आज विकसित भारत को ऐसी पुलिस चाहिए जो दमन नहीं, संरक्षण दे; सत्ता की रक्षा नहीं, समाज की सेवा करे; और कानून का पालन कठोरता से नहीं, नैतिकता और मानवता के साथ कराए। पुलिस थानों के नामकरण पर पुनर्विचार इसी सोच का हिस्सा है। "थाना" शब्द में निहित भय की छाया को बदलने के लिए उन्हें "सुरक्षा केंद्र", "नागरिक सहायता केंद्र", "पुलिस सेवा भवन", "अभय केंद्र" या "सहयोग प्रहरी केंद्र" जैसे नाम दिए जा सकते हैं। नाम केवल शब्द नहीं होते, बल्कि अनुभव और भावनाएँ गढ़ते हैं। सकारात्मक नामकरण और व्यवहारिक सुधार मिलकर पुलिस को भय का नहीं, बल्कि विश्वास का केंद्र बना सकते हैं। आज स्थिति यह है कि जब पुलिस घर के दरवाजे पर दिखाई देती है, तो नागरिक सबसे पहले यही सोचता हैकृ"कहीं मैं फँस न जाऊँ।" यह भय विश्वासहीनता का परिणाम है, जिसे बदलना अनिवार्य है। साइबर अपराध, मानव तस्करी, आतंकवाद और आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता की आवश्यकता है। लोकतंत्र में पुलिस वह चेहरा है जिसे जनता प्रतिदिन महसूस करती है; यदि उसका अनुभव अच्छा नहीं, तो शासन प्रणाली पर भी प्रश्न उठते हैं। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में पुलिस वह स्तंभ है जो सुरक्षा, न्याय और सामाजिक साझेदारी का निर्माण करता है। जब खाकी वर्दी के भीतर संवेदनशीलता, विवेक और मानवता दिखेगी, तभी जनता का विश्वास मजबूत होगा। नए भारत के निर्माण में पुलिस का संवेदनशील, आधुनिक और विश्वसनीय स्वरूप उस निर्णायक बदलाव की पहचान होगा, जहाँ सुरक्षा और संवेदना साथ–साथ चलेंगी, और कानून भय नहीं बल्कि न्याय और विश्वास का प्रतीक बनेगा।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

सकारात्मक सोच

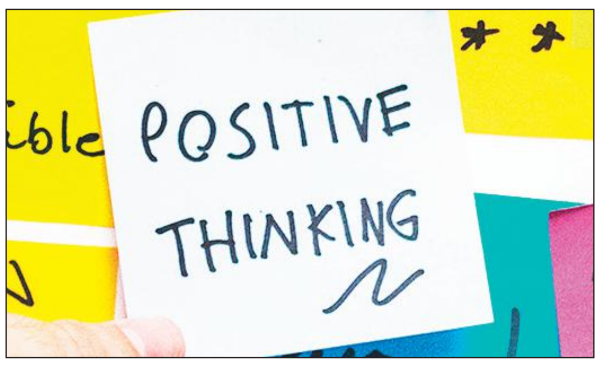

श्रद्धा, विश्वास का प्रतीक है। आदमी के अंदर विश्वास की भावना यदि मजबूत है तो वह अपने भीतर श्रद्धा को अटूट बंधन में बांध सकता है। अविश्वास की धार इस बंधन को बिना कुछ सोचे काटने में देर नहीं लगाती। श्रद्धा के जरिए आदमी सकारात्मक सोच रखकर प्रगति के सोपान पर बढ़ता चला जाता है, क्योंकि कर्म विश्वास उसे आगे बढ़ाने को प्रेरित करता है। मन के भीतर झिझक और डर का भाव अविश्वास की जननी है, इससे आदमी नकारात्मक सोच के बंधन में उलझ जाता है, जिसमें से वह निकल नहीं सकता। वक्त अब बदल गया है आदमी की दूरियां अब नजदीकियों में बदल गई हैं। तत्काल निर्णय लेने का वक्त आ गया है और जो वक्त की रफ्तार को समझ गये वे आगे बढ़ने में अपनी गति पकड़ लेते हैं। मुट्ठी में सिमटी दुनिया को विश्वास की डोर ही बांधकर रख सकती है। आज अगर जीवन में हम शांति चाहते हैं तो हमारे समक्ष राम सुख के रूप में हैं और सीता जी शांति के रूप में। जीवन में जब शांति नहीं होती है तो सुख अकेला रोता है। जीवन में इन दोनों का अर्थात् सुख और शांति का होना नितान्त आवश्यक है। आज हम इस संसार में मानव के रूप में तो आ गये हैं पर मानवता अभी हममें पूर्णरूप से नहीं आयी है। तेरा–मेरा, अपना–पराया, राग–द्वेष की वजह से हममें पूर्ण मानवता का अभाव है।

आज मानव में जो अज्ञानता रूपी अंधकार व्याप्त है, उसे दूर करना होगा। जब मानव बुराइयों और अज्ञानता से दूर होकर ज्ञान की ओर चला जाता है तो उसमें देवत्व की शक्ति आ जायेगी। यह तभी होगा जब व्यक्ति गुरु की शरण में जाये और भाईचारा मातृत्व, प्रेम बढ़ाये। धन, सम्पत्ति और परिवार को व्यक्ति नित्य मानकर चलता है, लेकिन यह अनित्य है। इसके अभाव में वह दुःखी भी होता है। सच्चा मनुष्य प्रिय के संयोग में फूलता नहीं है और वियोग में दुःखी नहीं होता है। ऐसे ही वह अप्रिय के संयोग में न तो दुःखी होता है और न ही वियोग में सुखी होता है। इस अनित्य शरीर द्वारा नित्य की खोज करना ही सनातन धर्म है। इस संसार में जो भी प्राणी जन्म लेता है उसे मरना ही पड़ता है। इस भावना को समझने वाला व्यक्ति ही संसार सागर से पार हो सकता है।

शरीर का अदृश्य छोर आत्मा है और आत्मा का ही दृश्य छोर शरीर है। अगर कोई अपने शरीर को भीतर से जान जायेगा तो बहुत शीघ्र वह उस कुण्ड पर पहुंच जायेगा जहां से शरीर की सारी शक्तियां उठ रही हैं। उस कुण्ड में सोई हुई शक्ति का नाम ही कुण्डलिनी है। मंगलाचरण हमारे जीवन में हमारे अन्तःकरण में अभिमान को दूर करने के लिए किया जाता है। ज्ञानी पुरुष को भी अपने ज्ञान का अभिमान हो जाता है, करोड़पति को भी अपने धन का अहम् हो जाता है किन्तु यदि मानव में विनम्रता आ जावे तो उसमें अभिमान नम्रता के रूप में परिलक्षित हो जाता है तथा मानव में धर्म के प्रति श्रद्धा आती है व जीवन में मृदुलता, सरलता आने से धर्म का वास होता है। अच्छे चरित्र पढ़ने और उसके वाचन करने से कमजोर व्यक्ति में भी हिम्मत आ जाती है। महापुरुषों के जीवन चरित्र पढ़ने व सुनने से हमें विपत्ति के समय उसका सामना करने का रास्ता सहज ही मिल जाता है।

विश्वव्यापी है रामकथा की परम्परा

भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों की समग्रता, इतिहास–परम्परा, संस्कृति दर्शन एवं साहित्य में समाहित है। लोक–चिन्तन की अटूट आस्था राम के कथा–प्रसंगों प्रतीकों, इतिवृतों और आख्यानों से सम्पृक्त है। राम का स्वरूप लोक–हृदय की स्थायी थाती बन गया है। जन्म–मरण, सुख–दुख, आसक्ति–विरक्ति में लोक नायक राम जनमानस में समा गये हैं।

राम की अमित कथा हरि अनन्त हरि कथा अनन्ता की भावानुभूति से आप्लावित होती है। राम अपने धर्म रथ के साथ चलते हैं–सखा धरम मय अस रथ जाके। रिंपु रन जीत सकहिं नहिं ताके॥ भक्ति रस का अनन्य सौन्दर्य प्रतिष्ठ्ङ्का की रसवृद्धि करता है। चिन्तन मूल्यों में व्यक्ति, मैं का दंभ, अहं, पाखण्ड नहीं मिलता। मिलता है तो लोकमानस के सम्बर्द्धन की अनुरक्ति, समाज और हम का निरपेक्ष भाव। परम्परा के भाव में भक्ति धारा का अनन्त प्रवाह गतिमान होता है। जीवन धन्य सा हो जाता है।

रामकथा के अनेक नाटक संस्कृत भाषा में प्राप्त होते हैं। इनका प्रभाव तुलसी के राम चरित मानस पर देखने को मिलता है। आज की रामलीला के विकास में रामचरित मानस का अनुपम अवदान है। कवि केशव की राम चन्द्रिका से भी राम लीलाएं की जाती हैं। राधेश्याम रामायण पर आधारित रामलीला की भी परम्परा हैं।

जनमानस में राम के आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण करने और सामान्य व्यक्ति को राम के जीवन चरित्र से परिचित करवाने के लिए जागरूक समाज द्वारा रामलीला के मंचन की परम्परा में गोस्वामी तुलसीदास का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार उन्होंने अपने मित्र मेघा भगत के साथ वाराणसी में रामलीला के मंचन की व्यवस्था की। प्राचीन काल से लेकर आज तक देश विदेश में विविध शैलियों और रूपों में रामलीला की परम्परा चली आ रही है। रामभक्ति एवं रामलीला के प्रवाह को अग्रसर रखने के लिये तुलसी ने जन आंदोलन चलाया। काशी के बारह स्थानों पर हनुमान जी के देवालयों की स्थापना की। ग्राम–ग्राम में राम अखाड़े बनाये गये। अखाड़ों के सम्मुख राम मंदिर और रामलीला की परम्परा डाली गयी। धनुर्धारी राम–मंदिर, अनन्य भक्त हनुमान के सामने निर्मित किये गये। दक्षिण में प्रख्यात संत रामदास ने प्रत्येक ग्राम नगर में मारूति मंदिर स्थापित करके उपासना की परम्परा डाली। रामलीला के सम्बर्द्धन के लिए तुलसी ने वाराणसी (काशी) केदार–खण्ड में मानस की लीला आयोजित की। काशीखण्ड में मेघा भगत द्वारा रामलीला करायी गयी। इससे पूर्व काशी में मेघा भगत बाल्मीकि रामायण के अनुसार रामलीला कराते थे। तुलसीदास जी से मित्रता के बाद उन्होंने मानस के अनुसार रामलीला करायी। केदार खण्ड की रामलीला प्रतिदिन स्थल परिवर्तित करती थी। अयोध्या चित्रकूट और लंका भिन्न–भिन्न स्थानों पर थे। यहां के अवध और लंका नाम इसी के प्रतीक हैं।

भारतीय भाषाओं में रामकथा का वैविध्य अंकन माननीय पक्षों का जीवन्त चित्रण करता है। असम में कौशल्या बारह मासी, सीता बारहमासी और राम बारह मासी गीतों में रामकथा की व्याख्या और ऋतुगीत प्रचलित है। शंकर देव, माधव देव ने राम कथा को अभिनव रूप दिया। गीति रामायण को शास्त्रीय राग में ढालने का प्रयास दुर्गावर द्वारा किया गया। उड़िया की दांडी रामायण द्वारा पुरूलिया छऊ, मयूरगंज छऊ, भाओना की भाँति छऊ और असमिया के अंकिया नाट्य में रामलीला का नूतन प्रयोग मिलता है। उड़ीसा में भुवनेश्वर लक्ष्मणेश्वर और शत्रुघ्नेश्वर मंदिर बनाये गये। उड़ीसा के छऊ नाटक का तादाम्य बंगाल की जात्रा से मिलता है। बंगाल के कवि कृत्तिवास की रामायण में बंगाल की जन संस्कृति उभरी है। इस पर उत्तर रामचरित, आध्यात्म रामायण, रघुवंश, अनर्घ राघव, बाल्मीकि रामायण का प्रभाव पड़ा।

असम और उड़ीसा में पांचाली गायकों ने कृत्तिवास रामायण को पहुँचाया। नेपाली में भानुभक्त की रामायण पर तुलसी के राम चरित मानस का व्यापक प्रभाव है। गुरूमुखी, प्रेमी और हरिपाल वेदी द्वारा तुलसी कृत मानस का पंजाबी अनुवाद किया गया। पंजाब की रामलीलाओं पर रामलुभाया दिलशाद पंजाबी रामायण की भी छाप है। इसमें लोक चिन्तन के नवीन सन्दर्भ मिलते हैं।

बाल्मीकि रामायण की रामलीला लोक शैली गुजरात की लोक संस्कृति में समा गयी। प्रेमनन्द कृत रणयज्ञ के अतिरिक्त रास राम, रघुवंश, लवकुश रास, राम बाल लीला, गिरधर रामायण, रामयशोरसयन ने अनेक मनीषियों को द्रवीभूत कर दिया। राम शैली में हनुमंत रास, रामचरित के साथ मंदोदरी संवाद की रचना की गयी। महाराष्ट्ङ्क में रामकथा का अजय प्रवाह प्रवाहित होता रहा है। वि–ङ्खल नामदेव यहां के भक्त रहे। भावार्थ रामायण एकनाथ द्वारा रची गयी। समर्थ रामदास ने लघुरामायण, कृष्णदास मुद्दगल ने सम्पूर्ण रामायण लिखी। सीता स्वयंवर का सृजन बेलाबाई द्वारा किया गया। महाराष्ट्ङ्क के वारकरी सम्प्रदाय ने भक्ति धारा प्रवाहित की। मराठी में हनुमान रामायण, तीर्थरामायण, संक्षेप रामायण, मंत्र रामायण, निरोष्ठङ्क रामायण, ऋषि रामायण, चिद्रबोध रामायण की रचनाएं प्राप्त होती हैं। अपभ्रंश संस्कृत प्राकृत राम कथा की जीवन्त धारा महाराष्ट्ङ्क में भी मिलती है। रामलीला की लोक–नाट्य परम्पराएं नूतन स्वर प्रदान करती रहीं। रामाभ्युदय, निर्वचन उत्तर रामायण, भास्कर रामायण, श्रीमद् रामायण, कल्पवृक्ष मोल्ला रामायण के अतिरिक्त रंगनाथ रामायण, तेलगू रचनाओं में मुख्य हैं। कन्नड़ भाषा की तोइवे रामायण राम चंद्र रचित पुराण संग्रह रामायण, मध्य रामायण, श्री रामायण दर्शन और रामायण विशिष्टङ्क रचनाएँ हैं। कवि कम्ब कृत तमिलकृति–कम्ब रामायण में बाल्मीकि रामायण का प्रभाव है, मलयालम की अध्यात्म रामायण कण्णश्श रामायण रामकथा पट्टिङ्क रामचरितम् श्रेष्ठङ्क रचनाएँ हैं। कश्मीरी कृतियां में तारा चंद रामायण विष्णु प्रताप रामायण, शंकर रामायण, प्रकाश रामायण, शंकर रामायण, प्रकाश रामायण, रामावतार चरित्र तथा अमर रामायण जीवन्त है। भारत से बाहर विदेशों में भी रामकथा प्रसारित हुई। चीन में बौद्ध रचनाओं के साथ बाल्मीकि रामायण भी गयी। चीन की मौलिक रचना लकांश है। रामकथा तिब्बत तक अनामक जातक और दशरथ जातक के रूप में पहुँची। जैन व बौद्ध धर्म के प्रभाव से सम्पृक्त होकर रामकथा परम्परा मंगोलिया तक पहुँच गयीं। जापान में जातक कथाएं मिलती हैं। इस्लाम बहुल इंडोनेशिया में रामकथा प्रस्तर खंडों पर उत्कीर्ण करायी गयी। मध्य जावा के एक नगर को अयोध्याकर्ता नाम प्रदान किया गया। शिवालयों की दीवारों पर राम का अंकन हुआ। प्रम्बमान के शिवालय रामकथा की प्रतिमाओं के लिए विश्व विख्यात है। इंडोनेशिया में रामकथा का निखार मिलता है।

96 प्रकार के पिंडदान और अक्षय श्राद्ध का स्थान है नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक

पितरों के पिंडदान और तर्पण की जब बात आती है, तब बिहार के गया जी का उल्लेख प्रमुखता से आता है, लेकिन कम ही लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि मध्यप्रदेश स्थित मां नर्मदा नदी का उद्गम स्थल अमरकंटक भी पितरों के पिंडदान के सर्वश्रेष्ठ स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि सरस्वती नदी का जल तीन दिन में पवित्र बनाता है, यमुना जल सात दिन में पावन बनाता है, गंगा जल में स्नान तत्काल पवित्र बनाता है, किंतु नर्मदा नदी एकमात्र वह नदी है, जो दर्शन मात्र से मनुष्यों को पवित्र बनाती है।

अमरकंटक में पितरों के पिंडदान का सर्वप्रथम उल्लेख श्रीमद् वायुपुराण में मिलता है, इसके अनुसार कुछ विशिष्ट स्थान पितरों के पिंडदान के लिए अतिश्रेष्ठ माने गए हैं। इनमें अमरकंटक की भी गणना की जाती है।

वायु पुराण के अनुसार श्री बृहस्पति जी कहते हैं कि अमरकंटक में कुशाओं पर जो एक बार पिंडदान कर देता है, वह पितरों को संतुष्ट करने वाला अक्षय श्राद्ध होता है। अमरकंटक में एक बार भी पितरों की अर्चना करने पर स्वर्ग सुलभ है। देश भर में कुल 48 स्थान पिंडतीर्थ के तौर पर निर्धारित हैं, लेकिन अमरकंटक देश का एकमात्र स्थान है, जहां 96 प्रकार के पिंडदान की व्यवस्था है। शास्त्रों के अनुसार पिंडदान के लिए नदियों का संगम होना आवश्यक है, इस दृष्टि से देखें तो अमरकंटक पंचप्रयाग की संज्ञा पाए हुए हैं। यहां नर्मदा नदी के उद्गम स्थल के पहले दो नदियों गायत्री–सावित्री का संगम होता है। इसके बाद ये दोनों नदियां नर्मदा, कपिला, वैतरणी और अंत में ऐरंड नदी में जाकर मिलती हैं। इस प्रकार अमरकंटक पंचप्रयाग है। ऐरंड नदी का वर्णन स्कंद पुराण में भी मिलता है। अमरकंटक में सभी पूर्ववर्ती नदियां जिस स्थान पर आकर ऐरंड में मिलती हैं, उस स्थान की महिमा सर्वाधिक मानी गई है। ऐरंड को माया से निवृत्ति दिलाने वाली नदियों के रूप में वर्णित किया गया है। ऐसे में इस संगम पर एक बार पिंडदान का वही फल प्राप्त होता है, जो 16 बार गया जी में पिंडदान के बाद प्राप्त होता है।

यहां आकर ये भ्रांति भी टूट जाती है कि केवल मृत व्यक्तियों के नाम पर ही पिंडदान किया जा सकता है। अमरकंटक के मुख्य मंदिर नर्मदा कुंड के पारंपरिक प्रधान पुजारी वंदे महाराज बताते हैं कि अमरकंटक में मनोकामना प्राप्ति, सिद्धि प्राप्ति समेत अनेक कामनाओं की पूर्ति के लिए पिंडदान की व्यवस्था है। अधिकतर पिंडदान पितृ पक्ष के दौरान ब्रह्म मुहूर्त में किए जाते हैं। यहां पहले पिंडदान की व्यवस्था सिर्फ मंदिर में ही थी, लेकिन अब संपूर्ण अमरकंटक में पांच ऐसे स्थान हैं, जहां विभिन्न प्रकार के पिंडदान से मोक्ष प्राप्ति होती है। हालांकि नर्मदा कुंड के गर्भगृह स्थान में पिंड दान अब भी सीधे बैकुंठ प्राप्ति का मार्ग माना गया है।

स्कंद पुराण के रेवा खंड में मां नर्मदा के धरती पर अवतरित होने की कथा है। इसके अनुसार चंद्रवंश के चक्रवर्ती राजा पुरुरवा ने महादेव से विशेष आराधना कर मां नर्मदा को धरतीलोक पर उतारने का आग्रह किया। महादेव ने आठ पर्वतों को बुला कर पूछा कि कौन नर्मदा के वेग को वहन करने में सक्षम है, जिसके बाद मां नर्मदा विंध्यपर्वत पर उतरीं। मां नर्मदा ने विंध्यपर्वत के रास्ते धरती पर उतर कर राजा पुरुरवा से अपने जल को स्पर्श करने को कहा, उनकी आज्ञा पाकर पुरुरवा ने मां नर्मदा के पवित्र जल से अपने पितरों का तिल और नर्मदा जल से तर्पण किया। रेवा खंड के अनुसार मां नर्मदा के जल से पितरों का तर्पण करने पर पुरुरवा के पूर्वज उस परम पद को प्राप्त हुए, जो देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। रेवा खंड मे ऐसे और भी कई प्रसंग हैं, जो बता रहे हैं कि मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में पितरों के तर्पण की महिमा अन्यत्र कहीं तर्पण से कहीं अधिक फलदायी है। एक प्रसंग चंद्रवंश के राजर्षि हिरण्यतेजा का भी है, जिन्होंने पितरों के कष्ट देखकर मां नर्मदा के जल से उनका तर्पण कर उनकी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। कहा गया है कि संसार में जब कोई नदी नहीं थीं, तब पूर्वजों का तर्पण पोखरों में होता था। उसी समय हिरण्यतेजा ने घोर तप कर नर्मदा को वरदान रूप में मांगा और नर्मदा जल से पितरों का तर्पण किया।

अमरकंटक, मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले का एक छोटा सा कस्बा है। मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ की सीमा पर बसा ये कस्बा नर्मदा के साथ ही सोन नदी का भी उद्गम है। ये क्षेत्र मैकल पर्वत श्रृंखला से भी आच्छादित है, इसी कारण ही नर्मदा का एक नाम मैकल सुता भी है। लगभग 12 फुट की गहराई के एक कुंड से निकलती हैं यहां नर्मदा, जिसे अब पूरी तरह कवर कर दिया गया है। कोटितीर्थ मंदिर समूह नाम के इस स्थान पर स्थित इस नर्मदा कुंड के चारों ओर असंख्य शिवलिंग हैं। समूचा मंदिर परिसर अनेक सफेद मंदिरों से बना है। इसी मंदिर परिसर के पास ऐतिहासिक महत्व के कलचुरी वंश के 16वीं शताब्दी के पुरातत्व संरक्षित मंदिर समूह भी हैं। उद्गम के कुछ आगे चलकर नर्मदा नदी की धारा कपिलधारा के नाम से पहचानी जाती है, जो नर्मदा का पहाड़ों से मैदान तक के सफर का पहला जलप्रपात है। इसी क्रम में आगे दुग्ध धारा और इसी प्रकार के और कई जलप्रपात हैं, जिनके रास्ते नर्मदा डिंडोरी और फिर आगे के मैदानी इलाकों का सफर तय करती हैं। किवदंतियां किस प्रकार दैवीय अस्तित्वों को जन–जन में स्वीकार्य बनाने में अहमियत रखती हैं, ये प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देता है 'नर्मदा माई की बगियाय में जाकर। किवदंती है कि इस स्थान पर नर्मदा अपने बचपन में खेला करतीं थीं। गगनचुंबी पेड़ों से घिरे इस स्थान पर उनकी सखी गुल बकावली औषधि की झाडय़िाँ थीं। यहां ये औषधि अब भी बड़ी मात्रा में है, इसके फूल का अर्क नेत्ररोग के लिए उपयोगी बताया जाता है। अमरकंटक का सोनमुड़ा वो स्थान है, जहां के एक कुंड से सोन नदी का उद्गम हुआ है। नर्मदा से अलग ये नदी दक्षिण–पूर्व की ओर बहती हुई गंगा नदी में मिल जाती है।

लघुकथा– आघात

बात कोई पच्चीस छब्बीस साल पहले की है । उस समय हम धनबाद झारखंड में रहा करते थे और वहां से जबलपुर आने के लिए ज्यादा दिन शेष नहीं थे, यह उसी समय की घटना है।

एक दिन मैं गेट के पास खड़ी थी । वहां अचानक एक बारह – तेरह साल की लड़की आकर खड़ी हो गई और हाथ जोड़कर बोलने लगी– दीदी मेरी मां का छठवां प्रसव होने वाला है, वह बहुत कमजोर है। डॉक्टर ने बड़े अस्पताल जाने के लिए कहा है , हाथ में फूटी कौड़ी नहीं है। आप मुझे काम दे देंगे तो मैं मां का इलाज करवाऊंगी । एक तो हम शहर छोड़ने के लिए तैयार थे, दूसरा चौदह साल से कम उम्र की बच्ची से काम लेना कानूनन वर्जित है , ऊपर से मैं ठन – ठन गोपाल की बहन ठहरी। मैं उसे बाल्कनी तक ले आई और उसे खाने के लिए मिठाई दी । मगर मानों मिठाई उसे कड़वी लग रही थी । उसके हालात और मनोविज्ञान पूरी तरह मेरी पकड़ में था । मैंने पूछा तुम्हारे पिताजी क्या करते हैं? उसने कहा –पीते हैं , बहुत ज्यादा पीते हैं , पानी की जगह भी शराब पीते हैं । सबको डंडे से मारते हैं । शाम को उनके आने के समय हम सभी खतरनाक खौफ में पड़ जाते हैं। मैंने कहा–मुझे अपने माता–पिता से मिलवा सकती हो क्या , शायद मैं समझा पाऊं। उसने कहा – नहीं दीदी , वह राक्षस आपकी भी नहीं सुनेगा । अश्लील बातें कहेगा। गालियां देगा। मैं ही चुपके से आकर काम करके चली जाऊंगी । मैंने उसे काम पर न रख पाने की मजबूरी बता दी। थोड़े से पैसे भी मैंने उसे दिए। इसी वक्त मैंने और एक बात पूछी–तुम्हारे आस पड़ोस वाले तुम्हारी मदद नहीं करते । तब उस छोटी सी बच्ची ने ऐसी बात कही कि मैं दंग रह गई।

उसने कहा–दीदी, जब मेरे पिताजी घर आते हैं, तब आसपास के सब लोग अपने अपने दरवाजे बंद कर लेते हैं । कुछ लोग खिड़कियों से तमाशा देखते हैं । मगर कोई हमारी मदद के लिए सामने नहीं आता । यहां तक कि कुछ लड़के मेरे पीछे पड़े हुए हैं । मैंने इस पर पड़ोस के ही एक अंकल से सुरक्षा मांगी तो उन्होंने कहा कि उनकी बच्चियां सुरक्षित हैं , यही उनकी जरूरत है । तुम्हारे लिए हम क्यों अपने सर पर खतरा लें । अपने घर के उस सांड से बोलो जो पी – पाकर हल्ला मचाता है । यही नहीं दीदी जब पिताजी नशे में होते हैं , और घर में मारधाड़ और उपद्रव मचाते हैं , मैं दौड़ – दौड़कर सबके दरवाजे खटखटाती हूं , पागल जैसी हो जाती हूं , मगर कोई दरवाजा नहीं खोलता ।

पच्चीस साल पहले की यह कहानी आज भी यथावत है । किसी के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए , तो इसका मतलब यह भी नहीं कि समाज में ऐसा होता है , तो शराबी को हड़काने का अधिकार समाज के पास नहीं है ।

आज आपकी बेटी निश्चित रूप से सुरक्षित है , मगर कल भी सुरक्षित रहेगी , इसकी कोई गारंटी नहीं है । वैसे सभी लोग खुद समझदार हैं, क्या करना चाहिए , क्या नहीं करना चाहिए यह सब भली प्रकार से जानते हैं। लेकिन एकता में बने रहने में ही समाज की और मानव मात्र की सुरक्षा है ।

लघुकथा– पहाड़ के नीचे ऊंट

पड़ोस के शुक्लाजी बोलते हैं तो लगता है डंक मार रहे हों। बात–बात में कटाक्ष हर वाक्य में व्यंग्य। परिचित–अपरिचित, बूढ़ा–जवान, बहू–बेटी उनके विष बुझे वाणों से कोई नहीं बच पाता। उन्हें किसी का लिहाज नहीं। किसी की भावनाओं के आहत होने से कोई सरोकार नहीं।

यही सब करते उम्र बीती है। अस्सी के पेटे में हैं। बढ़ती आयु ने उनके स्वभाव को और उग्र एवं निरंकुश बना दिया है। हर भला आदमी उनसे कतराकर निकल जाने में ही अपना हित समझता है। पिछले कुछ दिनों से शुक्लाजी चुप–चुप से हैं। नजरें चुराते से लगते हैं। कारण का खुलासा आज हो पाया है। मालूम हुआ है कि उनकी इकलौती पोती ने पूरे परिवार के विरोध को दरकिनार करके एक विजातीय से विवाह करने की अपनी जिद अन्ततः मनवा ली है। ऊंट कभी न कभी तो पहाड़ के नीचे आ ही जाता है।

कपिल शर्मा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन के साथ दिसंबर में नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगे

नयी दिल्ली, मशहूर कॉमेडियन–अभिनेता कपिल शर्मा 20 दिसंबर से अपने लोकप्रिय शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन के साथ नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, इस सीजन में कपिल अलग–अलग किरदारों में नजर आएंगे, जिनमें जेन–जेड बाबा, ताऊ जी, राजा और मंत्री जी शामिल हैं। यह किरदार सभी आयु वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इस बार भी कलाकार सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा और कृ ष्णा अभिषेक शो का हिस्सा होंगे। अर्चना पूरण सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू भी नये सीजन में वापसी कर रहे हैं। कपिल शर्मा ने कहा कि दर्शकों का प्यार ही उन्हें हर बार नया सीजन लेकर आने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, "हर बार लगता है कि अब सब कर लिया, नए सीजन में क्या करेंगे लेकिन दर्शकों का प्यार और उम्मीद कुछ नया करने का रास्ता दिखा देती है।" नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज प्रमुख तान्या बामी ने कहा, "'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' हमारे लिए सिर्फ एक शो नहीं है, यह भारत और विदेशों में बसे भारतीयों के लिए परिवार संग बिताए जाने वाले समय और 'नेटफ्लिक्स' देखने के समय का हिस्सा बन गया है। हम चौथे सीजन की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं।" उन्होंने कहा, "यह सीजन खास है क्योंकि इसमें कपिल कई नए किरदार में नजर आएंगे। सुनील, कृष्णा, कीकू, अर्चना और सिद्धू के साथ दर्शक इस बार 'बेस्ट ऑफ कपिल' भी देख पाएंगे।"

आईएमडीबी 2025 की सूची में शीर्ष पर रही 'सैय्यारा'

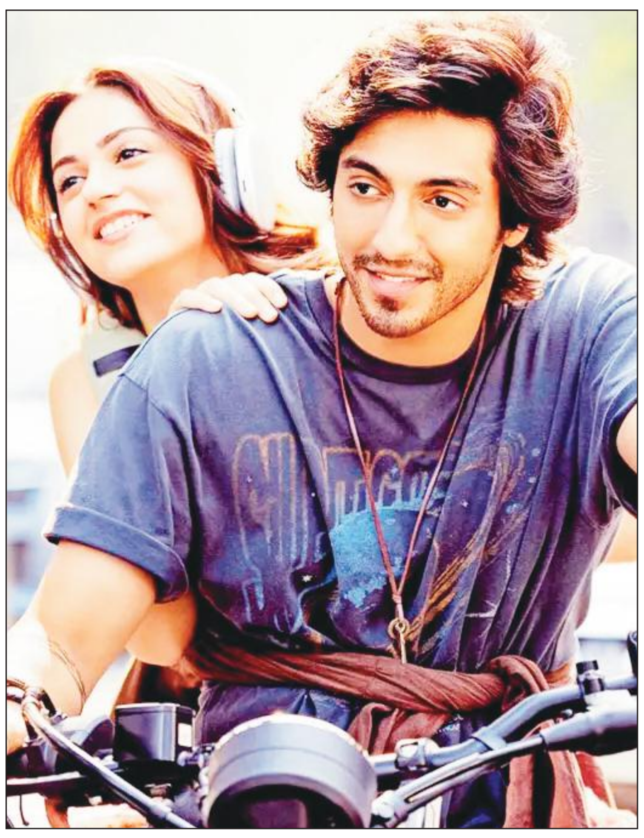

मुंबई, (भाषा) बॉलीवुड के नए कलाकार अहान पांडे और अनीता पड्डा अभिनीत फिल्म "सैयारा" सबसे लोकप्रिय फिल्मों की आईएमडीबी की वर्ष 2025 की सूची में शीर्ष पर रही। वहीं, आर्यन खान द्वारा निर्देशित पहली सीरीज "द बैड्स ऑफ बॉलीवुड" ने 'वेब सीरीज' सूची में पहला स्थान हासिल किया है। आईएमडीबी ने बुधवार को यह घोषणा की। फिल्मों, टेलीविजन श्रृंखलाओं और कलाकारों से जुड़ी जानकारी के सबसे लोकप्रिय आनलाइन स्रोतों में से एक आईएमडीबी ने सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्मों और श्रृंखलाओं की अपनी सूची जारी की कंपनी ने एक बयान में कहा कि ये रैंकिंग आईएमडीबी के 25 करोड़ से अधिक मासिक वैश्विक 'विज़िटर्स' के 'पेज व्यूज़' पर आधारित है। इंटरनेट मूवी डेटाबेस (आईएमडीबी) की 2025 की शीर्ष 10 लोकप्रिय भारतीय फिल्मों की सूची में सबसे ऊपर 'सैयारा' है। 'सैयारा' फिल्म यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) द्वारा निर्मित है और इसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। यह फिल्म अपनी भावनात्मक कहानी और बेहतरीन संगीत के लिए वैश्विक तौर पर चर्चा में रही। वाईआरएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अक्षय विधानी ने कहा कि फिल्म को यह पहचान मिलना "अत्यधिक गर्व का क्षण" है। इसके अलावा सूची में शामिल अन्य फिल्मों में "महावतार नरसिम्हा" (दूसरे स्थान पर), विक्की कौशल की "छावा" (तीसरे स्थान पर), ऋषभ शेट्टी की "कांतारा: ए लेजेंड – चैप्टर 1" (चौथे स्थान पर), और रजनीकांत की "कुली" (पांचवे स्थान पर) शामिल है। तमिल फिल्म 'ड्रैगन' (छठे), आमिर खान की फिल्म सितारें जमीन पर (सातवें), शाहिद कपूर की फिल्म देवा (आठवें), अजय देवगन की फिल्म रेड2 (नौवें) और मलयालम फिल्म लोख चेप्टर1:चंद्र (10वें) सूची में शामिल अन्य फिल्म हैं। महावतार नरसिम्हा, आईएमडीबी की वर्षांत भारतीय रैंकिंग में जगह बनाने वाली पहली 'ऐनिमेटेड' फिल्म भी है आईएमडीबी द्वारा जारी लोकप्रिय सीरीज की सूची में आर्यन खान की सीरीज "द बैड्स ऑफ बॉलीवुड" सबसे ऊपर रही। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने कहा कि शो के शीर्ष पर होने की अनुभूति ऐसी है कि इसका निर्माण ठीक वैसा ही हुआ जैसा हम चाहते थे। फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवाने की वेबसीरिज "ब्लैक वारंट" और सुदीप शर्मा की "पाताल लोक" का दूसरा सीजन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे जबकि प्रशंसक–पसंदीदा "पंचायत" के सीजन चार ने चौथा स्थान हासिल किया।

2025 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गई ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, 'वॉर 2' और 'कांतारा: चैप्टर 1' को पछाड़कर बनी नंबर 1

सिनेमाघरों में इस साल कुछ ऐसी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने दर्शकों को सरप्राइज कर दिया। वहीं कुछ ऐसी भी फिल्में आईं जिनमें नजर आए बड़े सितारे और बड़ा बजट भी दर्शकों को इंप्रेस नहीं कर पाया। अब 2025 को जाने में कुछ ही दिन बचे हैं और इस बीच गूगल की 2025 की सर्च रैंकिंग की लिस्ट यानी ल्मंत प्द`मंतबी 2025 भी जारी हो चुकी है, जिसके साथ गूगल ने बताया है कि इस साल दर्शकों ने सबसे ज्यादा किन फिल्मों, सीरीज या अन्य विषय के बारे में खोजबीन की है। सिनेमाघरों में इस साल ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर स्टार 'वॉर 2' से लेकर रजनीकांत स्टारर 'कुली' जैसी फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि गूगल पर दर्शकों ने इन सुपरस्टार्स की फिल्म को नहीं बल्कि दो नए–नवेले स्टार्स वाली फिल्म को सबसे ज्यादा सर्च किया है।

नंबर 1 पर रही ये ब्लॉकबस्टर फिल्म : गूगल पर इस साल ऐसी फिल्म को सबसे ज्यादा सर्च किया गया है, जिससे किसी को उम्मीद नहीं थी कि ये इतनी बड़ी हिट साबित हो सकती है। इस फिल्म को तो दर्शकों से खूब प्यार मिला ही, साथ ही साथ कहानी, स्टार्स की परफॉर्मेंस और गानों को भी खूब पसंद किया गया। जी हां, हम बात कर रहे हैं मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा' की, जिसके साथ अहान पांडे ने अपना एक्टिंग डेब्यू किया और बात करें अनीत पड्डा की तो ये उनका तीसरा एक्टिंग प्रोजेक्ट था। इससे पहले वह 'सलाम वैंकी' और 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में नजर आ चुकी हैं। जैसे ही ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई, इसने कमाई के साथ–साथ कई रिकॉर्ड तोड़े और बनाए भी। इसी के साथ ये गूगल पर भारत में 2025 में सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली फिल्म बन गई है।

इन फिल्मों को भी खूब खोजा गया : 'सैयारा' के बाद दूसरे नंबर पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' रही, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था। 2022 में 'कांतारा' के रिलीज होने के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे, जिसके रिलीज होने पर दर्शकों ने इस पर दिल खोलकर प्यार की बारिश की।

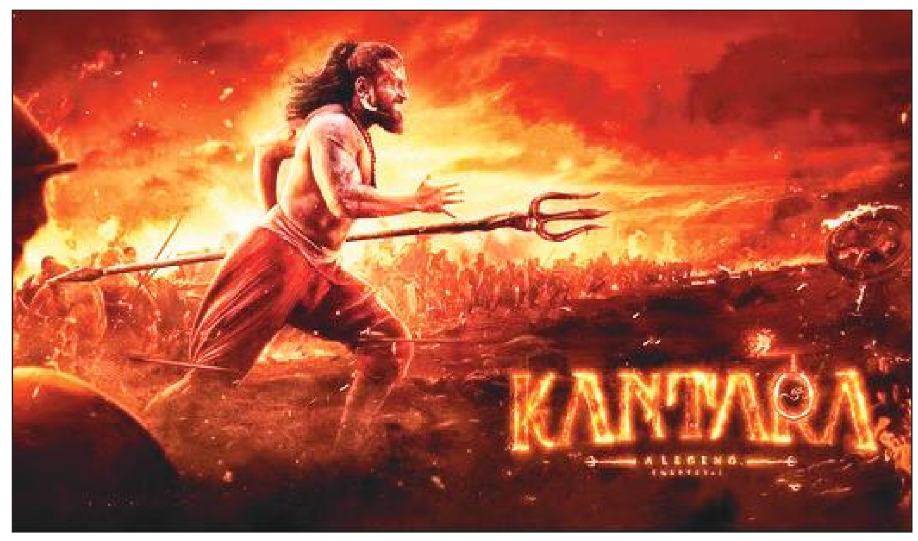

इसके शानदार विजुअल्स, विशाल दुनिया और रहस्य ने दर्शकों को आखिरी तक बांधे रखा और साल भर ये फिल्म चर्चा में बनी रही। वहीं तमिल सुपरस्टार रजनीकांत की 'कुली' तीसरे नंबर पर रही। इस फिल्म के इतना सर्च होने की एक वजह इसकी कहानी तो दूसरी स्टारकास्ट रही। फिल्म में रजनीकांत के साथ ही नागार्जुन, आमिर खान, शौबिन साहिर और श्रुति हासन जैसे कलाकार नजर आए थे।

टॉप 5 में इन फिल्मों ने बनाई जगह : यश राज फिल्म्स की 'वॉर 2' लिस्ट में चौथे नंबर पर रही, जिसमें ऋतिक रोशन के साथ जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी साथ नजर आए। वहीं 2016 की रोमांटिक ड्रामा 'सनम तेरी कसम' 2025 में अपने कमबैक के साथ हर तरफ छा गई और फ्लॉप का ठप्पा लिए बैठी ये फिल्म री–रिलीज पर सुपरहिट साबित हुई। गूगल पर भी ये फिल्म खूब सर्च की गई और सर्च इंजन पर चौथे नंबर पर जगह बनाई।

टॉप 10 में शामिल हुईं ये फिल्में : गूगल पर 2025 में सर्च की गई भारतीय फिल्मों की बात करें तो टॉप 10 में छठवें नंबर पर 'मार्को', सातवें पर 'हाउसफुल 5', छठवें पर 'गेम चेंजर', आठवें पर 'मिसेज' और 10वें नंबर पर एनीमेटेड फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' जैसी फिल्मों ने जगह बनाई। 2025 में सर्च की गई इन फिल्मों के ट्रेंड से एक बात जो साबित होती है, वो ये कि दर्शक सिर्फ बड़े सुपरस्टार्स ही नहीं, नई कहानियों, पुरानी यादों और नए स्टार्स के काम को देखना भी पसंद करते हैं।

स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

डॉ. मोहन यादव

'परिश्रम में जो तपा है,
उसने ही तो इतिहास रचा है।
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है,
उसने ही समय को मोड़ा है,
समय को मोड़ देने का भी
यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी–सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

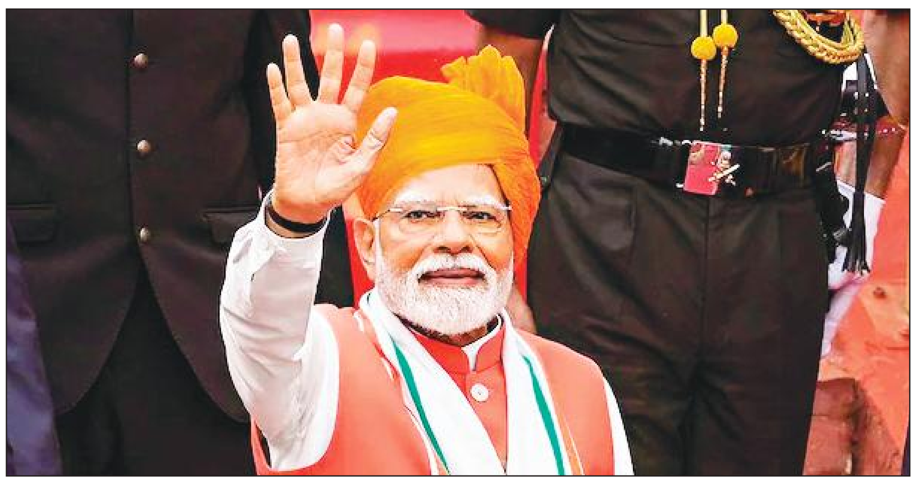

प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है। उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे। गांव–गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली।

इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिये प्रधानमंत्री जी ने हमें 'विरासत के साथ विकास' का नारा दिया। भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई।

मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। 'स्पेस टेक्नोलॉजी' में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं उसका क्रियान्वयन भी करते हैं। उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया। इस फैसले से देश की कर–प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोजग़ार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं। ये नीतियाँ देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म–सम्मान का प्रतीक बनी। अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन श्री मोदी जी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है कि देश का युवा आत्मनिर्भर बने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए। युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोजग़ार देने के लिए उन्होंने 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजग़ार योजना' लागू की। इसका उद्देश्य साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोजग़ार उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजग़ार, स्टार्टअप, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 52.5 करोड़ छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को गति दी गई।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं। उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने का अवसर भी मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति का अधिकार मिला। महिला आरक्षण लागू कर उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। 'लखपति दीदी अभियान' के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने जनकल्याण की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क खाद्यान्न दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार हुआ। 'जल जीवन मिशन' के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया। इन योजनाओं ने देश के हर वर्ग को सीधे लाभ पहुँचाया।

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से वे देश के हर जन–मन से जुड़े, हरेक की समस्या को जाना और समाधान पहुँचाने का प्रयास किया। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का सामना और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने अनेक निर्णय लिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और विश्व को भारत की शक्ति से परिचित कराया। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व सेवा, त्याग, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। उनके द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों ने आम नागरिक को राहत दी, स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की, आर्थिक विकास की राह दिखाई, सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने संघर्ष से समाधान, संकट से अवसर और सीमित संसाधनों से वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा तय की है।आज प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर हम यह संकल्प लें कि उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करेंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। देश को विश्व शक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने सेवा और स्वदेशी का आह्वान किया है। मुझे विश्वास है कि प्रदेश के कपास उत्पादक क्षेत्र में टैक्सटाइल उद्योग के लिए स्थापित होने वाला 'पीएम मित्र पार्क' प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी की संकल्पना को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश को मिलने वाले इस आशीर्वाद से हम सभी अभिभूत हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण' करने वाले युगदृष्टा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...।

कांकेर में कुल 23 लाख रुपए के इनामी चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर, (भाषा) छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में कुल 23 लाख रुपए के इनामी चार नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में आज चार नक्सलियों काजल उर्फ रजीता वेड़दा, मंजूला उर्फ लक्ष्मी पोटाई, विलास उर्फ चैतु उसेंडी और रामसाय उर्फ लखन मर्रापी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाली नक्सली काजल कंपनी नंबर 10 की सदस्य थी और उसके ऊपर आठ लाख रुपए का इनाम है। वहीं एरिया कमेटी सदस्य मंजूला, टेक्निकल प्लाटून 50 के सदस्य विलास और एरिया कमेटी सदस्य रामसाय पर पांचकृपांच लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने बताया कि चारों नक्सलियों के समाज में पुनर्वास और पुनर्समावेशन के लिए आवश्यक विधिक प्रक्रिया की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षा बलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरूक नागरिकों के सामूहिक और समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।उन्होंने बताया कि मुख्यधारा में लौटने वाले प्रमुख माओवादी कैडरों ने भारतीय संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का संकल्प किया है। पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रत्येक कैडर को प्रोत्साहन स्वरूप 50–50 हजार रुपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। कांकेर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईके एलिसेला ने माओवादियों से अपील करते हुए कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को आकर्षित कर रही है। आत्मसमर्पण करने वालों के परिजन भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जियें और समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।'' उन्होंने कहा, ''माओवादी भ्रामक और हिंसक विचारधाराओं को त्यागकर निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें। शासन की 'पूना मारगेम' नीति उनके भविष्य को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वावलंबी बनाने के लिए हर संभव सुविधा प्रदान कर रही है।'' पुलिस के अनुसार, पिछले दो सालों में राज्य में 2380 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

कांग्रेस के किसी भी नेता को सावरकर के नाम पर पुरस्कार नहीं स्वीकार करना चाहिए: के. मुरलीधरन

तिरुवनंतपुरम, (भाषा) कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने बुधवार को कहा कि सांसद शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर कोई पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि उन्होंने अंग्रेजों के सामने सिर झुकाया था।मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान और शर्मिंदगी की बात होगी। इस बीच, थरूर ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में नहीं जा रहे हैं।

उन्होंने पुरस्कार समारोह में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया, ''मुझे इसके बारे में कल ही पता चला। मैं नहीं जा रहा हूं।'' तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद को बुधवार को नयी दिल्ली में एचआरडीएस इंडिया द्वारा पहला 'वीर सावरकर इंटरनेशनल इम्पैक्ट अवार्ड 2025' दिया जाएगा। थरूर ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा था कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मीडिया से पता चला और उन्हें यह नहीं पता कि इसे कौन दे रहा है। उन्होंने कहा था, ''मुझे पुरस्कार से संबंधित किसी भी बात की जानकारी नहीं है। मुझे पता लगाना होगा कि यह क्या है।''

टीटीडी के 'एसवी प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपये और दो वाहन दान में मिले

तिरुपति, (भाषा) तमिलनाडु की एक श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के 'श्री वेंकटेश्वर प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपये का दान दिया है। यह ट्रस्ट गंभीर बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीजों को मुफ्त उपचार प्रदान करता है।ईरोड की एम. सौम्या ने टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सी. वेंकैया चौधरी को 'डिमांड ड्राफ्ट' सौंपा। मंदिर निकाय की एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, "एम. सौम्या ने मंगलवार को टीटीडी द्वारा संचालित 'श्री वेंकटेश्वर(एसवी) प्राणदान ट्रस्ट' को एक करोड़ रुपये का दान दिया है।" 'एसवी प्राणदान ट्रस्ट' हृदय, मस्तिष्क, कैंसर और अन्य बीमारियों से संबंधित रोगों के लिए मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करता है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को टीटीडी को 19 लाख रुपये मूल्य की दो कार दान में प्राप्त हुईं। विज्ञप्ति के अनुसार, तिरुपति के अर्जुन कोल्लिकोंडा ने एक ऑटोमोबाइल डीलरशिप की ओर से 10 लाख रुपये की एक इलेक्ट्रिक कार दान की जबकि तमिलनाडु के सरवनन करुणाकरण ने नौ लाख रुपये की कार दान की है। इसमें बताया गया कि श्रीवारी मंदिर के सामने दोनों वाहनों के लिए विशेष अनुष्ठान किये जाने के बाद दानदाताओं ने उनकी चाबियां मंदिर के पेशकार रामकृष्ण को सौंप दीं। टीटीडी, तिरुपति में स्थित दुनिया के सबसे अमीर हिंदू तीर्थस्थल 'श्री वेंकटेश्वर मंदिर' का आधिकारिक संरक्षक है।

ओडिशा ने कृषि क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन लाने के लिए दो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा सरकार ने राज्य में कृषि परियोजनाओं और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। भुवनेश्वर में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव और मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मलिक की उपस्थिति में दोनों समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कृषि विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग, मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास विभाग और तत्व टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के बीच ओडिशा की डिजिटल मोबाइल आधारित विस्तार सेवा 'कृषि समृद्धि हेल्पलाइन' के संचालन, प्रबंधन एवं रखरखाव के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अधिकारी ने बताया कि दूसरे समझौता ज्ञापन से जमीनी स्तर पर उपलब्ध मोबाइल–आधारित डिजिटल कृषि–सेवा प्लेटफार्म के कार्यान्वयन में मदद मिलेगी।

कहानी– मैडम व्यस्त हैं

दयारानी का समय काटे नहीं कटता था। हर समय उद्विग्न बेचैन वे अतीत में विचरण करते–करते थकावट महसूस करने लगतीं। पति क्या साथ छोड़ गए जीवन उनके लिए भारस्वरूप हो गया। वह जीवन में जीवन न जोडऩे के बजाय बरस जोडऩे में लग गई थीं।

घर में सुख–सुविधा की कमी न थी। पति का बनवाया बड़ा–सा मकान पुराने नौकर, ड्राईवर, माली, रसोईया सभी तो थे। नहीं थी, तो वह रौनक जो पति के जीवित रहने पर हुआ करती।

उनके दोनों पुत्रों में से एक बेंगलौर में अपने परिवार सहित रह रहा था। दूसरा दिल्ली में ही ग्रेटर कैलाश में उनकी दूसरी कोठी में रह रहा था। संचित जो दिल्ली में था अमित से दो साल बड़ा था। संचित की पत्नी सी.ए. थी उसने कोठी में ही अपना ऑफिस खोल रखा था।

जहां रात–दिन क्लाइंट्स की भीड़ लगी रहती थी। उनसे उसे दम मारने की फुर्सत न थी। अपने इकलौते बेटे वंश को उन्होंने दार्जीलिंग पढऩे के लिए भेज रखा था। छुट्टियों में ही वह घर आ पाता था। कभी पति–पत्नी उससे मिलने चले जाते।

दयारानी को पोते से मिले मुद्दत हो गई थी। कभी–कभी मन तड़प उठता था उसे देखने को तो बेटे की दी हुई सी.डी. लगाकर उसे हंसते खेलते यूं देख लेतीं जैसे सिनेमाहॉल में बैठकर कभी मूवी देखा करती थीं। बेटे–बहू को भी उनके पास आने की फुर्सत न थी। अमित की दोनों बेटियां भी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। हॉस्टल में रहकर बच्चे आत्मनिर्भर बनते हैं, उनका व्यक्तित्व निखरता है। अमित ने एक बार उनके बच्चों को हॉस्टल न भेजने की बात के प्रत्युत्तर में कहा था। उसकी पत्नी उससे दो साल बड़ी थी। वह एक नामी गायनाकोलॉजिस्ट थी। अब अमित सर्जन था। उनका नर्सिंगहोम 'मातृछाया' मरीजों से ठसाठस भरा रहता। उनका जीवन मंत्र भी यही था 'मैं व्यस्त हूं।'

बच्चों की जब तब बहुत याद आने पर वे जब भी डरते–डरते उन्हें फोन करती। उनकी आवाज का बेसब्रीपन और टू द प्वाइंट बात करने का रवैया उन्हें हतोत्साहित कर देता। अपमानित सी वह फिर उनकी कुशलता पूछकर ही फोन रख देतीं। बच्चों की आवाज से टपकती खीझ उनकी आंखें नम कर देती। कितनी नादान होती हैं नई पीढ़ी। अपने आगे दूसरे की भावनाओं का इन्हें जरा भी अहसास नहीं।

खैर जहां रहें जैसे रहें खुश रहे। अब बेटों को पराया तो होना ही था। उनकी प्राथमिकता बदल गईं। मन बदल गया। मैं क्यों नहीं अपने को समयानुकूल बदल पाई। वे अपनी ही लानत मलामत करने लगतीं।

रात में कितनी ही बार वे दुःस्वप्न से जाग उठतीं, तब कोई स्नेहिल स्पर्श उन्हें कितना याद आता। सच साथी के बिना जीवन, जीवन कहां रह जाता है। बस यह जिन्दगी का मोह ज+कड़े रखता है। वरना मरना क्या मुश्किल है। रोज कितने ही लोग आत्महत्या करते हैं।

हर दिन उनके लिए युग की तरह था, जो गुजरता नजर न आता सिवाय जरूरत से ज्यादा आराम के।

एक बार पुत्रमोह में डूबकर उन्होंने अमित को अपने अत्यधिक बीमार होने की खबर करवा दी। बेटा बहू दोनों अगली ही फ्लाइट से दौड़े चले आये। लेकिन जब उन्हें स्वास्थ्य चलते–फिरते देखा तो आश्चर्यजनक क्रोध से बोले– मां झूठी खबर भिजवाने की क्या आफत आ गई थी। आपको पता है एक दिन में हमारा लाखों का नुकसान हो जाता है। कितने पेशेंट्स आकर चले जाएंगे।

'मम्मीजी आपको तो फुर्सत ही फुर्सत है। हमें मरने की फुर्सत नहीं। आप सिर्फ अपना ही सोचती हैं। हमारी व्यस्तताओं का आपको जरा भी खयाल नहीं।' बहू करिश्मा ने तेवर दिखाते हुए कहा।

न पैर छूना। न प्यार से मां के गले में बांहे डाल उसका हाल पूछना। आते ही दुःखों की मार से जख्मी मां पर बातों के नश्तर चलाना। वे अपमानित लज्जित हक्की–बक्की–सी अपनी जगह पर जड़ रह गईं। वे दोनों खटाखट सीढिय़ां चढ़ते ऊपर बैडरुम में फ्रेश होने चले गए।

अगले दिन ही वे बैंगलोर चले गए। जाते–जाते हिदायत दे गए कि इस तरह का झूठ न बोला करें वरना यह उन्हें महंगा पड़ सकता है।

भाइयों की मुलाकात एयरपोर्ट पर ही हुई। वहां से सीधे संचित और उसकी पत्नी हिमानी उनके पास आये। जो कुछ कसर अमित की बातों में बाकी रह गई थी उसे संपूर्ण करने।

मां उन्हें यूं परेशान करके आपको कौन–सी संतुष्टि मिल गई। हम लोग हैं तो यहां आपकी देखभाल के लिए। इतने आराम में रह रही हैं और क्या चाहिए। हम लोगों की अपनी ही कितनी परेशानियां हैं, लेकिन आप समझे तब न।

हां, बेटा तुम ठीक कहते हो। तुम्हारी अपनी जिन्दगी है, जिसमें मेरे लिए अब कोई जगह नहीं है। मुझे बहुत पहले समझ लेना था। खैर देर में ही सही। अब समझ गई हूं।

आपकी पीढ़ी की औरतों की यही समस्या है। हिमानी ने अपना दर्शन बघारा। घर–बच्चों व पति से बाहर भी कोई दुनिया है। यह आप लोगों ने जाना ही नहीं। बच्चे बड़े होकर अपना स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं। वे मां के पल्लू से कब तक बंधे रह सकते हैं, लेकिन मां समझने को तैयार ही नहीं। दिस इज जनरेशन गेप।

'चलता हूं पहले ही ऑफिस को लेट हो गया हूं।' मेरे भी क्लायंट्स मेरे नाम को रो रहे होंगे। कहते हुए दोनों 'अच्छा मां बाई' कहते हुए चल दिए।

दयारानी सोफे पर बैठी–बैठी विगत में अतीत की गलियों में भटकने लगीं। अमित, संचित दोनों ही कितने प्यारे बच्चे थे। उनकी आंखों के तारे। जितना प्यार वे अपने लाड़लों से करती वे भी प्रतिदान में कमी नहीं रखते। उन्हें मां की पूरी चिंता रहती। बहन न होने से वे उनसे बहन की तरह भी स्नेह रखते। उनके लिए अक्सर तोहफे खरीदकर लाते। उन्हें छोले–टिक्की पसंद थे तो जब स्वयं खाते, उनके लिए भी पैक करा के ले आते। पापा के काम से बाहर जाने पर उनके मनोरंजन का पूरा–पूरा ध्यान रखते। उन्हें मोगरे के खुशबू वाले फूल बहुत पसंद थे। एक बार पड़ोस वाली आंटी के यहां मोटे–मोटे खूबसूरत मोगरे के फूल जो देखे संचित चुपचाप मां के लिये चार–छह फूल ले आया था।

पीछे–पीछे मिसेज डिंढसा शिकायत लेकर आ गई थीं। घबरा के संचित ने फूल झट से छुपा दिए थे। तब उन्हें बेटे पर कितना प्यार उमड़ आया था।

उन्हें पता था अपने लिये वह कभी किसी की चीज की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखता था।

वहीं संचित आज उन्हें अपनी बातों से कितना छोटेपन का अहसास करा गया। और बहू! उसने तो उन्हें बिल्कुल ही नकारा होने की पदवी से विभूषित कर दिया। कहां गया उनका आत्मसम्मान! क्या उम्र के इस सोपान पर इस तरह अपनी ही नजरों में गिरकर जीना होगा? क्या पति के साथ ही मैंने अपनी इज्जत, मान–मर्यादा सब खो दी? मैं अपाहिज तो नहीं ना ही पार्किंसस या अल्जाइमर की रोगी। अभी मेरा दिमाग एकदम चुस्त–दुरुस्त है। फिर क्यों मुझमें आत्मविश्वास नहीं रहा।

मुझसे तो ये काम करने वाली बाईयां ही अच्छी, जिन्हें अपनी मेहनत पर भरोसा है। कमाती हैं और सिर ऊंचा कर ऐंठ से रहती हैं। कोई दो बात सुनाये तो इन्हें जरा। 'रखो अपना काम। हम जा रही हैं। हमारा हिसाब कर दो।' कहकर चल देंगी।

और मैं! बेटे–बहुओं की खुशामद में जुटी उनसे अपमानित होती रहती हूं। उनकी उपेक्षा के बावजूद उनसे चिपकी रहना चाहती हूं। क्या मैं रीढ़–विहीन हूं, महज रेंगने वाला कीड़ा? स्वयं से प्रश्न करती वे गले में चिरमिराहट महसूस करती रहीं। मन की उथल–पुतल के चलते एक दिन उन्होंने एक निश्चय कर लिया। बस अब और नहीं गिराना है मुझे अपने को। बच्चों के प्रति इस अंधे मोह से छुटकारा पाना ही होगा।

उन्होंने अपना बड़ा–सा ड्राइंगरूम जिसे उनके पति 'दरबार हॉल' कहते थे, खाली करवाया और घर के नीचे के पोर्शन में डे केयर स्कूल खोल लिया। कुछ ही समय में अच्छा रिस्पांस मिलने लगा। उन्होंने स्टाफ बढ़ाया और पूरी तरह अपने को उसमें व्यस्त कर लिया। नन्हें बच्चों की भोली मासूम बातों ने उनमें नवजीवन का संचार कर दिया था। लोगों से संपर्क बढ़ा तो उन्होंने अपने रखरखाव पर भी ध्यान देना शुरू किया।

बगैर प्रयत्न के सिर्फ माउथ पब्लिसिटी से ही स्कूल की रेप्युटेशन बढ़ती गई। उनसे इंटरव्यू लेने उनके स्कूल को शूट करने मीडिया के लोग पहुंचने लगे। वे एक कर्मठ महिला के रूप में जानी जाने लगीं। नारी संगठन, वुमेन एंपावरमेंट एसोसिएशन, नारीशक्ति फोरम आदि जगहों से उनके पास स्पीच के लिए आमंत्रण आने लगे।

उन्हें अब समय काटने की समस्या न थी, बल्कि समय काम के लिए कम पड़ता था। बेटे–बहुओं के फोन अक्सर उनकी सेक्रेटरी ही रिसीव करती वह बस यह पूछ लेती कि कोई अरजेंट काम है? मैं मैसेज दे दूंगी। राइटनाउ मैडम इज बिजी! मैडम व्यस्त हैं।

लघुकथा– मुफ्त की रोटियां

हातिमताई की दानवीरता दूर–दूर तक विख्यात थी। वह नित्य लोगों को कपड़े व भोजन बांटते थे। एक बार जंगल से यात्रा करते हुए उन्होंने एक बूढ़े जर्जर लकड़हारे को देखा जो अपने सिर पर भारी बोझा ढो रहा था। हातिमताई ने सहानुभूतिपूर्वक पूछा, बाबा, इस उम्र में इतनी मेहनत क्यों करते हो? वृद्ध बोला भाई, दो जून की रोटी के लिये यह सब करता हूं। तब हातिमताई ने कहा आप ठीक कहते हैं। मगर सुना है, हातिम प्रतिदिन कई लोगों को रोटी खिलाता है। आप भी रोज वहीं जाकर रोटी–कपड़ा क्यों नहीं ले लेते? इस पर वृद्ध ने कहा आप कैसी बात कर रहे हैं? जो आदमी अपनी मेहनत से कमाकर खा सकता है वह किसी की मुफ्त की रोटियां खाने की क्यों सोचेगा? उसका जवाब सुनकर हातिमताई का अपनी दानवीरता का गर्व जाता रहा।

इटली–भारत आर्थिक साझेदारी के केंद्र में नवाचार, निवेश और संयुक्त उद्यम : एंटोनियो ताजानी

इटली के लिए भारत हमेशा प्राथमिकता रहा है। लंबे समय से भरोसेमंद मित्र होने के नाते, हम संस्कृति एवं मूल्यों से जुड़े हुए हैं। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक रणनीतिक साझेदार। अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश एवं नवाचार के क्षेत्रों में एक विशेष वार्ताकार। आज मुंबई में अपने सहयोगी एवं मित्र मंत्री पीयूष गोयल के साथ, हम एक साल से भी कम समय में तीसरा व्यापार मंच आयोजित कर रहे हैं। मोटर वाहन, कृषि–खाद्य, अपशिष्ट–से–ऊर्जा और खेल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की कुछ बेहतरीन कंपनियां बी2बी (व्यवसाय से व्यवसाय) बैठकों और क्षेत्रीय गोलमेज सम्मेलनों में भाग ले रही हैं और हमारी अर्थव्यवस्थाओं को तेजी से करीब लाने के लिए ठोस रूप से सहयोग करने की प्रबल इच्छा रखती हैं। अपनी इस यात्रा के माध्यम से, मेरा इरादा भारत में इटली की और इटली में भारत की अधिक पहचान स्थापित करना है। भारत एक विशाल बाजार है, एक तेजी से और गतिशील रूप से विकसित होती आर्थिक शक्ति है। इसने बुनियादी ढांचे से लेकर नई प्रौद्योगिकियों तक, आईटी सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इतालवी कंपनियां इस असाधारण एवं अवसरों से भरपूर देश में तेजी से रुचि दिखा रही हैं। मेरा मुख्य लक्ष्य उन्हें महत्वाकांक्षी और ठोस परिणाम प्राप्त करने में मदद करना है। मैंने हाल ही में इटली में एक सुधार शुरू किया है जिसके तहत विदेश मंत्रालय को दो प्रमुखों (राजनीतिक एवं आर्थिक प्रमुख) वाली संरचना के तहत पुनर्गठित किया गया है। मैंने हाल ही में इतालवी विशेषज्ञता को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए एक निर्यात योजना भी शुरू की है। भारत हमारी रणनीति के प्राथमिकता वाले देशों में से एक है। हमारा उद्देश्य केवल निर्यात बढ़ाना ही नहीं है।

हमारा लक्ष्य औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम, सह–विकास और सह–उत्पादन परियोजनाओं को भी बढ़ाना है। मेरा मानना है कि अधिक व्यापार का मतलब दोनों पक्षों के लिए अधिक निवेश भी है। अप्रैल एवं जून में आयोजित दो व्यापार मंचों के बाद, अब हम प्रमुख विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और संपर्कों को अनुबंधों में बदलना चाहते हैं। समय बिल्कुल सही है। हम लंबे समय से प्रतीक्षित यूरोपीय संघ–भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के करीब हैं। इटली ने हमेशा से ही एक महत्वाकांक्षी, संतुलित एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते का समर्थन किया है। हमारा मानना है कि यह हमारे उद्यमियों और कंपनियों (खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं) के लिए बेहतर और व्यापक अवसर प्रदान कर सकता है। भारत में पिछले एक वर्ष में 50 करोड़ यूरो का अतिरिक्त इतालवी निवेश हमारी कंपनियों की प्रतिबद्धता का एक ठोस संकेत है। इतालवी विदेश मंत्रालय ने इतालवी सरकारी वित्तीय संस्था 'एसएमईएसटी' के माध्यम से भारत के लिए 50 करोड़ यूरो की एक विशेष वित्तपोषण 'लाइन' शुरू की है ताकि स्थानीय बाजार में प्रवेश करने एवं संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाली इतालवी कंपनियों को समर्थन दिया जा सके। हमारी निर्यात ऋण एजेंसी ने पहले से जारी की गई दो अरब यूरो से अधिक की गारंटी के अतिरिक्त, स्थानीय मुद्रा में देश में अपना निवेश लगभग 20 करोड़ यूरो तक बढ़ा दिया है।

मार्ग तैयार है। हम साथ आकर भारत से इटली तक अपने व्यापार एवं निवेश लेन–देन को बढ़ा एवं संतुलित कर सकते हैं। हम एक स्थिर देश हैं। यूरोप में दूसरे सबसे बड़े विनिर्माता हैं और हम भारतीय उद्योग एवं विनिर्माण, विशेष रूप से मशीनरी तथा उद्योग के विकास पथ में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह केवल उत्पादों का मामला नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी समाधानों का भी है। हमारी कंपनियां कई अत्याधुनिक क्षेत्रों में अग्रणी हैं। डिजाइन से लेकर उन्नत विनिर्माण तक, कृषि मशीनरी से लेकर इंजीनियरिंग सेवाओं तक, रक्षा उद्योग से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा और पुनर्चक्रण तक। हमारे सहयोग का एक बहुत महत्वपूर्ण प्रेरक नवाचार है। आज (11 दिसंबर) हम मंत्री गोयल के साथ मिलकर एक संयुक्त पहल शुरू करेंगे। 'इनोविट इंडिया' भारत में एक ऐसा केंद्र होगा जो स्टार्टअप, कंपनियों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान समूहों के बीच एक सुव्यवस्थित संवाद को बढ़ावा देगा। यह बिग डेटा, क्वांटम टेक्नोलॉजी, बायोटेक, कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे समान रुचि के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेगा। इटली और भारत ऐतिहासिक एवं भौगोलिक रूप से जुड़े हुए हैं। सदियों से, हम रोमन साम्राज्य के समय से ही एक साझा हिंद–भूमध्यसागरीय क्षेत्र के प्राकृतिक छोर रहे हैं। उस समय, यह मसालों व सोने का खेल था। आज हम बंदरगाहों, लॉजिस्टिक तथा समुद्री डिजिटल संपर्कों से संबंधित परियोजनाओं के माध्यम से संपर्क पर काम कर रहे हैं। हमारी दोनों सरकारों ने 2025–2029 के लिए एक संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना तैयार की है। इटली और भारत इसके पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। आज, यह हमारे मित्रता एवं सहयोग की एक लंबी एवं आशाजनक यात्रा की दिशा में एक और कदम है।

इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे से 60 से अधिक उड़ानें रद्द कीं

मुंबई, (भाषा) इंडिगो ने बुधवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से 60 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं जबकि विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने एक दिन पहले दावा किया था कि कंपनी का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। एक सूत्र ने बताया कि इंडिगो ने बुधवार को 61 उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। मंगलवार को सरकार द्वारा इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत या प्रतिदिन स्वीकृत लगभग 2,200 उड़ानों में से लगभग 220 उड़ानों की कटौती किए जाने और इंडिगो द्वारा छह महानगरों से 460 उड़ानें रद्द किए जाने के बाद एल्बर्स ने दावा किया कि कंपनी ''फिर से पटरी पर आ गई है'' और इसका परिचालन ''स्थिर'' है। उन्होंने यह भी कहा कि लाखों ग्राहकों को उनके टिकट का पूरा शुल्क लौटाया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई, लेकिन उन लोगों को मुआवजे के मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी जिनकी उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं, जिनकी उड़ानों में बहुत देरी हुई या जिनकी सहमति के बिना उड़ानें पुनर्निर्धारित की गईं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के यात्री चार्टर के मुताबिक, अगर कोई विमानन कंपनी प्रस्थान से कम से कम दो हफ्ते पहले यात्री को उसकी उड़ान रद्द होने की सूचना देने में विफल रहती है, तो मुआवजा देना कानूनी रूप से अनिवार्य है और इसकी राशि उड़ान की अवधि पर निर्भर करती है। सुरक्षा नियमों को लेकर सख्त योजना बनाने में विफल रहने के बाद इंडिगो ने देशभर में हजारों उड़ानें रद्द कर दी हैं जिससे यात्रियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, अन्य घरेलू विमानन कंपनियों के किराए में वृद्धि हो रही है और पूरे भारत के हवाई अड्डों पर अफरा–तफरी मची हुई है। एक दिसंबर से शुरू हुई यह स्थिति पांच दिसंबर तक जारी रहने के बाद सरकार ने अंततः हस्तक्षेप किया और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एल्बर्स और इंडिगो के मुख्य परिचालन अधिकारी इसिड्रो प्रोक्वेरास, जो राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली कंपनी के लिए जवाबदेह प्रबंधक भी हैं, को कारण बताओ नोटिस जारी किया और हवाई किराए पर सीमा लगाने का भी आदेश दिया।

घटिया दवाओं के कारण 176 खुदरा, 39 थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए गए : जिरवाल

नागपुर, (भाषा) महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) मंत्री नरहरि जिरवाल ने बुधवार को राज्य विधानसभा को बताया कि पिछले एक वर्ष में महाराष्ट्र भर में घटिया दवाओं के कारण 176 खुदरा विक्रेताओं और 39 थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक अमित साटम और अन्य द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में जिरवाल ने कहा कि एफडीए द्वारा शुरू किए गए एक विशेष अभियान के तहत खांसी की दवा और अन्य दवाओं के नमूने परीक्षण और विश्लेषण के लिए भेजे गए थे। उन्होंने कहा, ''176 खुदरा विक्रेताओं और 39 थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। इसके अलावा, 136 खुदरा विक्रेताओं और 93 थोक विक्रेताओं का निरीक्षण किया गया। खांसी की घटिया दवा बेचने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और लाइसेंस रद्द किए गए।'' जिरवाल ने कहा कि अक्टूबर 2024 में एफडीए के अभियान के दौरान दवा दुकानों और कंपनियों में नकली कफ सिरप पाए गए थे। उन्होंने कहा कि मुंबई, ठाणे, पुणे, औरंगाबाद और नागपुर मंडलों के 10 स्थानों पर 36 नमूनों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 34 निम्न गुणवत्ता के पाए गए।

भारत के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, उद्योगों में आत्मनिर्भर बनना जरूरी: मुकेश अंबानी

गांधीनगर, फोकस न्यूज, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश की भावी प्रगति की राह में चुनौती पैदा करने वाले भू–राजनीतिक हालात से निपटने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों एवं उद्योगों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। अंबानी ने यहां पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाकी दुनिया में भरोसे के अभाव के बीच भारत आठ प्रतिशत की दर से छलांग लगा रहा है। पीडीईयू के अध्यक्ष अंबानी ने कहा, "पूरी दुनिया में भरोसे की कमी है, लेकिन भारत आशा और आत्मविश्वास से लबरेज है। एक दशक पहले भारत के अन्य हिस्सों में केवल 'वाइब्रेंट गुजरात' की चर्चा थी, आज पूरी दुनिया 'वाइब्रेंट इंडिया' की बात कर रही है।" हालांकि उन्होंने कहा कि भू–राजनीतिक परिस्थितियों ने भारत के भविष्य की प्रगति के लिए कुछ चुनौतियां पैदा की हैं। उन्होंने इसका कोई उदाहरण नहीं दिया लेकिन चीन का वैश्विक आपूर्ति शृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों पर नियंत्रण दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए रणनीतिक चिंता का विषय बनकर उभरा है। अंबानी ने संस्थान के स्नातक छात्रों से कहा कि उन्हें जिज्ञासा, साहस, धैर्य और कृतज्ञता को जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत मानकर त्वरित प्रौद्योगिकी परिवर्तन वाले विश्व में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कहा कि वे 'नए भारत की अजेय भावना' का प्रतिनिधित्व करते हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख ने कहा कि भारत इस समय वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है लेकिन उसके लिए कृत्रिम मेधा (एआई), नवीन ऊर्जा, अंतरिक्ष, जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करना जरूरी है। अंबानी ने छात्रों से कहा, "इस दौड़ में जो जीता वही सिकंदर। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत जीतेगा।" उन्होंने पीडीईयू को भी हरित ऊर्जा, हरित पदार्थ और हरित अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने का लक्ष्य रखने के लिए कहा।

विक्रेता पर रेशम के बजाय पॉलिएस्टर की आपूर्ति करने का आरोप, टीटीडी ने जांच की मांग की

तिरुपति, (भाषा) तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने एक कपड़ा विक्रेता पर रेशमी शॉल के बजाय 54 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के घटिया पॉलिएस्टर शॉल की आपूर्ति करने का आरोप लगाते हुए आंध्र प्रदेश सरकार से मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से करवाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आपूर्तिकर्ता ने 'आशीर्वचन' (आशीर्वाद) अनुष्ठान में इस्तेमाल होने वाले रेशमी शॉल की जगह पॉलिएस्टर शॉल उपलब्ध कराए। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "टीटीडी ने आंध्र प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि रेशमी शॉल के स्थान पर 54 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के पॉलिएस्टर शॉल की आपूर्ति करने वाले कपड़ा विक्रेता के खिलाफ एसीबी जांच शुरू की जाए।" अधिकारी के मुताबिक, इस अनियमितता का पता तब चला, जब टीटीडी को संदेह हुआ कि मंदिर में घटिया गुणवत्ता के शॉल भेजे जा रहे हैं। इसके बाद नवंबर में आंतरिक जांच की गई और विस्तृत रिपोर्ट बोर्ड को सौंप दी गई। अधिकारी के अनुसार, कपड़े के नमूनों की जांच श्री सत्य साईं जिले के धर्मावरम और बेंगलुरु में कराई गई, जिसमें पुष्टि हुई कि सामग्री निविदा विनिर्देशों के अनुरूप रेशम नहीं है। टीटीडी की सतर्कता इकाई ने आपूर्तिकर्ता के लेन–देन का भी विश्लेषण कर अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज दी है। एसीबी की ओर से इस रिपोर्ट के निष्कर्षों की जांच किए जाने की उम्मीद है। टीटीडी विश्वप्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधक है, जिसे दुनिया का सबसे समृद्ध हिंदू मंदिर माना जाता है।

अमूल ने अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के साथ क्षेत्रीय प्रायोजक के रूप में अनुबंध बढ़ाया

मुंबई, घरेलू डेयरी ब्रांड अमूल ने कहा कि उसने फीफा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के साथ आधिकारिक क्षेत्रीय प्रायोजक के तौर पर साझेदारी एक और सत्र के लिए बढ़ा दी है। अमूल ने बयान में कहा कि अपने जुड़ाव के चौथे साल में एएफए ने विश्व कप 2026 चक्र के दौरान अर्जेंटीना टीम के साथ अमूल की साझेदारी की पुष्टि की है। अमूल अर्जेंटीना फुटबॉल के इतिहास में पहला भारतीय क्षेत्रीय प्रायोजक है। वह अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ 2022 से जुड़ा है।

नेस्ले इंडिया का ग्राहक–केंद्रित रणनीति, प्रौद्योगिकी पर विशेष ध्यानः चेयरमैन

नयी दिल्ली, (भाषा) रोजमर्रा के सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया के नए चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण एवं प्रौद्योगिकी पर जोर दे रही है। तिवारी ने कहा कि जिन जगहों पर कंपनी नए संयंत्र लगा रही है, वहां बिक्री में अच्छी वृद्धि होने की उम्मीद है। मनीष तिवारी ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने नेस्ले के लिए कुछ लक्ष्य तय किए हैं जिसमें ग्राहक के बारे में सबसे पहले सोचना, बिक्री की मात्रा बढ़ाना और अपने ब्रांडों में निवेश करना शामिल हैं। तिवारी ने कहा, "भारत में अपार संभावनाएं हैं। मसलन, कॉफी की खपत तेजी से बढ़ रही है और मैगी नूडल्स की पहुंच लगभग 20 प्रतिशत ही है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हमें विज्ञापन, मूल्य निर्धारण और नवाचार के जरिये अपने ब्रांडों को मजबूत करना होगा।" उन्होंने संकेत दिए कि कंपनी कुछ अधिग्रहण योजनाओं पर भी आगे बढ़ रही है लेकिन यह अब तक दायर से बाहर रहे क्षेत्रों में ही होगा। भारत में 113 साल से सक्रिय नेस्ले की वित्त वर्ष 2024–25 में बिक्री 20,077 करोड़ रुपये रही थी। पिछले दो साल में कंपनी ने करीब 3,900 करोड़ रुपये का निवेश नए कारखाने लगाने और क्षमता बढ़ाने में किया है। उन्होंने कहा कि नेस्ले का भारत में बिक्री आंकड़ा जल्द ही दुनिया के शीर्ष पांच बाजारों में पहुंच सकता है। तिवारी ने कहा, "भारत के लिए सभी आर्थिक हालात अच्छे हैं और यहां तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है।

Ministry of Labour & Employment Signs MoU with Microsoft in Presence of Mansukh Mandaviya and Satya Nadella

New Delhi, Focus News: The Ministry of Labour & Employment signed a landmark Memorandum of Understanding (MoU) with Microsoft in the presence of Union Minister for Labour & Employment and Youth Affairs & Sports, Dr. Mansukh Mandaviya and CEO, Microsoft, Mr. Satya Nadella, in New Delhi today. This collaboration represents a major step in expanding employment linkages, scaling AI-led skilling, and preparing India's workforce for global opportunities. A central feature of the partnership is Microsoft's commitment to encourage 15,000+ employers and partners from its extensive international network onto the Ministry's National Career Service (NCS) platform. This will significantly broaden formal job access, support high-growth sectors, and enable India to develop a skilled workforce not only for domestic demand but also for the world, strengthening pathways for international mobility of Indian professionals and youth. The MoU will also expand AI-driven skilling initiatives through DigiSaksham, equipping millions of young people with future-ready capabilities in AI, cloud technologies, cybersecurity, and productivity tools. These efforts will contribute to building a workforce aligned with global standards and emerging industry needs. Union Minister Dr. Mansukh Mandaviya welcomed the partnership, noting that it reflects a shared ambition to leverage India's favourable demographic dividend and create a globally competitive, digitally skilled, and future-ready workforce. He emphasised that Microsoft's participation will accelerate job access, deepen skilling, and enhance India's leadership in global labour mobility. "India has achieved a historic milestone in social protection, with coverage rising from 19% in 2015 to an impressive 64.3% in 2025, benefiting over 94 crore citizens. By embedding AI into platforms like e-Shram and the National Career Service, we are fortifying social security and moving closer to our goal of social protection to 100 crore citizens by March 2026," Dr. Mandaviya further added. During the discussion, Mr. Nadella appreciated India's remarkable expansion of social protection coverage, noting that India has now reached 64.3% coverage, benefiting 940 million people. He specifically praised the e-Shram initiative for bringing millions of unorganised workers into the social protection net and strengthening India's ability to design worker-centric policies based on real-time data. Nadella also expressed Microsoft's interest in supporting India's journey toward building an Employment Digital Public Infrastructure (Employment DPI) and expressed Microsoft's willingness to support this journey in the next phase, acknowledging its potential to unlock private innovation and create interoperable solutions for labour markets at scale. Microsoft's strong Azure and AI capabilities align with Ministry's priorities for strengthening the NCS platform, e-Shram analytics and labour market intelligence, and modernising employment services and job-matching systems. The MoU will help leverage Microsoft's partner ecosystem to widen employer outreach and enhance NCS adoption among industry, training partners, and institutions.

Community Radio Stations Unite in Guwahati to Celebrate Two Decades of Grassroots Broadcasting

New Delhi, Focus News: The two-day Regional Community Radio Sammelan (East) was inaugurated in Guwahati today. Organised by the Ministry of Information & Broadcasting, Government of India, in collaboration with the Indian Institute of Mass Communication (IIMC), New Delhi, the theme of the Sammelan is "Celebrating 20 Years of Community Radio in India." More than 65 Community Radio Stations from the Eastern and Northeastern region are participating in the event. Welcoming the gathering, Dr. Pragya Paliwal Gaur, Vice Chancellor of IIMC, New Delhi said that it was an honour for IIMC to partner with the Ministry for this milestone gathering. She highlighted the growth of the Community Radio ecosystem, with over 550 stations now operating across India and more in the pipeline, including in the Northeast. Dr. Gaur spoke about the important role of Community Radio in promoting gender-sensitive communication, disseminating emergency information, involving students of media education, preserving folk traditions, and responsibly integrating AI in content development. She urged stakeholders to work together to strengthen community-led development through Community Radio. Delivering his address, Shri L. Madhu Nag, Registrar, IIMC, highlighted the significant transformation of India's radio landscape—from mainstream FM broadcasting to the emergence of Community Radio as a powerful platform for local voices. Emphasizing the core pillars of strengthening CR stations, he underscored the importance of community-driven content creation, enhanced capacity building, and long-term financial sustainability. He noted that creatively produced, locally rooted content remains central to the success of Community Radio. Shilpa Rao, Director CRS, Ministry of Information and Broadcasting informed about the objectives of the Sammelan and mentioned that the Ministry of Information and Broadcasting is committed to the growth and reinforcement of the Community Radio sector in North East Region. She also appraised them about the initiatives taken by the Ministry of Information and Broadcasting in this regard. Mahendra Meena, Under Secretary, Ministry of Information & Broadcasting, remarked that Community Radio stations have become indispensable for last-mile communication. He stated that CR stations amplify real community voices and help ensure accurate information reaches people during emergencies and developmental programmes. He reaffirmed the Ministry's continued support to the Community Radio movement.

Prof. (Dr.) Sangeeta Pranvendra, Convenor of the Sammelan, extended a warm vote of thanks to all participants for travelling to Guwahati and joining the collective celebration of two decades of India's Community Radio movement. She appreciated the commitment of CR practitioners and experts who continue to strengthen grassroots broadcasting across the region. The first day of the sammelan featured several technical and interactive sessions. Deputy Wireless Advisor, Ministry of Telecommunications Shri Manish Sheelwant spoke in detail about transmitter replacement and migration to the SARAL Sanchar portal, along with guidance on applying for WoL renewal. Prof. (Dr.) Kanchan K. Malik stressed on the relevance of gender based programming and the vital role of women in CRS programming and participation in the overall content management and broadcasting. A panel discussion on the engagement of State Governments in promoting Community Radio across the eastern region, moderated by Shri Amit Dwivedi, Project Director CRS engaged with CRS practicioners from Bihar, Manipur, Assam, West Bengal and Odisha. The first day also included an insightful session on 'Promotion and Preservation of Indigenous Languages and CRS' led by Prof. Uma Pappuswamy from the Central Institute of Indian Languages, Mysuru. She said that as the nature of the CRS is hyperlocal, indigenous languages can best be preserved and promoted through the CRS.

Italy aims for 700 billion Euro exports by 2027; India is a key partner: Deputy Prime Minister of Italy, Antonio Tajani

Mumbai, Focus News: Antonio Tajani, Deputy Prime Minister and Minister of Foreign Affairs and International Cooperation, Italy today while addressing the 'Italy-India Business Forum', said there is need to collaborate more in areas like innovation, research and education, which are essential for global competitiveness. "I see strong potential in India. Italy aims for 700 billion euros in exports by 2027, and India is a key partner. Many Italian companies are active in India and sectors like sports; automotive industry offer further opportunities. We want to invest more in India, increase our exports, and welcome Indian investments in Italy," he added. He further stated that Indian market has opportunities and key sectors for Italian companies include sports, automotive, defence, pharma, space along with culture. "We want to invest in your (India) country, export more to India along with increased investments. We also want to become part of Indian innovation strategy. Innovation for industries is fundamental. We are proud of our strategic partnership and want to support our diplomacy for growth," he highlighted.

Piyush Goyal, Minister of Commerce & Industry, Govt of India said that this is the third business engagement in last eight months. It reflects the strong bond between our countries, and we are working on strengthening our strategic ties, advancing the EU–India FTA, and creating joint business and investment opportunities, he added. "Together we will work to make sure that India-Italy relationship will become the defining relationship of 21st century. India is committed towards the FTA which will create the enabling framework which will be a fair, equitable and balanced Free Trade Agreement. It will be a win-win for EU and India, and we should be able to get this over the finishing line," he emphasized.

Goyal also stated that India and Italy are taking proactive steps towards implementation of the Italy-India Joint Strategic Action Plan across key sectors including trade, investment, research, innovation, and people-to-people ties. Highlighting key sectors with investment opportunities, he said that auto components, textiles, leather goods are some of the areas where Indian and Italian industry can jointly work. Indian companies are willing to work in areas like R&D, technology, innovation, sports goods, defence, space technologies, agri and processed foods. "Sports is an important sector for us since India is hosting the Commonwealth Games in 2030 and making a bid for the Olympics for 2036. India is keen to bring the sporting culture in the country," noted Mr Goyal. Speaking on the India-Middle East-Europe Economic (IMEC) Corridor, Mr Goyal said that it will pave the way for smoother and fast flow of goods. He further stated that there is a need to bring down cost of raw materials in order to make our supply chains more resilient. "In an era where we are seeing weaponization of trade, we cannot take the risk associated with concentrated geography for supply chains. It is important that countries believing in open trade, trust each other to work together to provide global markets with competitively priced products. We must also look at mutual recognition agreements to benefit our industry," he added. Anant Goenka, President, FICCI and Vice Chairman, RPG Group said that Indian industry, with FICCI as a facilitator, is ready to translate policy momentum into business action through investments, technology transfer, and co-manufacturing. "The foundations are strong, complementarities are clear, and the intent on both sides is unmistakable. We are here to shape the next decade of collaboration," he added. Amit Kumar, Vice President (Group Strategy), Mahindra Group; Mr Riccardo Dalla Costa, Consul General of Italy in Kolkata; Dr Amit Bhalla, Co-Chair, FICCI Sports Committee & Vice President, Manav Rachna Educational Institutions; Mr Giandomenico Milano, Consul General of Italy in Bangalore also shared their perspective during the session.

Centre Releases over ₹87 Crores as XV Finance Commission Grants for Rural Local Bodies in Assam

New Delhi, Focus News: The Union Government has released ₹87.52 crores for Rural Local Bodies in Assam under the XV Finance Commission during FY 2025–26. This amount represents the withheld portion of the 1st and 2nd instalments of Untied Grants for the financial year 2024–25. The funds have been released for all three eligible Autonomous District Councils - Bodoland Territorial Council (BTC), Karbi Anglong Autonomous Council (KAAC) and Dima Hasao Autonomous Council (DHAC). Government of India through Ministry of Panchayati Raj and Ministry of Jal Shakti (Department of Drinking Water and Sanitation) recommends release of XV-FC grants to States for Rural Local Bodies, which are then released by Ministry of Finance. The allocated grants are recommended and released in 2 installments in a financial year. The Untied Grants will be utilized by RLBs for location-specific felt needs, under the twenty-nine subjects enshrined in the Eleventh Schedule of the Constitution, except for salaries and other establishment costs. The Tied Grants can be used for the basic services of (a) sanitation and maintenance of ODF status, and this should include management and treatment of household waste, and human excreta and fecal sludge management in particular and (b) supply of drinking water, rainwater harvesting and water recycling.

Mahila Pragatisheel distributes winter clothes for newborn at Swami Dayanand hospital in East Delhi

New Delhi, Focus News: Members of Bharat Vikas Parishad Vivek Vihar and Mahila Pragatisheel Association jointly went to Swami Dayanand Hospital to distribute breast feeding gowns, winter woolen clothes, sweaters, pyjamas, caps, socks set, baby towels, special caps for ICU children, hand and foot covers to NICU for the children admitted in the neonatal intensive ward and to the mother and child in the maternity ward. Members thanked the hospital doctors Dr Rekha Duniya , Dr. Surendra Bhisht ji, Dr. Adarsh ji and Sister Rashmi ji together distributed these in NICU 1, 2 and labour room. Some clothes, sweaters, blankets were also given to the maintenance staff for the patients coming in emergency. Along with us, Mrs. Ritu Bhatia, Mrs. Saroj Gupta, Mrs. Sunita Arora, Mrs. Krishna Batra annd Mr Rajesh Goel also gave their precious time. We are grateful to all the hospital doctors, staff sisters and our colleagues who contributed to this noble service work.

Deepavali Inscribed on UNESCO's Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity

New Delhi, Focus News: Deepavali, one of India's most widely celebrated living traditions, has now been inscribed on the Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity today during the 20th Session of the UNESCO Intergovernmental Committee, held at the Red Fort, New Delhi The inscription was adopted in the presence of Union Minister of Culture Shri Gajendra Singh Shekhawat, Shri Vivek Aggarwal Secretary, Ministry of Culture, along with the senior officials of Ministry of Culture and delegates from 194 Member States, international experts, and representatives of UNESCO's global network. Addressing the international delegates, the Union Minister of Culture stated that the inscription marks a moment of immense pride for India and for communities across the world who keep alive the timeless spirit of Deepavali. Minister noted that the festival embodies the universal message of "Tamso Ma Jyotirgamaya" the transition from darkness to light, symbolising hope, renewal, and harmony. Highlighting the living and people-centric nature of the festival, the Union Minister emphasised that Deepavali thrives through the contributions of millions including potters crafting traditional diyas, artisans preparing festive decor, farmers, sweet makers, priests, and households that uphold age-old customs. The recognition, the Minister noted, is a tribute to the collective cultural labour that sustains this tradition.

Union Minister also acknowledged the vibrant role of the Indian diaspora, whose celebrations across Southeast Asia, Africa, the Gulf, Europe, and the Caribbean have carried the message of Deepavali across continents and strengthened cultural bridges. The inscription brings with it a renewed responsibility to safeguard and transmit this heritage to future generations. Union Minister urged citizens to embrace the spirit of inclusivity and unity reflected in Deepavali and to continue supporting India's rich intangible cultural traditions. Recognised for its deep cultural significance and its role as a people's festival celebrated across regions, communities, and the global Indian diaspora, Deepavali embodies the principles of unity, renewal and social cohesion. Its diverse practices such as lighting of diyas, rangoli making, traditional crafts, rituals, community gatherings, and intergenerational transmission of knowledge reflect the festival's enduring vitality and its ability to adapt across time and geography.

The nomination, prepared by the Ministry of Culture through the Sangeet Natak Akademi, followed an extensive nationwide consultation involving practitioners, artisans, agrarian communities, diaspora groups, individuals with special needs, transgender communities, cultural organisations, and tradition bearers from across India. Their collective testimonies highlighted Deepavali's inclusive character, its community-led continuity, and its wide ecosystem of livelihoods from potters and rangoli artists to sweet-makers, florists, and craftspeople. UNESCO's inscription acknowledges Deepavali as a living heritage that strengthens social bonds, supports traditional craftsmanship, reinforces values of generosity and wellbeing, and contributes meaningfully to several Sustainable Development Goals, including livelihood enhancement, gender equality, cultural education and community welfare. The Ministry of Culture welcomed the decision, noting that the inscription will further promote global awareness about India's intangible cultural heritage and reinforce efforts to safeguard community-based traditions for future generations.

C.R. Patil Launches Sujalam Bharat App

New Delhi, Focus News: The Union Minister of Jal Shakti, Shri C.R. Patil today launched the Sujalam Bharat App, a key digital initiative designed to transform rural drinking water governance by placing comprehensive, real-time information in the hands of both citizens and institutions. The app has been developed with the support of Bhaskaracharya National Institute for Space Applications and Geo-informatics (BISAG-N) to enable advanced geo-referencing, monitoring and management of rural water supply infrastructure under Jal Jeevan Mission. In his address, the Union Minister emphasised the significance of the initiative, stating that "this is a very important launch for Jal Jeevan Mission, marking a major step forward in ensuring greater transparency and strengthening community ownership in rural drinking water supply systems." Ashok K.K. Meena, Secretary, DDWS, addressed the representatives of States/UTs and outlined the importance of timely data integration and structured adoption of the Sujalam Bharat platform. T.P. Singh, Director General, BISAG-N, gave an overview of the technological architecture of the Sujalam Bharat App and the Sujalam Bharat Database. He also elaborated on how the unified system will support States and districts in adopting a structured approach to digital operations and maintenance of rural water supply schemes. The event witnessed online participation from representatives of all States and Union Territories, reinforcing the nationwide commitment to strengthened water governance. It marks a major step in operationalizing the Sujalam Bharat Database. Each scheme and its service area will be assigned a unique Sujalam Bharat – Sujal Gaon ID, enabling clear identification of which scheme is supplying water to which households.

Following the launch, a detailed training and orientation session was conducted for all States and Union Territories by the BISAG-N technical team, focusing on the operational use of the Sujalam Bharat App, geo-referencing procedures, and integration of rural water supply assets on the Sujalam Bharat platform. The session ensured that State officials receive hands-on guidance to seamlessly adopt the new system and strengthen on-ground implementation.

The Sujalam Bharat Database integrates critical data including water sources, asset inventories, scheme designs, operational records, water quality reports, supply metrics, and community feedback into a single platform. With the introduction of the Sujal Gaon ID, every habitation will have a clear digital profile showing:

Its source of drinking water (local or bulk supply)

The nature and condition of its infrastructure

Supply reliability

Water quality status

O&M arrangements

This platform will ensure transparency in the performance of Gram Panchayats/VWSCs and service providers, thereby promoting community participation and oversight.

In his closing remarks, Shri Kamal Kishore Soan, AS&MD-NJJM underscored that this is an important exercise for all States and UTs in strengthening the digital backbone of Jal Jeevan Mission. He thanked the participating States/UTs for their engagement and urged them to prepare a clear action plan and ensure timely data submission so that implementation progresses smoothly without any constraints or bottlenecks.

Strengthening Long-Term Sustainability and Planning: The Sujalam Bharat digital registry will securely maintain the history of infrastructure condition, maintenance activities, and service-level performance, supporting more reliable operations and long-term sustainability. The platform's integration with PM Gati Shakti GIS provides up-to-date geospatial mapping of rural water networks, supporting future planning, repair, and expansion with greater precision. The launch of the Sujalam Bharat App is therefore a milestone toward a secure, reliable, and technology-enabled rural drinking water ecosystem, ensuring every household continues to receive safe water services sustainably. In summary: Just as Aadhaar became the backbone of India's identity system, Sujalam Bharat – Sujal Gaon ID will serve as the identity of rural water management, forming the very foundation of a transparent, accountable and citizen-centric service delivery framework.The Sujalam Bharat App will be available for download from the Google Play Store very soon.

1971 WAR VIJAY DIWAS CELEBRATION AT AIR FORCE STATION MOHANBARI

New Delhi, Focus News: The Indian Air Force commemorated India's victory in the 1971 war at Air Force Station Mohanbari in Assam. The event paid a rich tribute to the bravery and valour of the Indian Armed Forces. The Chief of the Air Staff, Air Chief Marshal AP Singh, senior military and civilian dignitaries, veterans, and a large number of youth from Assam attended the event. A flying display by Su-30 MKI, C-130, Dornier, An-32, Chinook, Mi-17, ALH and Cheetah aircraft recreated key missions of the 1971 war, which included the Tangail Airdrop, Meghna River Crossing, and the attack on Government House at Dhaka. The display highlighted the operational capability and mission readiness of the Indian Air Force. A seminar on 'Air Operations during the 1971 War' was conducted on the occasion, during which Air Veterans shared anecdotes and experiences from their participation in the war. An exhibition titled 'Triumph from the Sky-71', showcased a rare archival of photographs from the period of war, and it also included a replica of the 'Swarnim Vijay Mashal', the ceremonial flame marking India's decisive victory.

AIR MARSHAL JEETENDRA MISHRA, AIR OFFICER COMMANDING IN CHIEF, WESTERN AIR COMMAND VISITS AIR FORCE STATION FARIDABAD

Faridabad, Focus News: Air Marshal Jeetendra Mishra, Air Officer Commanding-in-Chief (AOC-in-C) of Western Air Command (WAC), Indian Air Force (IAF) visited Air Force Station Faridabad on 10 Dec 2025. The AOC-in-C was received by Group Captain V Viswanathan, Station Commander, Air Force Station Faridabad and briefed about operational preparedness and welfare initiatives undertaken by the Station. The AOC-in-C reviewed the Passing Out Parade of No. 80 Explosive Detection (ED) Dog Course at Air Force K9 School. These newly passed out canines will now be deployed for security operations at various operational units. The AOC-in-C complimented the school for adopting exemplary standards and innovative methods for training these canines towards explosive detection. During the visit, the AOC-in-C visited key operational logistics sites to assess their functionality and readiness to render efficient logistics support to operational units. He reviewed the efficacy of storage, warehousing and emphasized upon the need to be in the state of operational readiness to support the operations at short notice. As the IAF continues to modernize and upgrade its air combat and surveillance capabilities, such visits play a vital role in evaluating logistics readiness, addressing operational challenges and strengthening force preparedness.

AIIA Goa celebrates 4th Foundation Day with launch of several new initiatives and national workshop on developing integrative protocol for cancer treatment

Panaji, Focus News: The All-India Institute of Ayurveda (AIIA), Goa, celebrated its fourth Foundation Day today, December 11, marking another milestone in its rapid rise as a national centre of excellence in Ayurvedic education, research, and patient care in Goa. Established in 2022 and inaugurated by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, the institute has steadily expanded its clinical and academic footprint. Talking about the Foundation Day celebrations and the important milestones of the institution, Prof. Pradeep Kumar Prajapati, Director, AIIA, highlighted the institute's achievements, progress, and future initiatives in advancing Ayurvedic healthcare, research, and education in the region. "AIIA Goa reaffirms its commitment to advancing integrative Ayurveda and contributing to the nation's healthcare landscape through high-quality clinical services, academic excellence, and collaborative research," he said. "The hospital now runs 25 specialized OPDs and serves more than 800 visitors daily, all receiving Ayurvedic medicines free of cost. Since inception, it has recorded over 5.25 lakh OPD visits, more than 31,000 IPD admissions, 77,200 Panchakarma procedures, and 1,35,000 radiology and laboratory investigations. It is a matter of pride for AIIA Goa that the daily number of OPD patients visiting the institute has crossed 800. We are expecting the number to grow in the coming years," Prof. Prajapati said. Speaking on the occasion, Prof. (Dr.) Sujata Kadam, Dean, AIIA Goa, announced the institute's achievement of accreditation by National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers (NABH). "The NABH accreditation reinforces our commitment to quality and patient safety. Academically, AIIA Goa hosts 400 undergraduate students and has expanded its postgraduate programs to 49 scholars across multiple disciplines, alongside specialized courses in Ayurveda dietetics and Panchakarma therapy," she said. The institute has been on a mission to strengthen its research and academic ecosystem through collaborations with the Department of Tourism, CSIR–NIO, BITS Pilani, the Goa State Biodiversity Board, the Goa Institute of Management, and ACTREC–Tata Memorial Centre, supporting initiatives in integrative oncology, biodiversity, wellness tourism, and healthcare innovation, Prof. Kadam said.

FICCI Annapoorna Exhibition 2025 Unveils India's Expanding Food Processing Ecosystem

New Delhi, Focus News: "FICCI's Annapoorna Interfood event is a window into the potential of India's food processing industry to transform agriculture, livelihoods, and consumer experience," said Avinash Joshi, IAS, Secretary, MoFPI, today in Mumbai. Avinash Joshi was speaking at the 17th edition of the Annapoorna Interfood Exhibition, organized by FICCI in collaboration with the Ministry of Food Processing Industries (MoFPI). "With rising agricultural productivity, growing domestic demand, and evolving consumption patterns, we must scale up processing, value-addition, and food-safety standards, otherwise farmers will forego the prosperity they deserve, and consumers will miss out on choice, quality, and fairness. Through policy support, subsidies, and credible regulation, we aim to ensure this sector flourishes, for everyone," added Joshi. The Annapoorna Interfood event which drew a large gathering of stakeholders from across India, Africa, US, Europe, UAE and Australia, featured participation from leading food-processing companies, buyers, and trade professionals, with representation from 17–18 countries exploring India's dynamic market. Emphasizing the importance of government support in driving sectoral growth, Joshi highlighted that India's strength lies in its agricultural foundation, and the country's challenge, and opportunity, is to convert that foundation into sustainable prosperity through food processing. Under flagship schemes such as the PM Kisan Sampada Yojana (PMKSY) and the PMFME Scheme (Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises), MoFPI provides extensive assistance including capital subsidies for small and micro enterprises, financial support of 35%–50% for setting up cold-chain facilities, food-testing labs, incubation centers, and processing units in agricultural clusters, as well as special incentives and seed funding for self-help groups, particularly women-led SHGs, to begin food-processing ventures. "Through these programmes, we are not just processing produce, we are transforming rural livelihoods, boosting employment, and offering consumers better quality and diverse products," Joshi noted. At the event, Ms. Nandini Roy Chowdhury, Principal Consultant at Future Market Insights, presented an industry report highlighting how Gen Z has redefined the meaning of a modern consumer. Unlike millennials, Gen X, or boomers, Gen Z's relationship with products, technology, and brands is fundamentally different, influencing not only how they shop but also how they eat, the tools they use, and the standards they expect from brands.

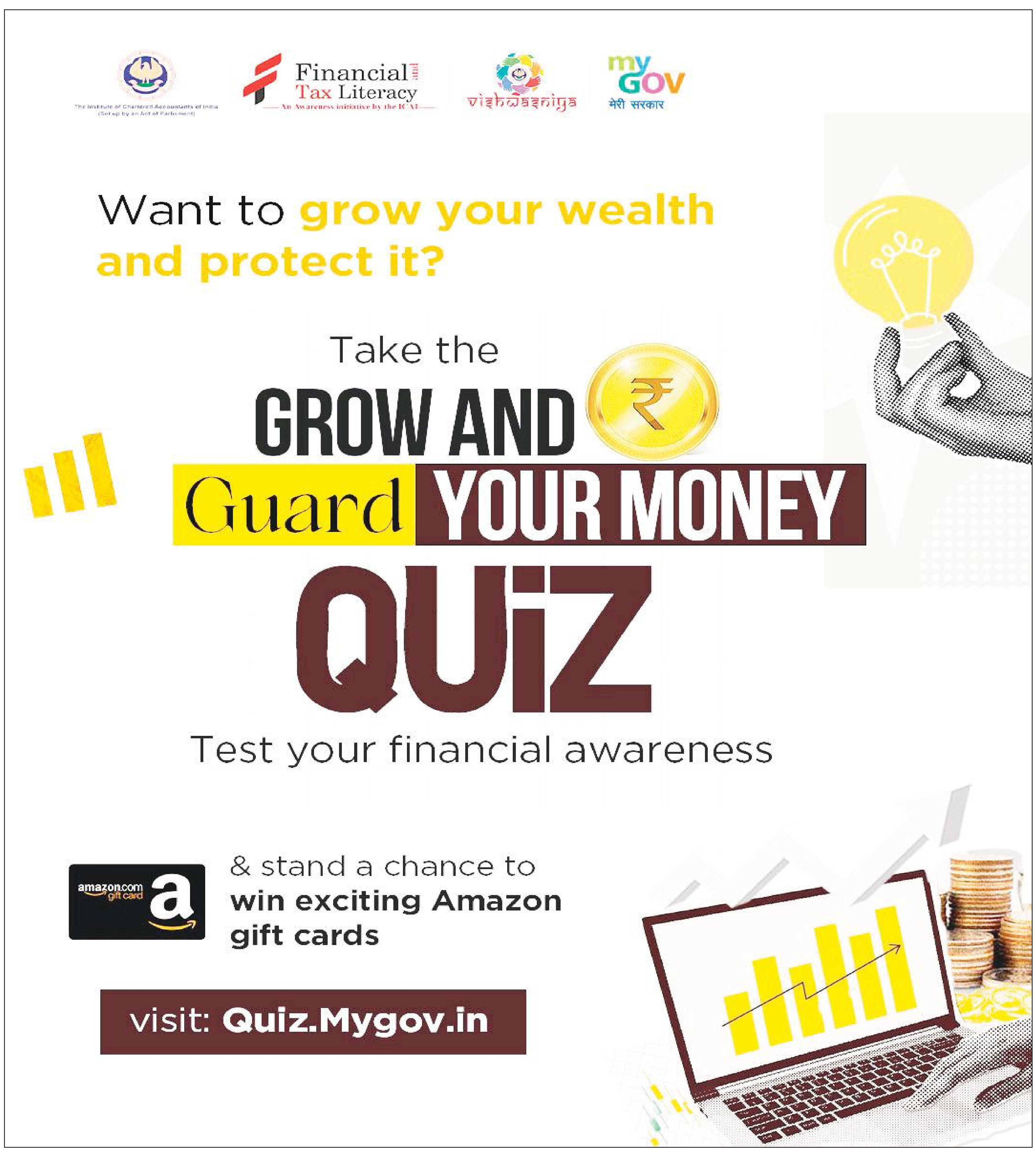

प्रधानमंत्री मोदी 15 से 18 दिसंबर तक जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की यात्रा करेंगे

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापार और रक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए सोमवार से शुरू होने वाली जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की चार दिवसीय यात्रा करेंगे। अपनी यात्रा के पहले चरण में मोदी 15 से 16 दिसंबर तक राजा अब्दुल्ला द्वितीय बिन अल हुसैन के निमंत्रण पर जॉर्डन का दौरा करेंगे, जहां वे द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण पहलू की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दौरा भारत–जॉर्डन संबंधों को और मजबूत करने, विकास और समृद्धि के लिए सहयोग के नये रास्ते तलाशने और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करता है। जॉर्डन से मोदी 16 से 17 दिसंबर तक दो दिवसीय यात्रा के लिए इथियोपिया जाएंगे। पूर्वी अफ्रीकी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। अदीस अबाबा में मोदी इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''ग्लोबल साउथ में साझेदार के रूप में, यह दौरा घनिष्ठ मित्रता और द्विपक्षीय सहयोग के संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगा।'' अपनी यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में, मोदी सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर 17 से 18 दिसंबर तक ओमान का दौरा करेंगे। मोदी की यह ओमान की दूसरी यात्रा होगी। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की खाड़ी देश की यात्रा के दौरान दोनों पक्ष एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''भारत और ओमान सदियों पुरानी मित्रता, व्यापारिक और मजबूत संबंधों पर आधारित एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं।'' मोदी की ओमान यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है और यह दिसंबर 2023 में सुल्तान तारिक की भारत की राजकीय यात्रा के बाद होगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह दौरा दोनों पक्षों के लिए व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी की व्यापक समीक्षा करने और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करने का मौका होगा।''

माघ मेले के आयोजन के इतिहास में पहली बार जारी हुआ माघ मेले का प्रतीक चिन्ह

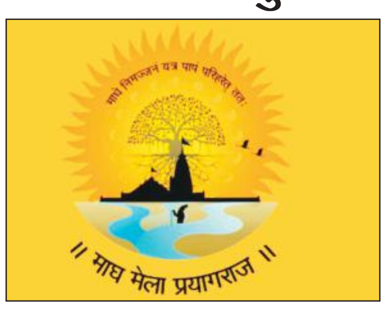

प्रयागराज (उप्र), (भाषा) प्रयागराज महाकुंभ–2025 के दिव्य और भव्य आयोजन के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार माघ मेला–2026 को भी अभूतपूर्व स्वरूप देने की तैयारी में है। इसी क्रम में माघ मेले के दर्शन तत्व को उद्घाटित करता माघ मेले का प्रतीक चिन्ह जारी हुआ है। मुख्यमंत्री के स्तर से माघ मेले का यह 'लोगो' जारी किया गया है। एक बयान के मुताबिक जारी किए गए 'लोगो (निशान)' में माघ मास में संगम किनारे जप–तप, साधना और कल्पवास की महत्ता के साथ इस अवधि में नक्षत्रों की अवस्थिति के आधार पर सप्त ऊर्जा चक्रों को स्थान दिया गया है। 'लोगो' में अक्षय पुण्य का संचय साक्षी अक्षयवट, सूर्य देव और चंद्र देव की 27 नक्षत्रों के साथ की ब्रह्मांडीय यात्रा, श्री लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन बोध कराता बड़े हनुमान जी का मंदिर, सनातन के विस्तार की प्रतीक सनातन पताका और संगम पर साइबेरियन पक्षियों की कलरव को ध्वनित करने वाला पर्यावरण बोध सभी का इसमें समावेश है। 'लोगो' पर श्लोक "माघे निमज्जनं यत्र पापं परिहरेत् ततः" माघ के महीने में स्नान करने से सभी पाप मुक्ति का शंखनाद है। मेला प्राधिकरण ने डिजाइन सलाहकार अजय सक्सेना एवं प्रागल्भ अजय द्वारा 'लोगो' का डिजाइन तैयार करवाय है जिसे मुख्यमंत्री के स्तर पर जारी किया गया है। 'लोगो' का दर्शन माघ महीने के सूर्य और चंद्र की स्थिति को भी उद्घाटित करता है। ज्योतिषाचार्य आचार्य हरि कृष्ण शुक्ला बताते हैं कि सूर्य एवं चंद्रमा की 14 कलाओं की उपस्थिति ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य, चंद्रमा एवं नक्षत्रों की स्थितियों को प्रतिबिंबित करता है जो प्रयागराज में माघ मेले का कारक बनता है।

सरकार बस्तर के गांव–गांव तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है : साय

जगदलपुर (छत्तीसगढ़), फोकस न्यूज, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने साय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार बस्तर के गांव–गांव तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप बस्तर अब शांति, समरसता और समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर हो रहा है तथा प्रदेश तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि साय ने आज जगदलपुर के स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर बॉक्सिग की प्रसिध्द खिलाड़ी पद्मश्री एमसी मेरीकॉम भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध है। यही कारण है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र में आस्था एवं विश्वास के साथ आगे आ रहे हैं और विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' बस्तर ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के विजेता आने वाले समय में खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बनेंगे। सरकार बस्तर के युवाओं को बेहतर अवसर एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करेगी।'' मुख्यमंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकल जीतकर आने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः तीन करोड़, दो करोड़ तथा एक करोड़ रुपए की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर ओलंपिक युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सकारात्मक प्रयास है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने बताया कि बस्तर ओलंपिक की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर और बस्तर जिले के साथ ही नुवा बाट के करीब तीन हजार पांच सौ खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सभी सात जिलों के लगभग 3,500 खिलाड़ी और 'नुआ बाट' टीम के 761 प्रतिभागी इस साल बस्तर ओलंपिक में डिवीजन–स्तरीय आयोजनों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। नुआ बाट (स्थानीय हल्बी बोली का एक शब्द जिसका अर्थ है एक नया रास्ता) टीम में आत्मसमर्पित नक्सली और माओवादी हिंसा के पीड़ित प्रतिभागी के रूप में शामिल हैं।

उत्तराखंड में पीआरडी जवानों के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण संस्थान बनेगाः धामी

देहरादून, (भाषा) उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के लिए एक विशिष्ट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा यहां पीआरडी के स्थापना दिवस पर आयोजित रैतिक परेड का निरीक्षण करने के बाद की। धामी ने यह भी कहा कि अब ड्यूटी के दौरान उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती होने की स्थिति में पीआरडी जवानों को ड्यूटी पर ही माना जाएगा और उन्हें अधिकतम छह माह का मानदेय प्रदान किया जाएगा । मुख्यमंत्री ने कहा, '' पीआरडी जवान, धैर्य, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ प्रदेश में सुरक्षा, जनसेवा, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने, लिपिकीय कार्यों और विभिन्न विभागीय दायित्वों, प्राकृतिक आपदाओं, चार धाम यात्रा आदि में अपना योगदान दे रहे हैं ।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पीआरडी जवानों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के गठन के समय पीआरडी जवानों को मिलने वाले 65 रुपये प्रतिदिन भत्ते को 10 गुना बढ़ाकर 650 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है।

मणिपुरः राष्ट्रपति मुर्मू ने इंफाल में विस्थापितों से की मुलाकात

इंफाल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोक भवन में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। भारत के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इंफाल में कुछ आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है।" पोस्ट में कहा गया, "उन्होंने पुष्टि की कि सरकार उनके घरों, आजीविका और उनके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि भारत सरकार शांति और निरंतर समृद्धि के माहौल की दिशा में उनकी प्रगति को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक उपाय कर रही है। उन्होंने सद्भाव को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।" इस बीच, मणिपुर के कांगपोकपी जिले में कुकी नागरिक संस्थाओं ने शुक्रवार को नगा बहुल सेनापति जिले की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

आजमगढ़, वाराणसी, बरेली में एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)के प्रति जनता को जागरुक करने और अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते आजमगढ़, वाराणसी व बरेली में जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। एक बयान में यह जानकारी दी गई। योगी ने इन बैठकों में सहयोग, सुझाव तथा सतत संवाद की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर यह सुनिश्चित करें कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल हो सके। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अपात्र नामों का समय पर परीक्षण और आवश्यक सुधार लोकतंत्र की पारदर्शिता को सुदृढ़ करते हैं।

राज्य में पांच वर्षों में 5,215 शिक्षकों की भर्ती की गईः त्रिपुरा के मुख्यमंत्री

अगरतला, मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य ने स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले पांच वर्षों में 5,215 शिक्षकों की भर्ती की है। साहा ने यहां रवीन्द्र भवन में शिक्षा विभाग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की कमी मुख्य रूप से कई वर्ष पहले बड़ी संख्या में शिक्षकों की सेवाएं समाप्त किए जाने के कारण हुई है। उन्होंने मार्कस्वादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)–कांग्रेस गठबंधन की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा, ''लोग जानते हैं कि वर्ष 2017 में इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों की नौकरियां किसके कारण गई थीं और अब वे हाथ मिला चुके हैं। यह राजनीतिक बात है और मैं इस पर अधिक नहीं कहना चाहता।'' नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के एक समूह द्वारा दायर याचिका के बाद, त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने 10,323 शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी थी, जिसे बाद में उच्चतम न्यायालय की खंडपीठ ने भी उचित ठहराया था।